हिन्दी दैनिक

तीसरा विकल्प न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्षः- 02, अंकः-16, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.
लखनऊ, बुधवार 26 जून 2024

कारगिल जंग के नायक कैप्टन मनोज पांडेय की उनके पैतृक...02

आम आदमी पार्टी, असम ने किया नये सदस्यों के दाखिले के...6

पेपर लीक मामले पर योगी सरकार का बड़ा फैसला

लगेगा 1 करोड़ का जुर्माना, ताउम्र जेल में बीतेगी जिंदगी

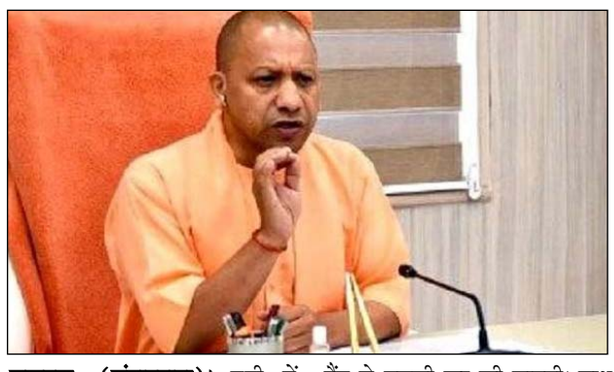

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी में सिपाही भर्ती परीक्षा और आरओ-एआरओ परीक्षा में हुए पेपर लीक को देखते हुए योगी सरकार उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा अध्यादेश 2024 लेकर आएगी। इसके तहत पेपर लीक में दोषी पाए जाने पर आजीवन कारावास तक और एक करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। इस प्रस्ताव को योगी कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। वहीं, पेपर लीक या अन्य कारणों से परीक्षा प्रभावित होती है तो उस पर आने वाले खर्च की भरपाई सॉल्वर गैंग से वसूली कर की जाएगी। साथ ही परीक्षा में गड़बड़ी करने वाली कंपनियों और सेवा प्रदाताओं को हमेशा के लिए ब्लैक लिस्ट किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में 44 प्रस्तावों पर सहमति दे दी गई है। बैठक में प्रदेश के तीन बड़े शहरों वाराणसी, गोरखपुर और प्रयागराज के सीमा विस्तार को मंजूरी दे दी गई है। अयोध्या मे टाटा कम्पनी द्वारा सीएसआईआर फंड 650 करोड़ रु से विश्वस्तरीय मंदिर संग्रहालय को मंजूरी, कुल बजट 750 करोड़ रु की मंजूरी,जमीन निशुल्क रूप से लीज पर मुहैया करवाएगा।सहारनपुर के बेहट तहसील मे शाकुंभरी देवी धाम पर्यटन विकास हेतु पर्यटन विभाग द्वारा निशुल्क भूमि देय की मंजूरी। पर्यटन विभाग के बंद या घाटे में चल रहे पर्यटन आवास गृह को पीपीपी मोड पर दिए जाने के लिए मंजूरी, इसमे राही पर्यटक आवास गृह,मुंशीगंज (अमेठी), खुर्जा (बुलन्दशहर),देव शरीफ (बाराबंकी),हरगांव(सीतापुर) को लीज पर दिए जाने के साथ लेटर ऑफ अवॉर्ड दिए जाने को मंजूरी। उत्तरप्रदेश में पर्यटन विकास,रोड एयर कनेक्टिविटी हेतु जनपद लखनऊ प्रयागराज कपिलवस्तु (सिद्धार्थनगर) में पीपीपी मोड पर हेलीपोर्ट हेतु हेलीपैड बनवाने को कैबिनेट से मंजूरी। प्रदेश के हेरीटेज बिल्डिंग को पीपीपी मोड पर एडॉप्ट करने का निर्णय,आज तीन हेरिटेज इमारतें कोठी रोशनउद्दौला लखनऊ,शुक्ला तालाब कानपुर,बरसाना जलमहल मथुरा को तकनीकी निविदा प्राप्त करने को मंजूरी। प्रदेश में पर्यटन हेतु टूरिज्म पॉलिसी 2022 तहत मुख्यमंत्री टूरिज्म फेलोशिप कार्यक्रम को मंजूरी,शोधार्थी इस फेलोशिप में पर्यटन विकास हेतु सहभागिता प्रदान करेंगे व अध्ययन करेंगे,साथ ही निवेशकों के साथ पर्यटन विकास में सहायता करेंगे, शोधार्थियों को 30 हजार मानदेय व 10 हजार क्षेत्र भ्रमण हेतु व एक टैबलेट का लाभ दिया जाएगा। गोरखपुर में परमहंस योगानन्द जी की जन्मस्थली को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने को मंजूरी,गोरखपुर के असरकरगंज में 460 वर्गमीटर भूमि पर्यटन विभाग को दिए जाने की मंजूरी।ऊर्जा विभाग हेतु विद्युत निरीक्षक व मुख्य विद्युत निरीक्षकों के लिए नियमावली को मंजूरी,नगर पालिकाओं, निगमो नगर पंचायतो मे आवासीय,अनावासीय सम्पत्तियों के लिए नियमावली बनाने हेतु मंजूरी।

आपातकाल की 50वीं बरसी पर बोले योगी

इमरजेंसी का विरोध करने वाले आज कांग्रेस की गोद में जाकर बैठ गये

लखनऊ। आपातकाल की 50वीं बरसी के मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिना नाम लिए समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 50 वर्ष पहले कांग्रेस सरकार द्वारा देश पर थोपे गये आपातकाल का विरोध करने वाले आज सत्ता के लालच में उसी कांग्रेस की गोद में जाकर बैठ गये हैं जिन्हे देश की जनता कभी माफनहीं करेगी। आपातकाल की 50वीं बरसी के मौके पर सीएम योगी ने मंगलवार को यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुये कहा कि 25 जून 1975 को तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने आपातकाल लागू कर संविधान का गला घोंटा था। इससे पहले भी देश की आजादी के बाद कांग्रेस ने संविधान में जबरन संशोधन कर कश्मीर में धारा 370 लागू करायी थी जो देश की एकता और अखंडता के लिये गंभीर खतरा बन गयी थी। कांग्रेस के लिये देश की लोकतांत्रिक प्रणाली और संविधान का मखौल उड़ाना कोई नयी बात नहीं है। उनके नेताओं को जब मौका मिलता है तो देश में नहीं बल्कि विदेशी सरजमीं पर संविधान पर सवाल खड़े करते रहे है। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने तो पिछले वर्षो में सरेआम संसद में एक विधेयक की प्रतियां जला कर लोकतंत्र का अपमान किया था। योगी ने कहा कि संविधान का बार बार अपमान करने वाली कांग्रेस का आज सिर्फचेहरा बदला है मगर चरित्र वही है।

दिल्ली जल संकट को लेकर आतिशी का अनशन खत्म

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने राष्ट्रीय राजधानी के हिस्से का पानी की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन अनशन के पांचवें दिन तबीयत बिगड़ने के बाद मंगलवार को अनशन समाप्त कर दिया। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्य सभा सांसद संजय सिंह ने आज कहा कि जल मंत्री आतिशी पाँच दिनों से अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठी थीं। उनकी एक ही मांग थी कि दिल्ली को उसके हक का पानी मिलना चाहिए। हरियाणा की सरकार से हमारे समझौते के तहत दिल्ली को 613 एमजीडी पानी मिलना चाहिए। लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद, पिछले तीन सप्ताह से लगातार दिल्ली को 100 एमडीजी पानी कम दिया जा रहा है। यह दिल्ली के लोगों के हक का पानी है। दिल्ली को निर्धारित कोटे के अनुसार पूरा पानी देने की गुहार कहीं नहीं सुनी गई। श्री सिंह ने कहा कि पानी को लेकर सुश्री आतिशी पिछले पांच दिनों से अनशन पर बैठी हुई थीं। उनकी तबियत बिगड़ रही थी, डॉक्टर उन्हें बार-बार सलाह दे रहे थे कि वह अपना अनशन खत्म कर दें लेकिन उन्होंने अपना अनशन जारी रखा। इसके कारण सोमवार रात को उनकी तबियत अचानक बिगड़ना शुरु हो गई। उनका ब्लड शुगर लेवल 36 तक पहुंच गया था जिसके बाद डॉक्टरों ने उन्हें तुरंत अस्पलात में भर्ती कराने की सलाह दी। सुश्री आतिशी की स्थिति को देखते हुए उन्हें एलएनजेपी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया। वह अभी भी एलएनजेपी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती हैं। रात में उनकी स्थिति बेहद गंभीर थी।

संक्षिप्त समाचार

अगले महीने रूस का दौरा करेंगे पीएम मोदी

मॉस्को, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगामी मॉस्को दौरे की भारत और रूस योजना बना रहे हैं। रॉयटर्स ने रूसी समाचार एजेंसी आरआईए के हवाले से मंगलवार को यह जानकारी दी। आरआईए के मुताबिक, एक राजनयिक सूत्र ने संकेत दिया कि पीएम मोदी जुलाई में रूस का दौरा करने वाले हैं। क्रेमलिन ने इससे पहले मार्च में घोषणा की थी कि मोदी को रूस आने का निमंत्रण मिला है। सूत्र ने इस बात की भी पुष्टि की कि पीएम मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच एक बैठक होने वाली है। पुतिन ने इस साल मई में लगातार पांचवीं बार रूस के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। जबकि मोदी ने नौ जून को लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली।

अफजाल अंसारी का भविष्य हाइकोर्ट के आदेश पर निर्भर

लखनऊ, (संवाददाता)। 18वीं लोकसभा का गठन हो चुका है। सांसदों को शपथ दिलाई जा रही है और सदन की कार्यवाही शुरु है लेकिन उत्तर प्रदेश से सवा लाख वोटों के अंतर से चुनाव जीतने वाले एक सांसद न सदन की कार्यवाही में शामिल हो सकेंगे और न सांसद निधि का इस्तेमाल कर सकेंगे। उनके संसद सदस्य के तौर पर शपथ लेने पर सस्पेंस है।यह सांसद गाजीपुर से नवनिर्वाचित सपा सांसद अफ्जाल अंसारी हैं।बीजेपी विधायक कृष्णानंद राय के परिवार के अधिवक्ता सुदिष्ट सिंह के मुताबिक अफ्जाल अंसारी सांसद निर्वाचित होने के बाद अगर संसद सदस्य के पद की शपथ लेते हैं तो यह सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवमानना होगी। उनके मुताबिक दिसंबर 2023 का सुप्रीम कोर्ट का जो आदेश है उसमें यह बिल्कुल स्पष्ट है।

श्रीनिवासन की हत्या के मामले में पीएफआई के 17 आरोपियों को राहत

केरल, एजेंसी। केरल उच्च न्यायालय ने पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के 17 सदस्यों को सशर्त जमानत दे दी है। इन सभी पर वर्ष 2022 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के नेता श्रीनिवासन की हत्या का आरोप था। बता दें कि श्रीनिवासन की हत्या केरल के पलक्कड़ में की गई थी। न्यायमूर्ति ए के जयशंकरन नांबियार और स्याम कुमार की पीठ ने एनआईए की विशेष अदालत के फैसले को भी सही ठहराया। दरअसल एनआईए की विशेष अदालत ने इस हत्याकांड से जुड़े पीएफआई के नौ सदस्यों को राहत देने से इनकार कर दिया था।

नीट पेपर लीक मामले में 4 राज्यों से 26 गिरफ्तारियां

8 आरोपियों की जमानत याचिका पर सुनवाई टली, मास्टरमाइंड संजीव मुखिया अभी फरार

नयी दिल्ली, एजेंसी। नीट पेपर लीक मामले में 8 आरोपियों की जमानत याचिका पर मंगलवार को पटना एडीजे-5 कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट में सरकारी वकील ने बताया कि यह केस अब सीबीआई के पास चला गया है। जिस पर कोर्ट ने कहा कि इसकी जानकारी ऑर्डर पेपर के साथ दें। पेपर मिलने के बाद मामले की सुनवाई सीबीआई की विशेष अदालत ही करेगी। अगली सुनवाई 2 जुलाई को होगी। पेपर लीक मामले में अब तक 13 आरोपी बिहार से और 6 झारखंड के देवघर से गिरफ्तार किए गए हैं। इन्हीं में से आठ आरोपियों ने कोर्ट में जमानत के लिए अर्जी लगाई थी। इस मामले में मास्टरमाइंड संजीव मुखिया की गिरफ्तारी नहीं हुई है। उसने कोर्ट में अग्रिम जमानत की अर्जी लगाई है। इस पर कोर्ट ने 15 जुलाई की तारीख तय की थी। अगर मामला सीबीआई के पास जाता है तो अग्रिम जमानत की अर्जी सीबीआई की अदालत में ही लगानी होगी। पेपर लीक मामले में महाराष्ट्र में एटीएस ने 4 शिक्षकों के खिलाफ पब्लिक एग्जाम एक्ट 2024 के तहत मामला दर्ज किया गया है। लातूर के 2 टीचर्स- संजय तुकाराम जाधव और जलील खान को गिरफ्तार किया गया है। स्पेशल कोर्ट ने आज दोनों आरोपियों की पुलिस रिमांड 2 जुलाई तक बढ़ा दी है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने 20 जून को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, नीट के मामले में जो लाखों मेधावी छात्र परीक्षा में पास हुए हैं, उनके हितों का भी हमें ध्यान रखना है।

एयर इंडिया फ्लाइट में बम होने की धमकी

कोच्चि, एजेंसी। महाराष्ट्र के मुंबई स्थित एयर इंडिया के कॉल सेंटर को सोमवार मध्यरात्रि के बाद कोचीन (सीओके) से लंदन गैटविक (एलजीडब्ल्यू) के लिए उड़ान भरने वाली उड़ान संख्या एआई 149 में बम रखे होने की धमकी मिली। कोचीन में एयर इंडिया और कोचीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (सीआईएएल) को रात 1.22 बजे अलर्ट के बारे में सूचित किया गया। स्थापित प्रोटोकॉल का पालन करते हुए, तुरंत सीआईएएल में एक बम खतरा आकलन समिति (बीटीएसी) बुलाई गई। खतरे का आकलन किया गया और इसे विशिष्ट घोषित किया गया। हवाईअड्डा सुरक्षा समूह (एएसजी-सीआईएसएफ), एयरलाइन सुरक्षा कर्मियों और इन-लाइन बैगेज स्क्रीनिंग सिस्टम द्वारा गहन सुरक्षा जांच की गई। उस शख्स की पहचान करने का प्रयास किया गया, जिसने मुंबई कॉल सेंटर को कॉल करके बम रखे होने की सूचना दी थी।

केजरीवाल को बड़ा झटका, अभी जेल में ही रहेंगे सीएम

हाईकोर्ट का जमानत देने से इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट से अरविंद केजरीवाल को बड़ा झटका लगा है। ट्रायल कोर्ट के आदेश पर रोक की मांग वाली याचिका पर कोर्ट ने फैसला सुनाया। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अभी जेल में ही रहना पड़ेगा। हाईकोर्ट ने केजरीवाल को जमानत देने से इनकार कर दिया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोर्ट में ट्रायल कोर्ट के आदेश को दोषपूर्ण बताते हुए कहा था कि केजरीवाल को राहत नहीं मिलनी चाहिए। केजरीवाल को निचली अदालत ने 20 जून को जमानत दी थी। 21 जून को प्रवर्तन निदेशालय ने मुख्यमंत्री को जमानत दिए जाने को चुनौती देते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया। इस बीच, केंद्रीय जांच एजेंसी ने निचली अदालत के फैसले पर रोक लगाने के लिए तत्काल आवेदन दायर किया। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को तत्काल राहत देने से इनकार कर दिया है। जस्टिस मनोज मिश्रा और एसवीएन भट्टी की अवकाश पीठ ने कहा कि हाईकोर्ट को अपना आदेश देने दीजिए। हम आपको 26 जून को सुनेंगे। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट में केजरीवाल की ओर से पेश हुए अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कथित आबकारी घोटाले से जुड़े ईडी के मामले में जमानत आदेश पर उच्च न्यायालय की रोक हटाने का अनुरोध किया। ईडी की ओर से पेश एएसजी एसवी राजू ने केजरीवाल की याचिका का विरोध किया और कहा कि हाईकोर्ट उनकी रोक याचिका पर फैसला सुनाने वाला है। दरअसल, राउज एवेन्यू कोर्ट ने 20 जून को केजरीवाल को जमानत दे दी थी, लेकिन हाईकोर्ट ने बीते शुक्रवार को इस पर अंतरिम रोक लगा दी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल को 21 मार्च को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया था। हाईकोर्ट की एक अवकाशकालीन पीठ ने कहा था कि अगले आदेश तक जिस फैसले को चुनौती दी गई है, उसे अमल में नहीं लाया जा सकेगा।

राहुल ने ली लोकसभा की सदस्यता की शपथ

नयी दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के रायबरेली संसदीय क्षेत्र से चुनकर आए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को लोकसभा की सदस्यता की शपथ ली। श्री गांधी ने संविधान की प्रति हाथ लेकर अंग्रेजी में सदस्यता की शपथ ली और शपथ लेने के बाद 'जय हिंद तथा जय संविधान' का नारा लगाया। श्री गांधी अपनी पसंदीदा सफेद टी-शर्ट पहने शपथ ले रहे थे, तो उस दौरान कांग्रेस के सदस्य नारे लगाते हुए उनका समर्थन कर रहे थे। इससे पहले रामायण धारावाहिक में राम की भूमिका निभाने वाले मेरठ संसदीय सीट से चुनकर आए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अरुण गोविल ने संस्कृत में शपथ ली और शपथ ग्रहण के बाद जय श्रीराम का नारा भी लगाया। उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर सीट से चुनकर आए डॉ महेश शर्मा ने भी संस्कृत में शपथ ली।

लोकसभा स्पीकर पर सहमति नहीं, आज चुनाव होगा

बिरला के खिलाफ कांग्रेस ने के. सुरेश को उतारा

नई दिल्ली, एजेंसी। 18वीं लोकसभा के पहले सत्र का मंगलवार (25 जून) को दूसरा दिन है। लोकसभा स्पीकर को लेकर पक्ष-विपक्ष के बीच टकराव बढ़ गया है। एनडीए प्रत्याशी ओम बिरला के खिलाफ कांग्रेस ने के. सुरेश को उतारा है। दोनों ने दोपहर 12 बजे से पहले नॉमिनेशन फाइल किया। वोटिंग 26 जून को सुबह 11 बजे होगी। कांग्रेस सांसद के. सुरेश की दावेदारी पर तृणमूल कांग्रेस ने नाराजगी जताई है। पार्टी सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा- हमसे इस बारे में कोई बात नहीं हुई है। दुर्भाग्य से ये एकतरफा फैसला है। अभिषेक के बयान पर राहुल ने कहा- जय संविधान। इससे पहले सुबह राहुल संसद पहुंचे तो कहा- कांग्रेस अध्यक्ष के पास स्पीकर के समर्थन के लिए राजनाथ सिंह का फोन आया था। विपक्ष ने साफ कहा है कि हम स्पीकर को समर्थन देंगे, लेकिन विपक्ष को डिप्टी स्पीकर का पद मिलना चाहिए। राजनाथ सिंह ने दोबारा फोन करने की बात कही थी, हालांकि कॉल नहीं आया। राहुल के बयान पर राजनाथ सिंह ने संसद के बाहर मीडिया से कहा कि मैंने स्पीकर पद के समर्थन के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से तीन बार फोन पर बातचीत की है। वे सीनियर लीडर हैं। मैं उनका सम्मान करता हूं। एनडीए की ओर से ओम बिरला दोबारा स्पीकर पद के कैंडिडेट हैं। राजस्थान के कोटा से सांसद ओम बिरला 2019 से 2024 तक स्पीकर रह चुके हैं। वे जीतते हैं तो भाजपा के पहले ऐसे सांसद होंगे, जो लगातार दूसरी बार लोकसभा स्पीकर का पद संभालेंगे। अगर वे अपना कार्यकाल पूरा कर लेते हैं तो कांग्रेस के बलराम जाखड़ के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे। दरअसल, बलराम जाखड़ 1980 से 1985 और 1985 से 1989 तक लगातार दो बार लोकसभा अध्यक्ष रह चुके हैं। उन्होंने अपने दोनों कार्यकाल पूरे किए थे। इनके अलावा जीएमसी बालयोगी और पीए संगमा जैसे नेता दो बार लोकसभा अध्यक्ष तो बने, लेकिन 5-5 साल के कार्यकाल पूरे नहीं कर पाए।

ओवैसी ने शपथ लेने के बाद लगाया जय फलस्तीन का नारा

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में सांसदों का शपथग्रहण जारी है। इस बीच तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद से एक बार फिर चुनकर सांसद बने असदुद्दीन ओवैसी ने लोकसभा में अपने शपथग्रहण से नए विवाद को जन्म दे दिया। दरअसल, ओवैसी ने शपथ लेने के आखिर में जय फलस्तीन का नारा लगाया। इसे लेकर सोशल मीडिया यूजर्स ने उन पर निशाना साधा। ओवैसी ने अपनी शपथ के अंत में कहा, जय भीम, जय मीम, जय तेलंगाना, जय फलस्तीन, तकबीर अल्लाह-हू-अकबर। ओवैसी ने इस बयान को लेकर बाद में पत्रकारों से कहा, जो मैंने कहा वो आपके सामने है। सब बोल रहे हैं। क्या नहीं बोले। ये किसके खिलाफ है आखिर। बताइए संविधान का कौन सा प्रोविजन है। जो लोग विरोध करते हैं, उनका काम ही वही है। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा, आज एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने संसद में जय फिलिस्तीन का जो नारा दिया है।

आपातकाल के काले दिन लाने वाले संविधान के प्रति प्रेम का दावा नहीं कर सकते: प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। इंडिया समूह के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ देश के संविधान के लिये सबसे बड़ा खतरा होने का नारा लगाये जाने के एक दिन बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को पलटवार करते हुये कहा कि आपातकाल लगाने वालों को संविधान के प्रति प्रेम का दावा करने का कोई अधिकार नहीं है। श्री मोदी ने सोशल मीडिया पर सिलसिलेवार पोस्ट में कांग्रेस पर 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा करीब 21 महीने तक लगाये गये आपातकाल के लिये हमला बोला। आपातकाल को 'काले दिन' के रूप में याद करते हुये उन्होंने कहा , यह दिन हमें याद दिलायेगा कि कैसे कांग्रेस ने बुनियादी स्वतंत्रताओं को नष्ट किया और भारत के संविधान को रौंद दिया, जिसका हर भारतीय बहुत सम्मान करता है। उन्होंने कहा, जिस मानसिकता के कारण आपातकाल लगाया गया था, वह अभी भी उसी पार्टी में जीवित है। आज का दिन उन सभी महान पुरुषों और महिलाओं को श्रद्धांजलि देने का दिन है , जिन्होंने आपातकाल का विरोध किया। प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी ऐसे समय में आयी है, जब देश आज 25 जून को आपातकाल लागू होने की 49 साल पूरे हो रहे हैं। उन्होंने कहा , सिर्फ सत्ता पर काबिज रहने के लिये तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने हर लोकतांत्रिक सिद्धांत की अवहेलना की और देश को जेल बना दिया। कांग्रेस से असहमत होने वाले किसी भी व्यक्ति को प्रताड़ित और परेशान किया जाता था। सबसे कमजोर वर्गों को निशाना बनाने के लिये सामाजिक रूप से प्रतिगामी नीतियां लागू की गयी थी। श्री मोदी ने कांग्रेस पर परोक्ष रूप से हमला करते हुये कहा, आपातकाल लागू करने वालों को हमारे संविधान के प्रति अपने प्रेम का दावा करने का कोई अधिकार नहीं है। ये वही लोग हैं, जिन्होंने अनगिनत मौकों पर अनुच्छेद 356 लगाने के साथ ही प्रेस की स्वतंत्रता को खत्म करने वाला विधेयक पारित किया तथा संघवाद को नष्ट किया।

पोर्श एक्सीडेंट केस में नाबालिग को जमानत मिली

पुणे, एजेंसी। पुणे पोर्श एक्सीडेंट केस में बॉम्बे हाईकोर्ट ने आज (25 जून) आरोपी नाबालिग को जमानत दे दी है। साथ ही उसे बाल सुधार गृह से तुरंत रिहा करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि हमें आरोपी के साथ वैसे ही पेश आना होगा, जैसे हम कानून का उल्लंघन करने वाले किसी और बच्चे के साथ पेश आते। फिर चाहे अपराध कितना भी गंभीर क्यों न हो। नाबालिग आरोपी ने 18-19 मई की रात पुणे के कल्याणी नगर इलाके में आईटी सेक्टर में काम करने वाले बाइक सवार युवक-युवती को टक्कर मारी थी, जिससे दोनों की मौत हो गई। घटना के समय आरोपी नशे में था। वह 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पोर्श स्पोर्ट्स कार चला रहा था। उसे 22 मई को बाल सुधार गृह भेजा गया था। बॉम्बे हाईकोर्ट ने यह आदेश आरोपी लड़के की आंटी की तरफ से दाखिल याचिका पर दिया। पिछले हफ्ते दाखिल की गई इस याचिका में कहा गया था कि लड़के को गैरकानूनी तरीके से हिरासत में रखा गया है। उसे तुरंत रिहा किया जाना चाहिए। याचिका में यह भी कहा गया था।

मौसम उपडेट ➲ प्री-मानसूनी बारिश ने दी राहत ➲ प्रदेश में 33 डिग्री तक भी पहुंचा पारा

खत्म हुआ इंतजार, यूपी में मानसून ने किया प्रवेश, आज से अच्छी बारिश के आसार

लखनऊ, संवाददाता। आखिरकार इंतजार खत्म हो गया। यूपी में मानसून की एंट्री हो गई है। कल से प्रदेश में अच्छी बारिश के आसार हैं। अगले कुछ दिनों में मानसून पूरे प्रदेश में छा जाएगा। इसकी घोषणा मंगलवार को मौसम विभाग ने की है। दक्षिण पश्चिम मानसून लगातार आगे बढ़ रहा है। इस क्रम में यह आज गुजरात और मध्य प्रदेश के कुछ और हिस्सों तथा दक्षिणी पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सुदूर दक्षिण भाग में आगे बढ़ा और यूपी में ललितपुर से दाखिल हुआ। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह और मोहम्मद दानिश के मुताबिक, कल से प्रदेश में अच्छी बारिश की उम्मीद जताई जा रही है। मानसून के पूरे प्रदेश में फैसले से भीषण गर्मी से राहत मिलेगी। मई और जून के महीने में गर्मी ने पुराने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। झांसी, प्रयागराज और कानपुर सहित कई जिलों में पारा 50 डिग्री सेल्सियस के ऊपर चला गया। हालांकि, प्रदेश के कई जिलों में हुई बूंदाबांदी ने लोगो को राहत दी पर ज्यादातर समय पूरा प्रदेश भीषण गर्मी की चपेट में रहा। इसके पहले सोमवार को राजधानी लखनऊ समेत यूपी के ज्यादातर जिलों में प्री- मानसूनी बरसात हुई। इसके बाद मौसम खुशगवार हो गया।

राजस्थान में मानसून की एंट्री, एमपी समेत 15 राज्यों में आज भारी बारिश की चेतावनी

राजस्थान में मंगलवार को तय समय यानी 25 जून को मानसून की एंट्री हो गई। इस बार झालावाड़, बांसवाड़ा, डूंगरपुर और उदयपुर के रास्ते मानसून राज्य में आया है। राजस्थान के 27 जिलों में आज बारिश और आंधी का अलर्ट है। उधर, मौसम विभाग ने आज मध्य प्रदेश समेत 15 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें गोवा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, गुजरात, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा शामिल हैं।

कारगिल जंग के नायक कैप्टन मनोज पांडेय की उनके पैतृक गांव में मनाई गई जयंती, प्रतिमा पर अर्पित किए पुष्प चक्र

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर – कारगिल जंग के महानायक अमर बलिदानी कैप्टन मनोज पाण्डेय की सैंतालिसवीं जयंती उनके पैतृक गांव कमलापुर के रूढ़ा में मनाई गई। बाइसवीं बटालियन एनसीसी सीतापुर के जवानों ने गांव में स्वच्छता अभियान चलाकर शहीद पार्क के आसपास साफ सफाई की फिर उनकी प्रतिमा पर एनसीसी निदेशालय से भेजा गया पुष्प चक्र सूबेदार मेजर मनोज कुमार ने अर्पित किया।मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि शिवकुमार गुप्ता व भारतीय जनता पार्टी कमला –पुर के मण्डल अध्यक्ष आशुतोष मिश्र के द्वारा कैप्टन मनोज पाण्डे की प्रतिमा पर पुष्प चढ़ाकर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। सूबेदार मेजर मनोज कुमार ने कहा कि कैप्टन मनोज पाण्डेय देश वासियों के लिए गौरव हैं। उन्होंने अपने शौर्य का प्रदर्शन कर जीवन का बलिदान किया और दुश्मनों को गहरी चोट दी। उनका जीवन युवाओं व सैनिकों के लिए सदैव प्रेरणा श्रोत रहेगा। तीन वर्ष पूर्व हुआ था बड़ा आयोजन कैप्टन मनोज पाण्डेय के पैतृक गांव रूढ़ा में उनकी प्रतिमा का अनावरण तीन वर्ष पूर्व तत्कालीन थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने किया था। कैप्टन की जयंती व बलिदान दिवस पर यहां श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लगता है सूबेदार सुरेंद्र सिंह स्टाफ 22 यूपी बटालियन एनसीसी सीतापुर प्रभारी निरीक्षक भानू प्रताप सिंह उप निरीक्षक रमेश जायसवाल दिनेश कुमार कांस्टेबल कृष्ण कुमार जयकुमार सुनील यादव सहित पुलिस बल नीतू सिंह के साथ परिवार के सदस्य कौशल किशोर पांडेय,आर.डी. वर्मा, गोकरन नाथ मिश्र,अमित पांडेय, सत्य प्रकाश सिंह, नीतू पाण्डेय,जयशंकर पाण्डेय,आदर्श पाण्डेय, संतोष विश्वकर्मा,भूपेंद्र सिंह,अभिषेक मिश्र सत्यवान पाण्डेय गुड्डू पाण्डेय बबलू अंश पाण्डेय लक्ष्मीकान्त शुक्ल राजेंद्र शुक्ल संगीता शुक्ल राम लोटन दिव्यांश शुक्ल उद्धव कुमार गौरीशंकर शुक्ल परिकरन पाण्डेय तेजस बाजपेई आदि लोग मौजूद रहे।

किसान मंच संस्थापक पिछड़े वर्ग के मसीहा वी.पी.सिंह के जन्म दिवस पर हुई संगोष्ठी

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर - किसान मंच के पदाधिकारियों द्वारा संगठन जन्मदाता पूर्व प्रधानमंत्री स्व. विश्वनाथ प्रताप सिंह (वी पी सिंह) के जन्मदिवस के अवसर पर विकास भवन के सामने स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में पुष्पांजलि अर्पित कर पिछड़े वर्ग व गरीबों के हित में उनके द्वारा किए गए कार्यों पर चर्चा की गई। उपस्थित साथियों को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय सचिव/प्रदेश प्रभारी शिव प्रकाश सिंह ने कहा कि पिछड़ा वर्ग के उत्थान हेतु अपनी अगुवाई में पारित प्रस्ताव द्वारा सत्ताइस प्रतिशत आरक्षण देकर एक ऐसा कार्य किया है जिसके लिए समूचे भारत में उन्हें पिछड़ों के मसीहा की उपाधि मिलनी चाहिए। महिला प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष अल्पना सिंह ने कहा कि अपनी जाति और धर्म के लिए आज की राजनीति में अग्रणी भूमिका निभाने हेतु सभी उत्सुक रहते हैं परंतु वी पी सिंह ने अपने को जाति और वर्ग से अलग रखकर सिर्फ वह कार्य किया था जो गरीब हित में समय की सबसे बड़ी जरूरत थी।जिला अध्यक्ष राकेश बाजपेई ने कहा कि किसान मंच के माध्यम से हम सभी विश्वनाथ प्रताप सिंह (वी पी सिंह) की विचार धारा को आगे बढ़ाने में आजीवन अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे। आज के कार्यक्रम में मुख्य रूप से पिदंर सिंह सिद्धू,उत्तम मौर्या,शिवम सिंह,लल्लन सिंह,नीलम देवी,मुन्नी चौधरी,आराधना सिंह,मो. नफीस, शबनम,उदय राज सिंह, पुल्कित सिंह आदि लोग उपस्थित थे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से नशा मुक्ति, बाल विवाह एवं मानव तस्करी से सम्बंधित जागरूकता अभियान

लोहरदगा जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष अरविन्द कुमार पांडे और सचिव राजेश कुमार के दिशा निर्देश अनुसार पीएलवी इजहार अहमद, शाहिद हुसैन के द्वारा नशा मुक्ति से बचाव एवं विभिन्न प्रकार के नशे से बचने के लिए कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसमें बाल विवाह, महिला तस्करी से संबंधित जानकारी के साथ जिला विधिक सेवा प्राधिकार से मिलने वाले विभिन्न लाभ के बारे मे जानकारी दी गई। इसके अलावा 13 जुलाई को लगने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में जानकारी देते हुए प्रचार प्रसार किया गया। जिसमें आपसी वाद-विवाद को मध्यस्थता में सुलझाया जाता है। इससे समय और पैसे की खर्च का बचत होता है।

पेशरार विधायक प्रतिनिधि ने गार्डवाल निर्माण में अनियमितता का लगाया आरोप

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

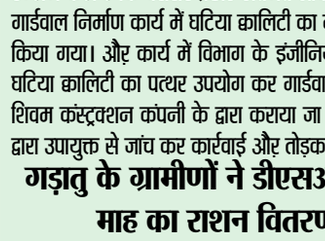

झारखंड - बिशुनपुर विधानसभा के पेशरार प्रखंड विधायक प्रतिनिधि प्रमोद उराँव ने गार्डवाल निर्माण कार्य में अनियमितता बरतने का आरोप लगाते हुए लोहरदगा उपायुक्त डॉ बाघमारे प्रसाद कृष्ण से शिकायत की। जिसमें उन्होंने कहा है कि पेशरार प्रखंड अंतर्गत लावापानी रोड से विशुनपुर नदी में पुल के गार्डवाल निर्माण कार्य में घटिया क्वालिटी का नदी और जंगल का पत्थर का उपयोग किया गया। और कार्य में विभाग के इंजीनियर को जानकारी होने के बावजूद भी घटिया क्वालिटी का पत्थर उपयोग कर गार्डवाल निर्माण कर दिया गया। उक्त कार्य शिवम कंस्ट्रक्शन कंपनी के द्वारा कराया जा रहा है जिसे लेकर विधायक प्रतिनिधि द्वारा उपायुक्त से जांच कर कार्रवाई और तोड़कर पुनः निर्माण की मांग की गई।

नायब तहसीलदार गोवर्धन पर किसानों ने लगाए गंभीर अरोप

● पीड़ित किसानों ने नायब तहसीलदार के खिलाफ कार्यवाही की मांग

तीसरा विकल्प न्यूज़ - मुकेश कौशिक

मथुरा - गोवर्धन मथुरा मार्ग पर स्थित गांव अडीग के किसान अपनी समस्याओं को लेकर मंगलवार को गोवर्धन तहसील पहुंचे।जहा पीड़ित किसानों ने गोवर्धन नायब तहसीलदार अवनीश यादव पर भूमाफियों को लाभ पहुंचाने का आरोप लगाया है।और गोवर्धन एसडीएम नीलम श्रीवास्तव को शिकायती पत्र सौंपा है।जिसमें पीड़ित किसानों का शिकायती पत्र के माध्यम से कहना है कि वह खसरा संख्या 150क 143,146 नक्शा व नकल में पाक साफ हैं।जिस पर खेतो में बोई गई फसल को आवारा पशुओं से बचाने के लिए बाउंड्री करा रहे है।जिसको नायब तहसीलदार द्वारा रुकवा जा रहा है।कभी डराते धमकाते तो कभी मुकदमा लगाने की धमकी देते है।जिससे वह काफी भयभीत है।तो वह कभी सरकारी जमीन बताते हे तो कभी अपने रिश्तेदार व मिलने वालों की बताते है।जिस वजह से वह अपने खेतो की बाउंड्री नहीं करा पा रहे है।तो कभी अडीग पुलिस चौकी पर दबाव बनाकर काम न कराने की बात कहते है।वहीं पीड़ित किसानों का कहना है नायब तहसीलदार के इस तरह के व्यवहार को देखकर लगता है।वह जरूर भूमाफियों से मिले हुए है।किसानों की जमीन पर कब्जा कराना व विवाद कराने की मंशा बनाए हुए है।वहीं सभी पीड़ित किसानों ने नायब तहसीलदार के खिलाफ जांच कर कार्यवाही करने की मांग की है।इस मौके पर बच्चू सिंह ब्रजकिशोर रूप सिंह रवि पवन पप्पू गोपी भगवान सिंह चंदन सिंह रासबिहारी मोहित रामप्रसाद जगदीश अशोक नरेश साहित लगभग दो दर्जन से ज्यादा अधिक किसान व ग्रामीण मौजूद रहे।

राष्ट्रीय मुस्लिम मोर्चा व भारत मुक्ति मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने डीसी के माध्यम से राष्ट्रपति को दिया ज्ञापन

➲ बेगुनाह मुसलमानो की लगातार देशभर में माबलिंचिंग और हत्याओं पर लगाएं रोक

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता झारखंड

लोहरदगा – बेगुनाह मुसलमानो की लगातार देश भर में मॉब लांचिंग और हत्याओं को रोकने व उन्हें न्याय देने के संबंध में मंगलवार को राष्ट्रीय मुस्लिम मोर्चा एवं भारत मुक्ति मोर्चा के संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने लोहरदगा के जिला अध्यक्ष के माध्यम से 7 घटनाओं का जिक्र करते हुए महामहिम राष्ट्रपति भारत सरकार को एक ज्ञापन दिया है। जिसमें कहा गया है कि पिछले एक दशक से भाजपा की केंद्र और राज्य सरकार में लगातार देश भर में मुसलमानों पर अन्याय अत्याचार की घटनाएं बढ़ी है। जिसमें फर्जी गौकशी के नाम पर, लव जिहाद के नाम पर मॉब लांचिंग होती रही है। सिर्फ इतना ही नहीं पुलिस कस्टडी और चलती ट्रेनों में भी हत्याएं हो रही है। देश में नफरवादी संगठनों के द्वारा जगह-जगह पर मुसलमानों के इबादत गाहों, मकानों, दुकानों और बस्तियों पर बुलडोजर चलवाकर उजाड़ने का काम मौजूदा सरकार के द्वारा किया जा रहा है। जबकि राज्य एवं केन्द्र सरकार की जिम्मेदारी है कि अपने देश और राज्य में निवास करने वाले नागरिकों की जान-माल की सुरक्षा करें। सबसे अफसोस की बात तो यह है कि बिना नोटिस या बिना प्रमाणिकता के बुलडोजर चलवाकर 7० से 8० सालों से निवास कर रहे लोगों के घरों को तोड़-फोड़ कर उन्हें विस्थापित करने का कार्य किया जा रहा है। जिसमें कहीं-कहीं पर तो न्यायालय के फैसलों व आदेशों को भी नजरंदाज कर इस तरह की कार्रवाई की जा रही है जो पूर्णत: असंवैधानिक व अमानवीय है। प्रतिनिधिमंडल ने महामहिम राष्ट्रपति से मांग किया है कि हत्या के दोषियों पर फास्ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाकर जल्द से जल्द फांसी या आजीवन कारावास की सजा दी जाए ताकि कोई भी इस तरह की जघन्य आपराधिक घटना को अंजाम नहीं दे सके, जिन निर्दोष लोगों की हत्या की गई है उनके आश्रितों को मुआवजा के तौर पर एक-एक करोड़ रूपये तथा एक आश्रित को सरकारी नौकरी एवं सुरक्षा दिया जाए। साथ ही देशभर में अपराधों को संरक्षण व बढ़ावा देने वाले संगठनों पर यथाशीघ्र बैन पाबंदी लगाया जाए ताकि इस तरह की घटना की पूणरावृति ना हो। इसी तरह प्रभावी परिवारों को क्षतिपूर्ति देते हुए पुनर्वास की व्यवस्था की जाए। मांग में कहा गया कि असंवैधानिक तरीके से विस्थापित किए गए विस्थापितों को शारीरिक मानसिक और आर्थिक क्षति के रूप में 5० लाख रूपये मुआवजा दिया जाए। इस्लाम धर्म से जुड़े हुए समस्त धार्मिक धरोहरों, धर्मग्रंथों को संरक्षण प्रदान किया जाए ताकि कोई नफरती व्यक्ति धार्मिक स्थल को नुकसान ना पहुंचा सके। इस बीच प्रतिनिधिमंडल में अख्तर अंसारी, वाहिद अंसारी, रंथु उरांव, रामेश्वर राम, कलाम मिरदाहा आदि शामिल थे।

गड़ातु के ग्रामीणों ने डीएसओ को शिकायत कर 10 माह का राशन वितरण करने की मांग

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता झारखंड

लोहरदगा झारखंड - जिले के पेशरार प्रखण्ड के ग्राम चापरोंग गड़ातु के ग्रामीणों द्वारा लोहरदगा जिला खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी को लिखित शिकायत कर 10 माह का राशन वितरण करने की मांग की गई। जिसमें राशन कार्डधारियों ने कहा है कि पूर्व डीलर प्रदीप भगत के द्वारा 10 माह का राशन वितरण नहीं किया गया है। जिसे लेकर पूर्व में शिकायत करने पर डीलर प्रदीप भगत के स्थान पर अशोक भगत को डीलर बनाया गया है। जिनके द्वारा राशन वितरण किया जा रहा है, परंतु पूर्व डीलर प्रदीप भगत के द्वारा जो 10 माह का राशन बकाया है। उसे अभी तक वितरण नहीं किया गया है। साथ ही कार्डधारियों मिलने वाले धोती, साड़ी एवं दाल भी वितरण नहीं किया गया है। जिसे लेकर बिशुनपुर विधानसभा के पेशरार विधायक प्रतिनिधि प्रमोद उरांव की अगुवाई में कार्डधारियों ने शिकायत कर राशन वितरण करने की मांग की। जिसमें ग्रामीण जयनाथ भगत, वराज उराँव, मुन्नी देवी, सुधईन खेरवार, जीतन खेरवार, फुलदेव उराँव, बुधनाथ खेरवार सहित 30 से अधिक कार्डधारकों ने डीएसओ कार्यालय पहुंचकर लिखित शिकायत की है।

तुरी गांव में आंधी तूफान से गिरा नीम का पेड़, दो खपरैल मकान क्षतिग्रस्त

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता झारखंड

हरिहरगंज - प्रखंड के तुरी गांव में आंधी तूफान से नीम का एक विशालकाय पेड़ उखड़ कर खपरैल मकान के ऊपर जा गिरा। जिससे दो मकान क्षतिग्रस्त हो गए। घटना से गांव में अफरा-तफरी मच गयी। गनीमत रही कि हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुयी । भुक्तभोगी मनवा कुंवर पति स्वर्गीय केश्वर भुइयां तथा लईची देवी पति बाबूलाल भुइयां ने मंगलवार को बताया कि तेज आंधी के कारण नीम का पेड़ जड़ से उखड़ कर मकान पर गिर गया। जिसकी चपेट में आने से उक्त दोनों का मकान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। मनवा कुंवर के बांस बड़ेरी कच्चा टूटने के साथ ही दीवार भी क्षतिग्रस्त हो गए। इनके मकान से सटे लईची देवी का मकान भी क्षतिग्रस्त हो गया। दीवार टूट गयी और छज्जा भी गिर गया। वही समाजसेवी उमा यादव, पूर्व विधायक प्रतिनिधि सत्येंद्र भुइयां ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ पीड़ितों को हर संभव सरकार से मिलने वाली सहायता दिलवाने का आश्वासन दिया। साथ ही अंचलाधिकारी से पीड़ित परिवार को सरकारी मुआवजा के तहत आर्थिक मदद दिलवाने की मांग की है। कहा कि आंधी तूफान ने गरीब के घर का आशियाना उजाड़ा पीड़ित परिजन हो गए बेघर। इस मौके पर विनोद भुइयां, संजय भुइयां, ननकी देवी, सरजून भुइयां,डोमन भुइयां, प्रेमचंद भुइयां, बहादुर भुइयां, मुनेश्वरी देवी सहित कई लोग मौजूद थे।

बैंकर्स की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक हुई सम्पन्न

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर – जिला अधिकारी अनुज सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैंकर्स की जिला स्तरीय समीक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने बैंकों के माध्यम से संचालित शासन के महत्वपूर्ण योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुये निर्देश दिये कि लम्बित पत्रावलियों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करायें। निर्धारित लक्ष्य से कम ऋण जमा अनुपात वाले बैंकों को सुधार हेतु भी जिलाधिकारी ने निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने सभी बैंकों के जिला समन्वयकों को कड़े निर्देश दिये कि के.सी.सी.कार्ड धारकों को फसल बीमा योजना के विषय में जानकारी प्रदान की जाये एवं उन्हें प्रेरित भी किया जाये।पशुपालन के.सी.सी. हेतु गुणवत्तापूर्ण आवेदन अग्रसारित किये जाने के निर्देश भी जिलाधिकारी ने दिये। उन्होंने कहा कि सभी बैंक शिक्षा ऋण के आवेदकों को शीघ्र लाभान्वित करें, जिससे जनपद के प्रतिभाशाली छात्र आगे बढ़ सकें। किसान क्रेडिट कार्ड के लम्बित आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिये। मत्स्य पट्टा धारकों की ब्लॉक स्तर पर बैठक कराते हुये उन्हें मत्स्य पालन हेतु किसान क्रेडिट कार्ड से लाभान्वित किये जाने तथा समय से रिपेमेन्ट हेतु प्रेरित करने के निर्देश भी दिये। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों और बैंकर्स को निर्देश दिये कि पी०एम-स्वनिधि योजना के अन्तर्गत लाभ प्राप्त करने वाले स्ट्रीट वेंडर्स के साथ बैठक कर उन्हें ऑनलाइन पेमेंट प्राप्त करने के विषय में जानकारी दी जाये तथा उन्हें स्वच्छ आदतें अपनाने, कूड़े हेतु डस्टबिन का प्रयोग करने आदि के विषय में भी जानकारी दी जाये। एफ.पी.ओ. के माध्यम से कृषि वेयर हाउस एवं समूह मशीनरी बैंक हेतु आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराये जाने भी जिलाधिकारी ने दिये।वृक्षारोपण अभियान में सहयोग हेतु भी सभी बैंकर्स को प्रेरित किया। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के कार्यों की समीक्षा करते हुये निर्देश दिये कि हैण्डी क्राफ्ट से सम्बन्धित प्रशिक्षण प्राथमिकता के आधार पर दिये जाये तथा उत्पादों के विक्रय को भी प्रोत्साहित किया जाये। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी निधि बंसल,एल.डी.ओ. आर.बी.आई.संदीप मिश्र, डी.डी. एम०नाबार्ड प्रसून सोनर,जिला कृषि अधिकारी मंजीत सिंह, उपायुक्त उद्योग आशीष गुप्ता सहित सम्बन्धित अधिकारी एवं बैंकों के जिला समन्वयक उपस्थित रहे।

नगर आयुक्त स्वंय सफाई कार्य को प्रतिदिन कर रहे है मौके पर निरीक्षण

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता मुकेश कौशिक

मथुरा – मथुरा वृंदावन क्षेत्र में बारिश से पूर्व सभी छोटे बड़े नालो के साथ साथ पुलियाओं की सफाई का कार्य युद्ध स्तर पर नगर निगम की टीमों द्वारा किया जा रहा है।नगर आयुक्त स्वंय सफाई कार्य को प्रतिदिन मौकेऔ पर जाकर देख रहे है।सोमवार को उन्होंने प्रमुख अंबाखार नाले पर किए जा रहे सफाई कार्य का औचक निरीक्षण किया।महानगर में वर्षा के दौरान जलभराव की समस्या न हो इसके लिए विभिन्न नालों पर प्रभारी अधिकारी नामित करते हुए सफाई कार्य कराया जा रहा है।नगर आयुक्त शशांक चौधरी द्वारा अंबाखार क्षेत्र में नाले की सफाई देखी गई।इसके उपरांत सुभाष नगर बीएसए की पुलिया का निरीक्षण किया गया।उक्त पुलिया के संबंध में अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार ने उनको बताया कि यहां से नगर के चार छोटे नाले गुजरते हैं।इसके दृष्टिगत उक्त पुलिया का तलीझाड सफाई कार्य आवश्यक है साथ ही उक्त पुलिया के साफ होने के उपरान्त बीएसए मार्ग पर जलभराव की समस्या नहीं होगी। इस पर नगर आयुक्त द्वारा निर्देशित किया गया कि उक्त पुलिया की सफाई का कार्य तत्काल कराया जाए ताकि वर्षा के दौरान जल भराव की स्थिति उत्पन्न हो।निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय सफाई निरीक्षक सौरभ अग्रवाल राजकुमार लवानिया एवम गैराज इंचार्ज राजेश यादव उपस्थित रहे।

भाकियू भानू के कार्यकर्ताओं ने किया मंडी सचिव कार्यालय पर प्रदर्शन

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता मुकेश कौशिक

मथुरा - मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन भानू के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने किसानों की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग के लिए मंडी सचिव कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया।मंडी सचिव राजेंद्र सिंह की अनुपस्थिति में कार्यवाहक मंडी सचिव पंकज शर्मा को किसानों की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराते हुए उनके समाधान की मांग की।भारतीय किसान यूनियन भानू के कार्यकर्ता जय जवान जय किसान जो अधिकारी न्यायी है वह हमारा भाई है आदि नारे लगाते हुए मंडी सचिव कार्यालय पहुंचे।जहां पर जोर दार प्रदर्शन किया।इस अवसर पर यूनियन के महानगर संयोजक विजय सिंघल महानगर के प्रमुख महासचिव सुनील चौधरी महानगर सचिव प्रदीप कुमार ने कार्यवाहक मंडी सचिव को अवगत कराया मथुरा मंडी समिति में किसानों के अनाज के लिए कोई भी टीन सेड खाली नहीं है।सभी टीन सेड पर व्यापारियों के कब्जे हैं।जिससे किसानों का अनाज खुले आसमान के नीचे पड़ा रहता है किसानो का अनाज खुले आसमान के नीचे पड़ा रहता है।सोमवार को हुई बारिश में किसानों का अनाज मूंग बाजरा मक्का गेंहू बारिश के पानी से बह गया।

किस्को में प्रखंड स्तटीय सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता का हुआ समापन

➲ अंडर 17 बालिका वर्ग में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की टीम बनी विजेता

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता झारखंड

लोहरदगा – किस्को मिडिल क्लास मैदान में प्रखंड स्तरीयय सुब्रतो मुखर्जी कप फुटबॉल प्रतियोगिता 2०24-25 का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में अंडर 15 बालक वर्ग में राज्यकीय उत्क्रमित उर्द्र मध्य विद्यालय होंदगा, राज्यकीय मध्य विद्यालय किस्को, राज्यकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय बगडू, भुसाड़ जामुन टोली एवं अनुसूचित जनजाति आवासीय विद्यालय किस्को ने हिस्सा लिया। अंडर17 बालक वर्ग में आवासीय विद्यालय किस्को, उत्क्रमित उर्द् मध्य विद्यालय चरह, उच्च विद्यालय हेसापिढ़ी, आश्रम विद्यालय परहेपाठ एवं राज्य संपोषित उच्च विद्यालय किस्को की टीम ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता में कुल 15 टीमों ने भाग लिया। जिसमें अंडर 15 बालक वर्ग में राज्यकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय बगडू जामुन टोली को आवासीय विद्यालय किस्को ने 1-० से एवं अंडर 17 बालक वर्ग में आश्रम विद्यालय परहेपाठ ने राज्य संपोषित उच्च विद्यालय किस्को की टीम को पेनेल्टी शुटआउट में 4-3 से एवं कस्तूरबा गांधी बालिका आवसीय विद्यालय ने राज्यकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय चरहु की टीम को मैदानी खेल में 2-० से पराजित कर विजेता बनने के साथ जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने का गौरव प्राप्त किया। फाइनल मुकाबले से पूर्व उप प्रमुख गीता देवी, बीइइओ कल्पना तांती व अथितियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। समापन मुकाबले में विजेता टीम को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। मौके पर इंदु अग्रवाल, धर्मेंद्र सोनी, विकास कुमार, सुकरा उरांव, फूलचंद कुजूर, तबारक हुसैन अंसारी, खुशबू कुमारी, सावित्री कुमारी, प्रीति अग्रवाल व अन्य मौजूद थे।

आपातकाल के दौरान कांग्रेस के जख्म नहीं भूलेगा देश : अशोक कटारिया

➢ इमरजेंसी के विरोध में भाजपा ने मनाया काला दिवस की संगोष्ठी

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता मुकेश कौशिक

मथुरा - राष्ट्रीय आपातकाल को लगे 49 वर्ष पूरे हो गए और अभी भी भाजपा इसको लेकर कांग्रेस पर हमलावर है।मंगलवार को भाजपा द्वारा महानगर अध्यक्ष घनश्याम लोधी की अध्यक्षता में गिर्राज महाराज कॉलेज में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।संगोष्ठी में आपातकाल के दौरान प्रताड़ना सहने वाले सैनानियों को आमंत्रित कर स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।संगोष्ठी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि भाजपा के मथुरा जनपद प्रभारी एवं विधान परिषद सदस्य अशोक कटारिया ने कहा कि विपक्षी दल द्वारा लोकतंत्र की हत्या करने और उसे बार-बार नुकसान पहुंचाने के लंबे इतिहास में यह सबसे बड़ा उदाहरण है।उन सभी महान पुरुषों और महिलाओं को श्रद्धांजलि देने का दिन है जिन्होंने आपातकाल का विरोध किया। यह दिन हमें याद दिलाता है कि कैसे कांग्रेस पार्टी ने बुनियादी स्वतंत्रता को नष्ट कर दिया और भारत के संविधान को कुचल दिया, जिसका हर भारतीय सम्मान करता है।लोकतंत्र सेनानी संगठन के वरिष्ठ प्रांतीय उपाध्यक्ष विनोद टैंटीवाल ने कहा कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने हर लोकतांत्रिक सिद्धांत को दरकिनार कर देश को जेलखाना बना दिया।जो भी कांग्रेस से असहमति जताता था उसे प्रताड़ित किया जाता था।जिन लोगों ने इमरजेंसी लगाई उनको हमारे संविधान के प्रति अपना प्यार जताने का कोई अधिकार नहीं है।प्रेस की स्वतंत्रता को खत्म करने के लिए विधेयक लाया गया।संघवाद को नष्ट किया और संविधान के हर पहलू का उल्लंघन किया।भाजपा महानगर अध्यक्ष घनश्याम लोधी ने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व में देश को कालकोठरी बना दिया गया था और उस जख्म को देश कभी भूल नहीं सकता।भारतीय संविधान के लिए काला दिवस के रूप में मनाए जाने वाला यह दिन बताने के लिए पर्याप्त है कि किस प्रकार कांग्रेस पार्टी हमेशा से ही सत्ता के नशे में चूर रही है।संगोष्ठी कार्यक्रम के संयोजक भाजपा महानगर उपाध्यक्ष मुकेश खंडेलवाल ने बताया कि भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था को सीमित करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा राष्ट्रीय आपातकाल लागू किया गया था।इसलिए भाजपा कार्यकर्ताओं ने इस दौरान संघर्ष करने वाले राजनेताओं को याद करते हुए उन्हें नमन किया और कांग्रेस के काले कारनामो पर जनता से संवाद किया।इस दौरान विधायक मेघश्याम सिंह हिंदूवादी नेता गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी पूर्व मंत्री रविकांत गर्ग वीरेंद्र अग्रवाल मधु शर्मा आशुतोष शुक्ला महानगर महामंत्री प्रदीप गोस्वामी राजू यादव ज्ञानेंद्र राणा धर्मेश सोनकर यशपाल सिंह विनीत शर्मा सुनील तरकर परशुराम सिंह राजू चौधरी राजेंद्र पटेल अनुराग चतुर्वेदी पूरन चंद गौरी शंकर अस्थाना गिर्राज किशोर अग्रवाल चतुर्भुज अग्रवाल केशव चौहान चेतन शर्मा नरेंद्र कुमार गुप्ता ओमवती राजेंद्र होरा मीडिया प्रभारी दीपांकर भाटिया लवांशु वर्मा मोहन भारद्वाज आदि मौजूद रहे।वहीं संगोष्ठी का संचालन महानगर महामंत्री सुनील चतुर्वेदी ने किया।

पश्चिम बंगाल के श्रद्धालुओं की खाना खाने के बाद बिगड़ी हालत अस्पताल में कराए गए भर्ती

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता मुकेश कौशिक

मथुरा - तीर्थ नगरी वृंदावन धाम में श्रद्धालु फूड पॉइजनिंग का शिकार हो गए।मंगलवार को पश्चिम बंगाल के श्रद्धालुओं की हालत बिगड़ने पर संयुक्त जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।उपचार के बाद सभी मरीजों को स्थिति स्थिर बनी हुई है।पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर से श्रद्धालुओं का एक समूह सोमवार की दोपहर वृंदावन धार्मिक यात्रा पर पहुंचा था।बस स्टैंड के समीप रमन वाटिका में ठहरे श्रद्धालुओं के लिए उनके साथ आए रसोइया ने खाना पकाया था।खाना खाने के बाद देर रात कई लोगों को उल्टी दस्त की शिकायत होने लगी।हालत ज्यादा बिगड़ने पर मंगलवार की सुबह दस लोगों को सौ शैय्या अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवाया गया।चिकित्सकों के अनुसार मोहन मांझी सौकत पात्र कृष्णापद हाली लक्ष्मी धर पुष्पा बीना दुखी राम लता बाला सुरजीत विजया और अंजालिका का उपचार किया जा रहा है।इलाज के बाद सभी मरीजों की स्थिति में सुधार है।सीएमएस विनीत यादव ने बताया कि सभी की हालत में सुधार हो रहा है।

एलिवेटेड रोड पर चौड़ीकरण की जद में आ रहे मकान व दुकानों पर चला बुलडोजर

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर लखनऊ - बंथरा में कानपुर रोड चौड़ीकरण की जद में आ रहे कई मकान मंगलवार को ढहा दिए गए। सरोजनीनगर तहसील प्रशासन और भारी पुलिस फोर्स की मौजूदगी में शुरू किए गए इस कार्य के दौरान व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने काफी विरोध किया। लेकिन मौके पर मौजूद कई थानों की पुलिस के आगे उनकी एक न चल सकी। बताते चलें -कि लखनऊ- कानपुर एक्सप्रेसवे को लेकर पीएनसी कंपनी द्वारा एलिवेटेड रोड का निर्माण किया जा रहा है। इसकी वजह से कानपुर रोड का चौड़ीकरण भी हो रहा है। इस चौड़ीकरण की जद में सड़क किनारे मौजूद बंथरा कस्बे के कई मकान व दुकानें आ रही हैं। बताते हैं कि संबंधित विभाग द्वारा कई बार व्यापारियों को नोटिस दी गई। लेकिन उन्होंने अभी तक अतिक्रमण नहीं हटाया। जिसको लेकर मंगलवार को सुबह करीब 7 बजे ही एनएचएआई अधिकारी और तहसील प्रशासन भारी पुलिस फोर्स के साथ कई जेसीबी लेकर पहुंच गया। जैसे ही उन्होंने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की, तभी व्यापारियों ने विरोध करना शुरू कर दिया। वह अपने मकान और दुकान खाली करने का समय मांग रहे थे। लेकिन अधिक पुलिस फोर्स होने के कारण व्यापारियों के कड़े विरोध के बावजूद सड़क किनारे बने मकान और दुकान बुलडोजर से ढहा दिए गए। हालाकि व्यापारियों का कहना था कि एनएचएआई द्वारा आए दिन अलग-अलग निशान लगाए गए। जिसकी वजह से उन्होंने अपनी दुकान और मकान नहीं खाली किया। उधर इस मामले में सरोजनीनगर एसडीएम फाल्गुनी सिंह ने दुकान और मकान तोड़ने का विरोध करने वाले व्यापारियों से बातचीत करने के बाद भी उन्हें अपनी दुकानें व मकान खाली करने का कोई समय नहीं दिया। एसडीएम के मुताबिक जिन लोगों को मुआवजा मिल गया है, वह अपने मकान और दुकान खाली कर रहे हैं। इसके अलावा जिन्हें मुआवजा नहीं मिला है, उनके लिए बंथरा में एक शिविर लगा दिया गया है। जिसमें पहुंचकर लोग अपने कागज जमा कर दें। उनको भी जल्द मुआवजा दे दिया जाएगा। लेकिन इसके बावजूद काम बंद नहीं होगा, बल्कि कार्रवाई बराबर चलती रहेगी।

पत्नी से हुए विवाद के बाद पति ने खाया जहरीला पदार्थ हुई मौत

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर लखनऊ - देर शाम पत्नी से हुए विवाद के बाद एक ऑटो ड्राइवर ने जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर उसे लोक बंधु अस्पताल पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सरोजनीनगर के गौरी निवासी सुशील कोरी (48) ऑटो चालक था। पुलिस का कहना है कि सोमवार देर शाम सुशील का उसकी पत्नी से घरेलू विवाद हो गया। जिससे नाराज होकर सुशील घर से बाहर चला गया और जहरीला पदार्थ खा लिया। कुछ देर बाद बिजनौर रोड स्थित नहर पुलिया के पास मुंह से झाग निकलने के अलावा उसके तेज उल्टियां देख राहगीरों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। इसके बाद बेसुध हालत में आनन फानन उसे लोक बंधु अस्पताल पहुंचाया गया। लेकिन वहां पहुंचते ही चिकित्सकों ने सुशील को मृत घोषित कर दिया। उधर बाद में पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि शुरुआती जाँच में पता चला है कि पत्नी से हुए घरेलू विवाद के बाद सुशील ने यह कदम उठाया है। आगे मामले की जांच की जा रही है।

मिशन सुरक्षा परिषद की तीसरी बार चुने गए राष्ट्रीय अध्यक्ष गंगाराम अंबेडकर

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ - मंगलवार को मिशन सुरक्षा परिषद के केंद्रीय कार्यालय सेक्टर जी आशियाना लखनऊ पर संगठन की राष्ट्र कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गई बैठक में चुनाव समिति का गठन कर राष्ट्रीय एवं प्रदेश कार्यकारिणी को भंग कर दिया गया चुनाव समिति द्वारा सर्व सहमति से मिशन सुरक्षा परिषद का निर्विरोध तीसरी बार गंगाराम अंबेडकर का चयन राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद पर हुवा एव पुन: राष्ट्रीय एवं प्रदेश कमेटी के प्रमुख पदों का गठन किया गया इस बैठक में मुख्य रूप से अशोक कुमार बौद्ध राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोद प्रकोष्ठ सुरेश राठौड़ राष्ट्रीय अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ योगेश कुमार वर्मा राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिवक्ता प्रकोष्ठ एवं अन्य प्रदेशों के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी नियुक्त किए गए कार्यक्रम में बिहार के अविनाश प्रताप किरण देव दिल्ली से मंजू गौतम रियाज अहमद गाजियाबाद से रिंकू मुकेश सिद्धार्थ हरियाणा से सी पूनिया मध्य प्रदेश से सिम्मी प्रजापति शंकर लाल तंबर महाराज को प्रमुख जिम्मेदारी दी गई कार्यक्रम में पार्षद हिमांशु अंबेडकर अमर कनौजिया रामधनी अकेला उपस्थित रहे संचालन विशाल आनंद गिहार द्वारा किया गया इस मौके पर विशाल आनंद गिहार ने बताया कि 31 सदस्यीय पदाधिकारी उपाध्यक्ष त्रिवेंद्र सीटू दोहरी महासचिव मोहम्मद कमल खान गंगाराम चौधरी रज्जू वर्मा पटेल कोषाध्यक्ष एल आर गौतम प्रवक्ता किरण देव यादव युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रहास यादव अल्पसंख्यक सेल के अध्यक्ष रिजवान अहमद सिद्दीकी किन्नर सेल की प्रदेश अध्यक्ष गुड्डन किन्नर सहित सभी राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष एव रास्ट्रीय अध्यक्ष प्रकोष्ठ के सर्व समिति से चुने गए हैं वहीं सभी राज्यों के प्रतिनिधि सहित बिहार से 20 प्रतिनिधि सहित देशभर का 300 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

काकोरी के पूर्व माध्यमिक विद्यालय में सामान चुरा ले गए चोर

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ - काकोरी थाना क्षेत्र के मंडौली गांव के पूर्व माध्यमिक विद्यालय के स्टोर रूम में लगे लोहे के ग्रिल और खिड़की को उखाड़ कर विद्यालय का सामान चोर चोरी कर ले गए। ग्राम प्रधान की सूचना पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल कर रही है। ग्रीष्म अवकाश के दौरान परिषदीय विद्यालयों में चोरी की घटनाएं आम बात हो गई हैं चोरों को ना तो प्रशासन का और न ही कानून का डर रह गया है। एक माह के ग्रीष्म अवकाश के बाद जब मंगलवार को विद्यालय खुले तो मंडौली गांव के पूर्व माध्यमिक विद्यालय में चोरी की घटना का मामला प्रकाश में आया है । वहीं विद्यालय के प्रधानाध्यापक वीरेन्द्र प्रताप सिंह व सेवक रजत सोनी जब विद्यालय पहुंचे तो देखा कि स्टोर रूम में लोहे के ग्रिल और खिड़की टूटी पड़ी हुई है और लोहे का बड़ा बक्सा उल्टा खाली पड़ा है। विद्यालय में रखा एक पीतल का बजाने वाला घंटा, प्लास्टिक की पांच नई कुर्सियां, 5 लीटर और 10 लीटर के एक-एक भगोना, स्टील की 50 प्लेट और 50 ग्लास, समसेबल पाइप का एक बंडल रखा था चोर उठा ले गए। यह नजारा देखकर प्रधानाध्यापक ने तत्काल चोरी की सूचना ग्राम प्रधान मोहम्मद आजाद को फोन पर सूचना दी। ग्राम प्रधान की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल कर रही है। मौके पर रसोईया मालती देवी, सफाई कर्मी शिवराज मौर्य एवं विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष मुन्नी देवी मौजूद रही।

ग़दीर मुनकिर विलायत पर अज़ाब का दिन-मौलाना सैफ अब्बास

❑ ईद ग़दीर को दूसरे धर्म के लोगों तक पहुंचाएं- मौलाना सैफ अब्बास

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ - सोमवार को इमाम बाडा जन्नत मआब सैयद तकी साहब, अकबरी गेट, लखनऊ, आयतुल्लाह सैयद सादिक हुसैनी शिराज़ी के कार्यालय की ओर से मौलाना सै. सैफ अब्बास की अध्यक्षता में जश्ने ईद ग़दीर आयोजित किया गया। सैयद हसन अब्बास ने कुरान की तिलावत कर जश्न की शुरुआत किया। नययर बहिशती जलालपुरी ने संचालन किया और पहले तनवीर आजमी ने मंजूम नज़रानए अकीदत पेश किया। इसके बाद तकरीर करते हुए मौलाना शाबिहुल हसन ने कहा कि ग़दीर के वाकिया से हमे यह सीख मिलती है कि इंसान को हमेशा ग़दीर की महत्ता और प्रामाणिकता को पहचानने की कोशिश करनी चाहिए और ग़दीर की खूबियों को बयान करने में लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। उसके बाद, मौलाना रहबर असकरी ने मंजूम नज़रानए अकीदत पेश किया और मौलाना मुस्तफा अली खान ने तकरीर करते हुए कहा कि जब पैगंबर जानते थे कि उनकी मृत्यु के बाद उनकी वसीयत का पालन नहीं किया जाएगा, फिर भी वह लोगों को ग़दीर का संदेश पहुंचाया और ग़दीर जैसे महत्वपूर्ण संदेश के लिए विशेष रूप से ग़दीर खुम जैसी जगह को चुना और इस ग़दीर के संदेश को क़यामत के दिन तक जीवित कर दिया।

इसके बाद मौलाना नसीम हैदर खां ने मंजूम नज़रानए अकीदत पेश किया। मौलाना सैयद सैफ अब्बास ने कहा कि ईद ग़दीर जिसे ईद अकबर कहा जाता है, हमें इस ईद को हफ्ताए विलायत के रूप में मनाना चाहिए क्यों कि आज ही वह दिन है जब हजरत अली (अ.स.) को हजरत मोहम्मद स.अ. ने खलीफ घोषित किया गया था और उसके बाद इस्लाम धर्म मुकम्मल हो गया और मुनकरीन वेलायत पर अज़ाब आया, मौलाना सैयद सैफ अब्बास ने कहा कि ईद-उल-फितर हो या ईद-उल-अज़हा,, मुसलमान, मुनाफिक़ सभी इसे मनाते हैं, लेकिन ईद ग़दीर वह पवित्र ईद है जो केवल मोमिन मनाता है।

अंत में मौलाना सैफ अब्बास ने आयतुल्लाह उज़मा सैयद सादिक हुसैनी शिराज़ी की जानिब से भारत के वासियों को बधाई संदेश पहुचाया। मौलाना मजहर इमाम, मौलाना तसनीम अब्बास, मौलाना मुहम्मद रजा इलिया,मौलाना नफीस अख्तर, मौलाना काजिम वाहिदी, मौलाना इजाज़ सीतापुरी, मौलाना डॉ0 सलमान, मौलाना मुहम्मद मशरेकैन, मौलाना कमरुल हसन, मौलाना शफीक आबिदी, मौलाना सुहैल अब्बास, मौलाना नासिर जैदी, मौलाना आसिफ सेथली, मौलाना गुलाम सरवर, मौलाना वजीर हसन जैनबी, मौलाना वाहिद हुसैन, मौलाना अली अब्बास नूरानी, मौलाना तसौवुर हुसैन कानपुरी, मौलाना तफसीर समेत बड़ी संख्या में धार्मिक संस्थाओं के छात्र शामिल हुए।

समाचार

ग्राम समाज की जमीन पर बने मकान को बेचकर लाखों रुपए हड़पने की रिपोर्ट दर्ज

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर लखनऊ - उन्नाव जिले के असोहा थानान्तर्गत सरवन गांव निवासी वंशराज ने सरोजनीनगर के राम विहार कॉलोनी, दरोगा खेड़ा निवासी रजनीश वर्मा, गुड्डी उर्फ कल्पना रावत और राजू के खिलाफ ग्राम समाज की जमीन पर बने मकान को बेचकर 40 लाख रुपए हड़पने की बिजनौर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। बंसराज का कहना है कि रजनीश वर्मा की उसके गांव में रिश्तेदारी होने के कारण रजनीश ने एक पुरानी रजिस्ट्री और वसीयत की फोटो कॉपी दिखाते हुए रूपयों की जरूरत होने के कारण पिनवट में मौजूद अपना मकान बताते हुए उसे बेचने को कहा। इस पर बंसराज राजी हो गया और 24 अगस्त को पिनवट के खसरा संख्या -12 स्थित 134.944 वर्ग मीटर मकान का रजिस्टर्ड एग्रीमेंट रजनीश और गुड्डी उर्फ कल्पना रावत से कराया। तब 40 लाख रुपए में तय हुए मकान की कीमत में से 29 लाख 19 हजार रुपए विभिन्न तिथियों में रजनीश और कल्पना के खातों में चेक व आरटीजीएस के माध्यम से दिए। बाद में 18 अप्रैल 2024 को बिजनौर स्थित सरोजनीनगर उपनिबंधक कार्यालय में उसका बैनामा कराया। इस दौरान 10 लाख 81 हजार रुपये चेक के माध्यम से दोनों को दिए। बाद में जब वंशराज क्रय किए गए उक्त मकान पर पहुंचा तो वहां लोगों से पता चला कि यह मकान ग्राम समाज की भूमि पर निर्मित है। पीड़ित का कहना है कि यह जानकारी होने के बाद जब उसने अपने रुपए वापस मांगे तो रजनीश, कल्पना और कल्पना के पति राजू रावत ने गाली गलौज शुरू कर दी। इसके बाद पीड़ित ने बिजनौर थाने में मामले की तहरीर दी। फिलहाल पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

स्कूलों में बच्चों को मिलेंगे नजर के चश्मे-कंचन

लखनऊ। प्राइमरी स्कूलों में कमजोर नजर वाले बच्चों की आंखों की जांच कराकर उन्हें चश्में दिये जायेंगे। जो अन्य दिव्यांगों को उनके प्रमाण पत्र के साथ सहायक उपकरण दिए जाएंगे। प्रदेश भर के प्राइमरी स्कूलों में पहली जुलाई से इसके लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान आगामी 31 अगस्त तक लगातार चलेगा। बेसिक शिक्षा विभाग यह कार्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से कराएगा। इसके तहत अलग-अलग तिथियों व दिनों में स्कूलों में चिकित्सा कैम्प लगाये जायेंगे जिनमें विशेषज्ञ चिकित्सक बच्चों के स्वास्थ्य एवं दिव्यांगता की जांचें करेंगे।इस संबंध में स्कूल शिक्षा महानिदेशक कंचन वर्मा ने प्रदेश के बीएसए के नाम सर्कुलर जारी कर दिया है। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 में 12 मार्च 2024 को किये गये संशोधन के अनुसार जो निर्देश जारी किये गये हैं उसे लागू करने के लिए तय तिथि से पहले अपने जिलों में इसकी तैयारी कर लें। अभियान के दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा जो स्वास्थ्य परीक्षण किया जायेगा।

प्राइमरी स्कूलों में फिर होंगी सत्र परीक्षाये

लखनऊ। नए शैक्षिक सत्र से प्राइमरी स्कूलों में फिर से सत्रीय परीक्षाएं शुरू होंगी। ये सत्रीय परीक्षाएं अगस्त व दिसंबर में होंगी। वहीं अक्टूबर में अर्द्धवार्षिक और मार्च में वार्षिक परीक्षाएं होंगी। तीन वर्ष पूर्व कोरोना महामारी के कारण सत्रीय परीक्षाओं पर रोक लगा दी गई थी। ऐसे में सिर्फ दो बार ही मूल्यांकन हो पा रहा था। बेसिक शिक्षा विभाग अब फिर से दोनों सत्रीय परीक्षाएं शुरू कराने जा रहा है। इस प्रकार से अब परिषदीय स्कूलों के छात्रों का साल भर में चार बार मूल्यांकन होगा।वर्ष 2024-25 के शैक्षिक कैलेण्डर में दोनों सत्रीय परीक्षाओं को फिर से शामिल कर लिया गया है। महानिदेशक, स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा ने बेसिक शिक्षा अधिकारियों को इस बारे में निर्देश जारी कर कर दिए हैं।

छा गया संविधान का पॉकेट साइज एडिशन

लखनऊ। 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष का सबसे बड़ा हथियार संविधान रहा। पक्ष और विपक्ष दोनों के भाषणों में संविधान की चुनावी कैंपेन में चर्चा होती रही। चुनाव संविधान बदलने के आरोपों के बीच लड़ा गया। इंडिया गठबंधन ने आरोप लगाया था कि एनडीए 400 सीटों का दावा इसलिए कर रही हैं क्योंकि वह संविधान बदलना चाहती हैं। बीजेपी के ही लीडरों ने विपक्ष को यह मुद्दा बैठे बैठाए सौंप दिया था, कहा जाय तो शायद गलत नहीं होगा।चुनाव के दौरान भाजपा के कई नेताओं ने सार्वजानिक घोषणा भी की थी कि 400 सीटें हासिल कर संविधान में बदलाव किया जाएगा। अयोध्या के सांसद रहे लल्लू सिंह इसी के चलते संसद में वापसी नही कर पाये। राहुल गांधी इस मुद्दे पर सबसे ज्यादा मुखर थे। इस मसले पर अखिलेश यादव भी कुछ कम नही बोले। राहुल गांधी तो जनसभाओं में संविधान की लाल किताब के साथ पहुँचते थे। लोकसभा सत्र के पहले दिन तो भी इंडिया गठबंधन के सांसदों ने संसद के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान सभी सांसदों के हाथ में पॉकेट साइज के संविधान की किताब थी। लोगों के जेहन में सवाल है कि यह कौन सा संविधान हैं जो इतने छोटे आकर का हैं। ईस्टर्न बुक कंपनी लखनऊ के सेल्स हेड सुधीर कुमार के मुताबिक श्यह संविधान का कोट-पॉकेट एडिशन है। इसके आकार के अनुरूप यह एक जज या ऐडवोकेट की जेब में आ जाती है इसलिए इसका नाम कोट-पॉकेट एडिशन रखा गया है। 2009 में इसे पहली बार प्रकाशित किया गया था। इसमें बाइबिल पेपर का इस्तेमाल किया गया है जो बहुत पतला होता है।

जीत के बाद भी नही ले सकेंगे शपथ !

लखनऊ। 18वीं लोकसभा का गठन हो चुका है। सांसदों को शपथ दिलाई जा रही है और सदन की कार्यवाही शुरु है लेकिन उत्तर प्रदेश से सवा लाख वोटों के अंतर से चुनाव जीतने वाले एक सांसद न सदन की कार्यवाही में शामिल हो सकेंगे और न सांसद निधि का इस्तेमाल कर सकेंगे। उनके संसद सदस्य के तौर पर शपथ लेने पर सस्पेंस है।यह सांसद गाजीपुर से नवनिर्वाचित सपा सांसद अफ्जाल अंसारी हैं।बीजेपी विधायक कृष्णानंद राय के परिवार के अधिवक्ता सुदिष्ट सिंह के मुताबिक अफ्जाल अंसारी सांसद निर्वाचित होने के बाद अगर संसद सदस्य के पद की शपथ लेते हैं तो यह सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवमानना होगी।उनके मुताबिक दिसंबर 2023 का सुप्रीम कोर्ट का जो आदेश है उसमें यह बिल्कुल स्पष्ट है। सुप्रीम कोर्ट ने गैंगस्टर एक्ट में मिली सजा पर रोक लगाते हुए पांच शर्तें लगाई हैं। पहली शर्त थी कि गाजीपुर में उपचुनाव नहीं होंगे,दूसरी सदन की कार्यवाही में हिस्सा नहीं लेंगे।सांसद निधि का उपयोग नहीं करेंगे और वोटिंग भी नहीं करेंगे।

किरण फाउंडेशन एव एस.ए.एस. हुंडई प्रायोजित अर्जुना क्रिकेट लीग अंडर-12 क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में आर्गेनिक फार यू को 41 रन से हराया मारिनर्स बना चैम्पियन

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो लखनऊ

लखनऊ - आशियाना स्थित मल्टी इक्विटी ग्राउंड पर चल रही किरण फाउंडेशन के तत्वावधान एस,ए,एस, हुंडई प्रायोजित अर्जुना क्रिकेट लीग अंडर-12 क्रिकेट टूर्नामेंट के रोमांच से भरे लो स्कोरिंग फाइनल मैच में मारिनर्स स्पोर्ट्स क्लब ने आर्गेनिक फार यू को 41 रन से हराकर चैम्पियन बनने का गौरव हासिल किया । दूधिया रौशनी में खेले गये फ़ाइनल मुकाबले मे मारिनर्स स्पोर्ट्स क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट खोकर 98 रन बनाए । मारिनर्स स्पोर्ट्स क्लब की ओर से विकेट-कीपर बल्लेबाज शुभम ने 34 गेंदों पर 26 रनो की संघर्षपूर्ण पारी खेली, कप्तान आर्यन यादव ने 13, स्पर्श ने 14 रनों बनाए, इसके अतिरिक्त कोई बल्लेबाज दहाई की संख्या तक नही पहुंच सका । आर्गेनिक फार यू की ओर से गेंदबाजी करते हुए समृद्ध यादव ने 16/3- अंश सिंह, विनेश सिंह तथा कार्तिकेय यादव ने एक एक विकेट लिया । लक्षय का पीछा करने उतरी आर्गेनिक फार यू की बल्लेबाज़ी मारिनर्स स्पोर्ट्स क्लब की आक्रामक गेंदबाजी के सामने ताश के पत्तों की तरहां बिखर गयी, तथा निर्धारित 20- ओवरों में 9 विकेट खोकर मात्र 57 रन ही बना सकी । गेंदबाजी करते हुए कप्तान आर्यन यादव ने चार ओवरों मे मात्र 6 रन देकर 3 विकेट झटके, रोनित कपूर ने 7/2 स्पर्श 8/1 देवित कपूर ने 14/1 विकेट लिया । प्लेयर आफ द फाइनल आर्यन यादव को चुना गया । फाइनल मैच मे विशिष्ट अतिथी के रूप मे पूर्व भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम के कप्तान रविकांत शुक्ला, तथा रणजी खिलाड़ी अंशुल कपूर आसिफ, नवीन, के,पी, जितेन्द्र सिंह, रजनीश सिन्हा, अंकुर श्रीवास्तव, जसमीत सिंह, रिज़वान अहमद, डाक्टर आलोक संगम, अनस सिद्दीकी, अमित चिकारा, देवेन्द्र सिंह राठौर, सूधीर सिंह, आदी उपस्थित रहे, जिन्होंने खिलाड़ियों का हौसला बढाया तथा खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरण किये । टूर्नामेंट का मैन आफ द सिरीज स्पर्श को चुना गया, बेस्ट बैट्समैन हर्षवर्धन पंत, बेस्ट बालर प्रणय गुप्ता, बेस्ट फिल्डर रोनित कपूर, बेस्ट विकेट कीपर शुभम, को चुना गया । इसके अतिरिक्त इमेजिंग प्लेयर आफ द टूर्नामेंट के रूप मे चिराग़ चिकारा, सदफ़ खान, शाश्वत गुप्ता, आर्यन शुक्ला, रेहान, रनवीर आजाद को विशेष रूप से पुरस्कृत किया गया । उक्त शानदार टूर्नामेंट के सफल आयोजन के लिए दीपक त्रिपाठी एव उनकी टीम की सभी टीमों एव विशिष्ट अतिथियों ने दिल खोलकर प्रशंसा की ।

फिर चली तबादला एक्सप्रेस प्रदेश मे आईपीएस अधिकारियों के हुए तबादले

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ - यूपी में एक साथ आठ आईपीएस अधिकारियों के तबादले हुए हैं। यह सभी तबादले पुलिस अधीक्षक और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के पदों पर हुए हैं। यूपी में चुनावों के बाद तबादलों का क्रम जारी है। मंगलवार को एक साथ आठ आईपीएस अधिकारियों के तबादले हुए। इसमें ज्यादातर तबादले पुलिस अधीक्षकों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों के तबादले हैं। शासन के निर्देश पर डीजीपी मुख्यालय ने मंगलवार को आठ आईपीएस अफसरों का तबादला कर दिया, जिनमें सात जिलों के पुलिस कप्तान शामिल हैं। बरेली में प्लॉट पर कब्जे को लेकर खुलेआम फायरिंग की घटना के बाद एसएसपी घुले सुशील चंद्रभान को हटा दिया गया है। उन्हें एसटीएफ का एसएसपी बनाया गया है। इसके अलावा सहारनपुर के एसएसपी विपिन टांडा को मेरठ का नया एसएसपी बनाया गया है। इसी तरह मुरादाबाद के एसएसपी हेमराज मीना को आजमगढ़ का एसपी बनाया गया है। आजमगढ़ के एसपी अनुराग आर्य को बरेली का एसएसपी बनाया गया है। मेरठ के एसएसपी रोहित सिंह सजवान को सहारनपुर का एसएसपी बनाया गया है। प्रतापगढ़ के एसपी सतपाल को मुरादाबाद का एसएसपी बनाया गया है। चंदौली के एसपी डॉ. अनिल कुमार द्वितीय को प्रतापगढ़ की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। आगरा में एसपी रेलवे आदित्य लांगहे का चंदौली का एसपी बनाया गया है।

मामूली बरसात से घरों और दुकानों में भरा पानी

➤ नाले नालियों की काफी दिनों से नहीं हुई सफाई जिसके कारण दुकानों और घरों में भरा पानी

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर लखनऊ - सरोजनीनगर में मंगलवार दोपहर बाद हुई मामूली बरसात से हरौनी कस्बे के घरों और दुकानों में पानी भर गया। बताते हैं कि यहां नाले नालियों की काफी दिनों से सफाई नहीं हुई है। जिसके कारण वह चोक पड़ी हैं। मंगलवार अपराह्न करीब 3 बजे कुछ देर के लिए हुई झमाझम बारिश से सारे नाले नालियां उफना गए और उनका पानी दुकानों व घरों में घुस गया। जिससे लोगों का काफी नुकसान हो गया है। स्थिति यह कि जरा सी बारिश का पानी दुकानों और घरों में भर जाने से लोगों को झाड़ू और बाल्टियों से उसे निकालना पड़ा। यहां मामूली बरसात से रास्तों में भी जल भराव की समस्या उत्पन्न हो गई है। स्थानीय लोगों की माने तो लंबे समय से हरौनी गांव और मार्केट के आसपास सफाई नहीं हुई है। जिसकी वजह से नालियां चोक पड़ी हैं। यही वजह है कि मामूली बारिश से नालियों का पानी लोगों के घरों और दुकानों में भर गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार इसकी शिकायत सरोजनीनगर ब्लॉक कार्यालय में की गई। लेकिन इसके बावजूद भी यहां लंबे समय से अब तक नाले नालियों की सफाई नहीं की गयी। उनका कहना है कि अगर यही हालात रहे तो बरसात के मौसम में लोगों के घरों और दुकानों में भयंकर जल भराव हो सकता है। जिससे उनका काफी नुकसान भी होने की संभावना बनी हुई है। उधर सरोजनीनगर प्रथम वार्ड के गहरु गांव में रोड के किनारे बने नाले पूरी तरह से चोक पड़े हैं। यहां कई लोगों ने तो अपने घरों के सामने नाले को अस्थाई रूप से बंद तक कर दिया है। जिसकी वजह से घरों से निकला गंदा पानी रोड पर भर रहा है। इससे जहां यहां पर दुर्गंध युक्त वातावरण बना रहता है। वहीं संक्रामक बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां के नाले और नालियों की सफाई लंबे समय से नहीं हुई है। जिसके कारण स्थिति विकराल होती चली जा रही है। अगर नाले नालियों की सफाई न की गई तो जरा सी बरसात होने पर भयंकर जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। नाले नालियों की सफाई न होने के कारण यहां पर जगतपाल रावत और छेदीलाल गौतम के घर के सामने व नंदू होटल के पास नाले का सारा पानी उफना कर सड़क पर भर रहा है। जिससे यहां जल भराव की समस्या बनी हुई है। लोगों को इसी गंदे पानी के जलभराव से होकर निकलना पड़ रहा है।

लेखपाल का रिश्वत लेते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर लखनऊ - लेखपाल द्वारा रिश्वत लेते हुए सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुआ तो हड़कंप मच गया। वायरल वीडियो में एक कार के अंदर वकील की वेशभूषा में बैठा व्यक्ति कार सवार अन्य व्यक्ति से कह रहा है कि एक बीजेपी के नेता हैं, जो पहली बार मुझे मिले और एक काम कराने को कहा। उसने कहा कि उसकी फाइल एसडीएम के यहां गई, जो ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज होती है। लेकिन उसे दौरान पोर्टल बंद हो गया। जिससे ऑनलाइन नहीं दर्ज हो सकी। इसके बाद उसने उससे यह काम कराने को कहा। इस पर कार में बैठा दूसरा व्यक्ति कह रहा है कि काम हो जाएगा। इसके बाद वकील की वेशभूषा में बैठा व्यक्ति कार सवार दूसरे व्यक्ति को 2 हजार रुपये देते हुए कह रहा कि बहुत बड़ा पैसा तो नहीं है, लेकिन आपकी सेवा के लिए 2 हजार रुपये दे रहा हूं। इससे आपका भी काम चल जाएगा और हमारा भी काम चल जाएगा। वह यह भी कह रहा कि काम हो जाने पर बाद में 15 सौ रुपये और दे देंगे। इस पर कार सवार दूसरा व्यक्ति कहा रहा कि ठीक है आपका काम हो जाएगा। यह वीडियो वायरल होने से फिलहाल हड़कम्प मचा हुआ है। वकील की वेशभूषा में बैठे व्यक्ति के साथ कार पर सवार रुपये ले रहा दूसरा व्यक्ति सरोजनीनगर तहसील का एक लेखपाल बताया जा रहा है। हालाकि अखबार इस बात की पुष्टि नहीं करता है। उधर सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो का संज्ञान लेने के बाद संबंधित अधिकारी मामले की जांच पड़ताल में जुट गए हैं।

18वीं लोकसभा : टकराव से शुरुआत

अठारहवीं लोकसभा के पहले सत्र की शुरुआत से ऐन पहले, अपने परंपरागत वक्तव्य में प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार फिर साफ कर दिया कि उनकी सरकार से, जनादेश का आदर करते हुए, पहली पारियों के मुकाबले, तौर-तरीकों में किसी खास बदलाव की आशा नहीं की जानी चाहिए। बेशक, प्रधानमंत्री ने संसद ही नहीं, आमतौर पर शासन के लिए भी बहुमत से बढ़कर, आम सहमति के जरूरी होने पर विश्वास करने का दावा किया। लेकिन, इसके पीछे इस बार के जनादेश से उत्पन्न किसी विनम्रता की जगह, सिर्फ बयानबाजी ही और यह प्रधानमंत्री के इसके दावे से साफनजर आता था कि उनकी सरकार तो, दस साल से आम सहमति बनाने और सब को साथ लेकर चलने के ही रास्ते पर चल रही थी! बची-खुची कसर, प्रधानमंत्री द्वारा इस मौके पर भी छोड़े गए विपक्ष के खिलाफ इस प्रकार के तीरों ने पूरी कर दी कि लोग संसद से बहस की अपेक्षा करते हैं, नाटक की नहीं, हंगामे आदि की नहीं! प्रधानमंत्री मोदी को इतने से भी संतोष नहीं हुआ तो वह, एक दिन बाद इमर्जेंसी लगाए जाने का पचासवां साल शुरू होने के बहाने से, विस्तार से इमर्जेंसी को धिक्कारने में चले गए, जिसका मकसद सबसे बढ़कर यह साबित करना था कि उनके राज के दस साल में संविधान पर आया संकट तो,कोई संकट ही नहीं था। हैरानी की बात नहीं है कि प्रधानमंत्री ने अपने इस वक्तव्य से इसी का इशारा दिया है कि संसद के पिछले कई सत्रों की तरह, अठारहवीं लोकसभा का पहला सत्र भी तीखे टकराव का ही सत्र होने जा रहा है। मोदी और उनकी भाजपा, जिस तरह से इस चुनाव के जनादेश को तोड़ने-मरोड़ने और उसके कई महत्वपूर्ण तत्वों को दबाने की ही कोशिश कर रहे हैं, उसे देखते हुए एक बार फिर यह याद दिलाना अनुपयुक्त नहीं होगा कि अगर, अपने एनडीए गठबंधन के 293 के आंकड़े के बल पर, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार सरकार बनना, 2024 के जनादेश का एक महत्वपूर्ण पहलू है, तो इसी जनादेश का इतना ही महत्वपूर्ण पहलू कुल मिलाकर देश की जनता द्वारा मोदी की भाजपा का हरेक पहलू से ठुकराया जाना है। 2019 के चुनाव के मुकाबले खुद भाजपा की सीटें 303 से घटकर 240 पर आ जाना और पिछले चुनाव से ज्यादा सीटें लड़ने के बावजूद, उसका अपना मत फीसद करीब 1 फीसद घट जाना और इसी प्रकार, मोदी के नेतृत्व में चल रहे एनडीए की सीटें, साढ़े तीन सौ से ऊपर से घटकर 293 रह जाना और उसके मत फीसद में भाजपा से भी ज्यादा गिरावट होना, उसी जनादेश के महत्वपूर्ण संकेत हैं। जनादेश के दोनों पहलुओं का जोड़कर देखें तो, संक्षेप में इस बार का चुनावी जनादेश ऐसा है कि केंद्रीय सत्ता, मोदी और उनकी भाजपा के हाथों से छीनकर, एक साफ तौर पर उससे कहीं व्यापक गठबंधन को सौंपने का जनादेश है। मोदी की भाजपा को अकेले सत्ता सौंपने से इंकार, इस चुनाव में मतदाताओं का स्पष्ट फैसला है। और जाहिर है कि यह स्पष्ट जनादेश, मोदी राज के दस साल के जनता के सामने परीक्षा में फेल हो जाने को ही दिखाता है। ऐसे में मोदी की नयी सरकार को मोदी 3.0 कहने और उससे बढ़कर बनाने की जिद, जनादेश को नकारने, झुठलाने की ही जिद है। और जनतंत्र में ऐसी जिद, आसानी से चल नहीं सकती है और अगर चलती है, तो जनतंत्र के पर कतरते हुए ही चल रही होगी। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए और उसकी सरकार को आम सहमति के बजाय, तीखी और अनुचित टकराव के रास्ते पर ही धकेले जाने का पहला संकेत तो तभी मिल गया था, जब प्रो-टेम स्पीकर जैसे महज सम्मान के अति-अस्थायी पद को भी,भाजपा की झोली में डालने की उसकी जिद सामने आयी। सिर्फ नव-निर्वाचित लोकसभा सदस्यों को शपथ दिलाने और स्पीकर का चुनाव कराने तक सीमित भूमिका वाले इस पद पर, हमेशा ही सदन में चुनकर आए सबसे वरिष्ठ सदस्य को बैठाया जाता है। लेकिन, मोदी राज ने इस पद के लिए कांग्रेस पार्टी से जुड़े दो वरिष्ठतम सदस्यों की दावेदारी को नकार दिया और राष्ट्रपति से सिफारिश कर उनसे कनिष्ठ भर्तृहरि मेहताब को प्रो-टेम स्पीकर बनवा दिया, जो बीजू जनता दल से छरू बार लोकसभा में चुने गए थे और इसी बार भाजपा की ओर से चुनकर आए हैं। हैरानी की बात नहीं होगी कि इस तरह से नरेंद्र मोदी, एनडीए के अपने सहयोगियों को मंत्रियों के बंटवारे में सस्ते में निपटाने के बाद, स्पीकर का पद भी अपने पास ही रखने का दबाव बना रहे हों। याद रहे कि स्पीकर पद के एनडीए में भाजपा के किसी सहयोगी दल के हाथ में रहने को, मोदी की भाजपा के प्रति सहयोगी दलों की आशंकाओं को दूर करने के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। खबरों के अनुसार, खासतौर पर तेलुगू देशम्‌ पार्टी शुरुआत से इस पद के लिए इस आधार पर दावा भी करती आयी है कि मोदी-पूर्व एनडीए सरकार में, तेलुगू देशम्‌ के पास यह पद रहा भी था। बहरहाल, जनादेश से उल्टी दिशा में चलते हुए, मोदी का ज्यादा से ज्यादा सत्ता अपने हाथों में केंद्रित रखना, राजनीतिक रूप से एनडीए में खींचतान को तो जितना बढ़ाएगा, बढ़ाएगा ही, यह मोदी सरकार पर दबावों को भी बढ़ाने जा रहा है। जिस जनादेश के फलस्वरूप सब कुछ के बावजूद नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली है, उसी जनादेश का दूसरा पहलू यह भी है कि 18वीं लोकसभा में एनडीए विपक्ष की ताकत, पिछली दो लोकसभाओं के मुकाबले उल्लेखनीय रूप से ज्यादा है। जाहिर है कि विपक्ष की यह बढ़ी हुई ताकत, कोई निष्क्रिय ताकत तो होने वाली नहीं है। विपक्ष की यह बढ़ी हुई ताकत, जिसे मोदीशाही की इस बार के चुनाव के जनादेश को नकारते हुए, पिछली बार की तरह तानाशाही चलाने की कोशिशें, और ज्यादा एकजुट तथा संकल्पबद्ध ही करने जा रही हैं, जाहिर है कि शासन की विफलताओं और कमजोरियों को वैसी प्रखरता से उठाने जा रही है, जैसी प्रखरता से पिछले दस साल में नहीं उठा पा रहा था। और यह चीज संघ-भाजपा के हाथों में सत्ता के ज्यादा केंद्रीकरण की बढ़ती प्रवृत्ति के चलते, शासन में दिखाई देने लगीं बढ़ती हुई दरारों को चौड़ा करने जा रही है, जहां गोदी मीडिया के लिए भी उन्हें अनदेखा करना मुश्किल हो जाएगा। नीट-यूजी की परीक्षा को लेकर उठे बवाल के उदाहरण से इसे समझा जा सकता है। देश भर में मेडिकल कालेजों में दाखिले की इस परीक्षा में इस बार इतनी ज्यादा और इतने खुले तौर पर गड़बड़ियां हुई हैं कि, मेन स्ट्रीम मीडिया पर मोदी राज के सारे नियंत्रण के बावजूद, इन धांधलियों के खिलाफ स्वतःस्फूर्त आंदोलन को तेजी से बढ़ने से रोका नहीं जा सका है। इसीलिए, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तीन-चार दिनों में ही सुर बदलकर, नीट परीक्षा को क्लीन चिट देना छोड़कर, कुछ जगहों पर गड़बड़ियां होने और गड़बड़ी करने वाले किसी को भी नहीं छोड़ने का सुर अपनाना पड़ा है। इसी बीच यूजीसी-नेट से लगाकर, संबंधित केंद्रीय परीक्षा एजेंसी, एनटीए को परीक्षा पर परीक्षाएं रद्द या स्थगित ही नहीं करनी पड़ी हैं, उसके निदेशक पर गड़बड़ियों की गाज भी गिर चुकी है, जबकि नीट-यूजी की परीक्षा में गड़बड़ी की सीबीआइ जांच शुरू ही हो रही है। बेशक, नीट की सीबीआई जांच से बहुत ज्यादा आशा करना मुश्किल है। मध्य प्रदेश के व्यावसायिक परीक्षा मंडल या व्यापम महाघोटाले की सीबीआई जांच का जैसा हस्र हुआ, वैसा ही हस्र नीट-यूजी की जांच का होने की ही ज्यादा संभावनाएं हैं। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि व्यापमं घोटाले की ही तरह, नीट घोटाले के संबंध में अब तक आई तमाम जानकारियां, संघ-भाजपा के ताने-बाने से सीधे उसके तार जुड़े होने की ही गवाही देती हैं। और इस सबके शीर्ष पर हैं, एनटीए के चेयरमैन के पद पर विराजमान, डॉ. प्रदीप जोशी, जिनका परीक्षा एजेंसियों में शीर्ष पदों पर एक दर्जन साल से ज्यादा का कैरियर, आरएसएस के प्रचारक की पुर्जी से शुरू होकर, ऐसी पुर्जियों के सहारे ही भाजपा के राज में निरंतर आगे बढ़ा है। मोदी राज में इस कनेक्शन पर कौन सी सीबीआई हाथ लगाएगी। जाहिर है कि सरकार बनते ही समस्याएं, सिर्फ धर्मेंद्र प्रधान के सिर पर ही नहीं आ पड़ी हैं। अश्विनी वैष्णव के मंत्रित्व में भारतीय रेल ज्यादा से ज्यादा असुरक्षित होती गई है और ऐसे ही अमित शाह के मंत्रित्व में, मणिपुर से लेकर जम्मू-कश्मीर तक देश के अनेक हिस्से ज्यादा से ज्यादा असुरक्षित हो रहे हैं। और इस सब के पीछे व्यक्तिगत विफलता से बढ़कर नीतिगत कारण हैं। मोदी जी के राज में पहली बार, एक साथ कई-कई मंत्रियों के इस्तीफे की मांग उठ रही है। आगे-आगे, जैसे-जैसे ऐसी मांगों और मुद्दों का दबाव बढ़ेगा, वैसे-वैसे एनडीए में भाजपा के सहयोगी दलों के लिए, उस मोदी राज का बचाव करना मुश्किल होता जाएगा, जिसमें उनका दांव और दखल वैसे भी कम से कम ही रहने जा रहा है। ऐसे में मोदी राज के साथ अपना रिश्ता उनके लिए राजनीतिक बोझ बन जाएगा, जिससे गला छुड़ाने के लिए वे बहाने खोजेंगे और मोदी राज में इसके बहाने इफ़रात में मिल भी जाएंगे।

संपादकीय

मोदी का रवैया न बदलने के संकेत

18वीं लोकसभा के विशेष सत्र की शुरुआत होने के पहले मीडिया के समक्ष उद्बोधन करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो कुछ कहा, उससे साफहै कि वे अपने पूर्ववर्ती रवैये को बरकरार रखेंगे। विपक्ष को कोसने तथा 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने जैसे सब्जबाग दिखाना वे बन्द नहीं करेंगे। इसके साथ यह भी साफहो गया है कि विपक्ष को एक बड़ी लड़ाई के लिये तैयार रहना है। आशा इस बात से बंधती है कि इस बार सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी व उसके गठबन्धन नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस (एनडीए) के मुकाबले संयुक्त प्रतिपक्ष इंडिया काफी मजबूत होकर लोकसभा में पहुंचा है। सोमवार को नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाने की कार्रवाई शुरू हुई जो मंगलवार तक जारी रहेगी। बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दोनों सदनों (राज्यसभा के साथ) के सदस्यों को सम्बोधित करेंगी। बाद में उनके अभिभाषण पर चर्चा होगी। मोदी ने जो बातें राष्ट्र के सामने रखीं उनसे सर्वप्रथम तो उनका पराजय भाव ही नजर आया क्योंकि उनका 370 व 400 पार का नारा विफल रहा। अपने चुनावी प्रचार के दौरान मोदी व भाजपा के सारे स्टार प्रचारक अकेली भाजपा के बूते 370 तथा एनडीए की सम्मिलित शक्ति 400 सदस्यों से अधिक होने की बात कर रहे थे। ऐसा तो नहीं हुआ, भाजपा 240 पर सिमट गई और उसे तेलुगु देशम पार्टी व जनता दल यूनाइटेड के सहारे सरकार बनानी पड़ी है। इस निराशा के चलते मोदी ने अपने भाषण की शुरुआत 25 जून, 1974 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए आपातकाल से की। भारतीय इतिहास की कटु व विषादपूर्ण घटनाओं को अपने राजनीतिक फायदे के लिये उछालने वाले मोदी इस कला के इसीलिये निष्णात माने जाते हैं कि वे उन्हें तोड़-मरोड़कर और सन्दर्भों से काटकर जनता के समक्ष परोसते हैं। इस सत्र की शुरुआत उन्हें सकारात्मक नोट से करनी चाहिये थी, लेकिन अपनी प्रवृत्ति के अनुरूप उन्होंने वही राह पकड़ी जिस पर वे पिछले दस वर्षों से चलते आये हैं। मोदी की वाराणसी से तीसरी बार जीत में पहले दो के मुकाबले अंतर काफी घटा है। यहां तक कि मतदान के प्रथम दो-तीन चक्रों में वे पिछड़ भी चुके थे। अपनी इस नैतिक पराजय को भी किसी महान विश्वविजय की तरह प्रस्तुत करते मोदी ने विपक्ष को जो पाठ पढ़ाने की कोशिश की वह अपने आप में हास्यास्पद है। अपने पिछले दो कार्यकालों में जिन मोदी ने बेहद निरंकुश तरीके से सरकार चलाई, उनका यह दावा था कि अब कभी भी कोई सरकार तानाशाही लागू करने की नहीं सोचेगा।श् उन्होंने यह भी कहा कि सांसदों से देश को बहुत अपेक्षाएं हैं अतरू उन्हें जनहित व लोकसेवा के लिये इस अवसर का उपयोग करना चाहिये। एक जिम्मेदार विपक्ष की जरूरत बतलाते हुए मोदी ने कहा कि लोग नारे नहीं सार्थकता चाहते हैं, व्यवधान नहीं बल्कि चर्चा और मेहनत चाहते हैं। उन्होंने विपक्ष के सवाल पूछे जाने व नारेबाजी को ड्रामे की संज्ञा दी, जो बतलाता है कि मोदी ऐसी संसद चाहते हैं जो उनसे प्रश्न न करे। मोदी उसी भाजपा से आते हैं जिसने लम्बे समय तक विपक्ष की भूमिका निभाई है। उनका यह बयान बतलाता है कि मोदी को लोकतंत्र में प्रतिरोध का न तो महत्व ज्ञात है और न ही वे प्रतिपक्ष का सम्मान करना जानते हैं। हमेशा की तरह मोदी की कथनी और करनी का अंतर साफदिखा कि स्वयं मोदी पिछली दो सरकारों में चर्चाओं से न केवल परहेज करते रहे हैं बल्कि सरकार से पूछे जाने वाले सवालों को अवरूद्ध करते रहे हैं।

भ्रष्टाचार के पुल

बरसात आने से पहले ही बिहार में एक सप्ताह के भीतर एक के बाद एक तीन पुलों का गिरना सार्वजनिक निर्माण में व्याप्त भ्रष्टाचार व धांधलियों को बेनकाब करता है। लगातार धड़ाधड़ गिरते पुल न केवल ठेकेदारों बल्कि उन्हें संरक्षण देने वाले राजनेताओं पर भी सवालिया निशान लगाते हैं। एक सप्ताह के भीतर बिहार के मोतिहारी में रविवार को एक पुल गिरने की तीसरी घटना हुई। इससे पहले अररिया और सिवान में भ्रष्टाचार के पुल गिरे थे। पूर्वी चंपारण के मोतिहारी में डेढ़ करोड़ की लागत से बनने वाला जो पुल गिरा, उसकी एक दिन पहले ही ढलाई हुई थी। रात में पुल भरभरा कर गिर गया। यदि यह पुल यातायात खुलने के बाद गिरता तो न जाने कितनी जानें चली जातीं। आरोप है कि घटिया सामग्री के कारण पुल बनने से पहले गिर गया। शनिवार को सिवान में गंडक नहर पर बना तीस फीट लंबा पुल गिर गया, जो चार दशक पहले बना था। इसी तरह मंगलवार को अररिया में बारह करोड़ की लागत से बना पुल गिर गया था। पुल के तीन पाये ध्वस्त हो गए थे। बिहार में निर्माण कार्यों में धांधलियों का आलम यह है कि पिछले पांच सालों के दौरान दस पुल निर्माण के दौरान या निर्माण कार्य पूरा होते ही ध्वस्त हो गए। उल्लेखनीय है कि बीते साल जून में भागलपुर में गंगा नदी पर करीब पौने दो हजार करोड़ की लागत से बन रहे पुल के गिरने पर भारी शोर मचा था। लेकिन उसके बाद भी हालात नहीं बदले। पुलों के गिरने का सिलसिला यूं ही जारी है। जो बताता है कि नियम-कानून ताक पर रखकर बेखौफ घटिया सामग्री वाले सार्वजनिक निर्माण कार्य जारी हैं। जाहिर है ऊपर से नीचे तक की कमीशनखोरी और जनता की कीमत पर मोटा मुनाफा कमाने वाले ठेकेदारों की मनमानी जारी है। तभी निर्माण कार्य में घटिया सामग्री का उपयोग बेखौफकिया जा रहा है। यदि शासन-प्रशासन का भय होता तो पुल यूं धड़ाधड़ न गिर रहे होते। सवाल ये उठता है कि आजादी के सात दशक बाद भी हम देश की विकास परियोजनाओं की गुणवत्ता की निगरानी करने वाला तंत्र क्यों विकसित नहीं कर पाए? यह जरूरी है कि सार्वजनिक निर्माण गुणवत्ता का हो और उसका निर्माण कार्य समय पर पूरा हो। इन योजनाओं को इस तरह डिजाइन किया जाए, जिससे कई पीढ़ियों को उसका लाभ मिल सके।

केजरीवाल को जमानत मामले में प्रवर्तन निदेशालय की सफलता क्षणिक

प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटा कर आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल के जमानत पर बाहर आने के जश्न में बाधा डालने में कामयाबी हासिल की है, जबकि न्यायालय के आदेश पर वह अपना हाथ भी नहीं डाल सकता था। फिर उच्च न्यायालय ने कुछ प्रक्रियागत मुद्दों के आधार पर इस पर अस्थायी रोक लगा दी है। लेकिन यह उसकी कोई बड़ी जीत नहीं हो सकती है, क्योंकि यह रोक केवल तब तक लागू रहेगी, जब तक कि ईडी की चुनौती पर सुनवाई नहीं हो जाती और न्यायालय द्वारा अगले 2-3 दिनों में इसका निपटारा नहीं कर दिया जाता। जिस तरह से ईडी ने प्राकृतिक न्याय को अवरुद्ध करने की कोशिश की है, उससे जाहिर तौर पर उसके राजनीतिक आका खुश हैं, जो केजरीवाल और उनकी पार्टी को हमेशा के लिए खत्म होते देखना चाहते हैं क्योंकि उन्हें पार्टी के बढ़ते प्रभाव से वास्तविक खतरा दिखाई देता है। लेकिन जिस तरह से एजेंसी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री की रिहाई में देरी करने के लिए काम किया है, उसकी व्यापक निंदा हुई है। बड़ा सवाल यह है कि प्रक्रियात्मक मुद्दों का सहारा लेकर एजेंसी अपनी विफलताओं को किस हद तक छिपा सकती है और जब अदालत मूल मुद्दों और ईडी की आपत्तियों के गुण-दोष पर विचार करेगी, खासकर उस संदर्भ में जब मूल अदालत ने मामले के बारे में गंभीर संदेह व्यक्त करते हुए जमानत दी थी। ईडी की केजरीवाल को निचली अदालत द्वारा दी गई जमानत पर स्थगन प्राप्त करने में सफलता मुख्य रूप से तकनीकी आधार पर थी न कि केजरीवाल के खिलाफ प्रस्तुत साक्ष्य की गुणवत्ता पर। एजेंसी ने तर्क दिया कि उसे जमानत की सुनवाई के दौरान केजरीवाल के वकील द्वारा प्रस्तुत तर्कों का खंडन करने का पर्याप्त अवसर नहीं दिया गया था। उच्च न्यायालय द्वारा इस तर्क को स्वीकार करना ईडी के लिए एक ठोस जीत के बजाय एक प्रक्रियात्मक जीत का संकेत देता है। इससे केजरीवाल के खिलाफ ईडी के मामले की मजबूती पर सवाल उठते हैं। प्रारंभिक जमानत कार्रवाई के दौरान सुबूतों के माध्यम से केजरीवाल की संलिप्तता को पुख्ता तौर पर स्थापित करने में ईडी की असमर्थता उनकी जांच या एकत्र किये गये सुबूतों में कमजोरियों का संकेत दे सकती है। वास्तव में, राउज एवेन्यू कोर्ट के जज द्वारा दिये गये 25-पृष्ठ के आदेश में ईडी के तौर-तरीके की गंभीर आलोचना की गई है, जिसमें अपर्याप्त सुबूत प्रस्तुत करना और कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच में संभावित पक्षपात दिखाना शामिल है। जबकि मनी लॉन्ड्रिंग की पुष्टि हो गई है, एजेंसी केजरीवाल को लेन-देन से जोड़ने में विफल रही है। कोर्ट ने बिना किसी पुष्ट सुबूत के सह-आरोपी और अनुमोदकों के बयानों पर भरोसा करने के लिए ईडी की भी आलोचना की। अदालत की टिप्पणी वर्तमान राजनीति की एक दर्दनाक सच्चाई की ओर इशारा करती है, जब उसके आदेश में कहा गया है-श्अदालत को इस तर्क पर विचार करने के लिए रुकना होगा, जो कि एक स्वीकार्य दलील नहीं है कि जांच एक कला है, क्योंकि अगर ऐसा है, तो किसी भी व्यक्ति को फंसाया जा सकता है और रिकॉर्ड से दोषमुक्ति सामग्री को कलात्मक रूप से हटाने के बाद उसके खिलाफ सामग्री को कलात्मक रूप से हासिल करके सलाखों के पीछे रखा जा सकता है। जांच प्रक्रिया में प्राकृतिक न्याय और निष्पक्षता के सिद्धांतों पर जोर देते हुए, न्यायाधीश ने कहा कि श्ईडी ने पीएमएलए की धारा 45 के तहत कठोर जमानत शर्तों पर बहुत अधिक भरोसा किया, जो प्रक्रियात्मक तकनीकी की मदद से कानूनी निष्पक्षता और निर्दोषता के अनुमान के सिद्धांतों को प्रभावित करता है। अदालत ने आगे कहा कि केजरीवाल को अदालत ने तलब नहीं किया था, लेकिन ईडी के चल रहे जांच दावे के आधार पर वह अभी भी न्यायिक हिरासत में हैं। प्रक्रियाओं पर यह अनुचित दबाव ईडी के मामले को और कमजोर करता है। राहत के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाते समय भी एजेंसी के वकील न्यायालय की टिप्पणियों में सामने आये मूल मुद्दों को नहीं उठा रहे थे, बल्कि सुनवाई की प्रक्रियाओं के बारे में बात कर रहे थे। एजेंसी के वकील, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने उच्च न्यायालय से शिकायत की कि उन्हें अपना मामला रखने का श्पूरा अवसरश् नहीं दिया गया और यहां तक कि उन्होंने न्यायाधीश के आदेश को विकृत करार दिया। केजरीवाल लगातार कहते रहे हैं कि ईडी उनके खिलाफ कोई विश्वसनीय सुबूत पेश करने में विफल रही। न्यायालय की टिप्पणियों के बाद इस बिंदु पर उनका जोर विश्वसनीयता प्राप्त करता है। यदि ईडी के पास वास्तव में पुख्ता सुबूत नहीं हैं, तो यह एजेंसी के मामले पर सवाल उठाता है।

हालांकि ईडी ने केजरीवाल की जमानत पर स्थगन प्राप्त करने में कानूनी पैंतरेबाजी की है, लेकिन मामले के मूल पहलू अभी भी अनसुलझे हैं। इन कार्रवाइयों के दौरान न्यायिक जांच और टिप्पणियां भारत में कानूनी प्रक्रिया और राजनीतिक परिदृश्य दोनों के लिए व्यापक निहितार्थों को उजागर करती हैं। इस मामले का अंतिम परिणाम इस बात पर निर्भर करेगा कि दिल्ली उच्च न्यायालय ईडी द्वारा प्रस्तुत सुबूतों का कैसे मूल्यांकन करता है। अगर अदालत सबूतों की पर्याप्तता और विश्वसनीयता पर सवाल उठाना जारी रखती है, तो इससे केजरीवाल के पक्ष में अनुकूल परिणाम आ सकता है। इसके विपरीत, अगर फैसला पलटा तो ईडी की स्थिति मजबूत हो सकती है और केजरीवाल की कानूनी और राजनीतिक स्थिति पर असर पड़ सकता है।

स्टार्टअप्स की घर वापसी

सरकार ने भारतीय वीसी के लिए भी पूंजीगत लाभ पर अधिभार 37 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया है। सरकार समान अवसर की कमी से अच्छी तरह वाकिफ है और इसे ठीक करने की दिशा में काम कर रही है

हाल ही में, ऐसी खबरें आई हैं कि कई भारतीय स्टार्टअप्स, जो पहले विदेशों में फ्लिप कर गए थे, अब भारत लौट रहे हैं, जिसे हम रिवर्स फ्लिपिंग कहते हैं। किसी भारतीय कंपनी के फ्लिपिंग का मतलब है एक ऐसा लेन-देन जिसमें प्रमोटर किसी विदेशी क्षेत्राधिकार में अपनी कंपनी को पंजीकृत करता है, जिसे फिर भारत में स्टार्टअप कंपनी की होल्डिंग कंपनी बना दिया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय स्टार्टअप का अंतिम स्वामित्व विदेशी क्षेत्राधिकार में चला जाता है। इसलिए रिवर्स फ्लिपिंग का मतलब है कि स्टार्टअप्स जिन्होंने अपनी मालिकाना कंपनियों को विदेशी क्षेत्राधिकार में शामिल किया था, वे स्वामित्व को वापस भारत ला रहे हैं। हम इसे घर वापसी कह सकते हैं। यह वाकई एक अच्छी खबर है। जिन महत्वपूर्ण स्टार्टअप्स ने वापस फ्लिप किया है, उनमें फोनपे और ग्रो शामिल हैं। इनके अलावा, वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली फ्लिपकार्ट ने भी अपनी मूल इकाई को सिंगापुर से फिर से भारत में लाने के लिए बातचीत शुरू की है। जेप्टो और रेजर पे भी वापस फ्लिप करने की कोशिश कर रहे हैं। पाइन लैब्स को भी सिंगापुर स्थित इकाई के विलय के लिए सिंगापुर कोर्ट से मंजूरी मिल चुकी है। फ्लिप करने वालों के पसंदीदा गंतव्य सिंगापुर, मॉरीशस, केमैन आइलैंड और यूनाइटेड किंगडम थे। जबकि भारतीय स्टार्टअप फ्लिपिंग के माध्यम से भारत के विनियामक दायरे से बाहर हो गए थे, उन्होंने अब एक व्यावसायिक रणनीति के रूप में रिवर्स फ्लिपिंग के माध्यम से भारतीय विनियामक ढांचे के तहत आना चुना है। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण बदलाव है, जिसके कारणों और प्रभावों को समझने की आवश्यकता है। गौरतलब है कि फ्लिप करने वाले स्टार्टअप वो हैं जिनके प्रमोटर भारत से हैं और उन्होंने भारतीय संसाधनों और सरकारी सहायता से अपना कारोबार खड़ा किया।

भारतीय स्टार्टअप क्यों फ्लिप कर गए- फ्लिप करने का पहला कारण यह है कि वे भारतीय नियामक प्रणाली, भारतीय कर कानूनों और भारतीय अधिकारियों की जांच से बचना चाहते थे। दूसरा कारण यह है कि विभिन्न अंतरराष्ट्रीय निवेशक उन कंपनियों को विदेश में फ्लिप करने के लिए मजबूर करते हैं जहां वे अपना पैसा लगाते हैं। ज्यादातर, वे इन स्टार्टअप में निवेश करने से पहले इसे एक पूर्व शर्त के रूप में रखते हैं और चाहते हैं कि इन स्टार्टअप का डेटा और बौद्धिक संपदा विदेश में हो। तीसरा, अमेरिका, सिंगापुर जैसे कई देशों ने स्टार्टअप और निवेशकों को आकर्षित करने के लिए कई अनुकूल नीतियां बनाई हैं, जैसे कि कॉर्पोरेट टैक्स की कम दर, स्थिर जीएसटी, शून्य पूंजीगत लाभ कर दर, दोहरे कर से बचाव संधियां आदि। चौथा, ये स्टार्टअप अपने शेयरों को विदेश में सूचीबद्ध करना चाहते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि अभिनव विचारों को बेहतर मूल्यांकन मिलता है। स्पेशल पर्पस एक्विजिशन कंपनी (एसपीएसी) एक ऐसा मॉडल है जिसने कई स्टार्टअप को अपनी होल्डिंग कंपनियों को अमेरिका में सूचीबद्ध करने के लिए आकर्षित किया है। अंतिम कारण है कि, कराधान के मामले में भारतीय घरेलू निवेशकों के लिए समान अवसर की कमी थी, जिसके कारण विदेशी निवेशकों ने भारतीय निवेशकों की तुलना में ज्यादा लाभ उठाया।

फ्लिपिंग के क्या हैं नुकसान- भारत से कंपनियों के फ्लिपिंग का पहला और सबसे बड़ा नुकसान संपत्ति और आय पैदा करने वाली संपत्ति का है। जब कोई भारतीय कंपनी विदेशी क्षेत्राधिकार में शामिल किसी कंपनी की सहायक कंपनी बन जाती है, या दूसरे शब्दों में, एक विदेशी कंपनी बन जाती है, तो सरकार न केवल पूंजीगत लाभ कर राजस्व का अवसर खो देती है, बल्कि स्टॉक एक्सचेंजों पर कंपनी की लिस्टिंग से संभावित पूंजी निर्माण से भी वंचित हो जाती है। दूसरा, देश की बौद्धिक संपदा विदेशी देशों को हस्तांतरित हो जाती है और डेटा पर अधिकार भी विदेशियों को मिल जाता है। गौरतलब है कि इन स्टार्टअप्स का कारोबार हर साल 100 से 200 प्रतिशत की दर से बढ़ता है और इस तरह ग्राहकों के महत्वपूर्ण डेटा की एक बड़ी मात्रा पर अधिकार विदेशी देशों को हस्तांतरित हो जाता है। बौद्धिक संपदा में भविष्य की वृद्धि और विस्तार के सभी लाभ भी विदेशी देशों को हस्तांतरित हो जाते हैं। तीसरा, फ्लिप करने वाले स्टार्टअप भारतीय कर क्षेत्राधिकार और अन्य विनियामक ढांचे से बाहर हो जाते हैं और इस तरह वे अपने भारतीय समकक्षों पर बढ़त हासिल कर लेते हैं। चौथा, चूंकि फ्लिप किए गए स्टार्टअप का मुख्यालय विदेश में होता है, इसलिए उनके फंड के स्रोत को जानना मुश्किल हो जाता है। यह देश के लिए एक बड़ा सुरक्षा जोखिम है। युद्ध जैसी स्थिति में यह जोखिम कई गुना बढ़ जाता है। पड़ोसी देशों से निवेश लेने से पहले अनुमति की शर्त फ्लिप किए गए स्टार्टअप पर लागू नहीं होती। पांचवां, हमारे स्टार्टअप के फ्लिप करने का नुकसान यह भी है कि इससे भारतीय शेयर बाजार की वृद्धि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

अब वे वापस क्यों लौट रहे हैं- सरकार का दावा है, और शायद यह सही भी है कि भारत की मजबूत वृद्धि घरेलू स्टार्टअप के रूप में रिवर्स फ्लिपिंग की प्रवृत्ति को जन्म दे रही है, जो कभी पूंजी तक पहुंच और कर लाभ के लिए विदेश जाते थे, अब घर लौट रहे हैं। विकास और तकनीकी विकास के साथ, कई अन्य कारण भी हैं, जो इस रिवर्स फ्लिपिंग को चलाते हैं। सबसे पहला और महत्वपूर्ण कारण यह है कि भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम ने पिछले एक दशक में महत्वपूर्ण परिपक्वता प्राप्त की है। अब उद्यमियों के लिए अधिक सहायक वातावरण है, फंडिंग, प्रतिभा और बुनियादी ढांचे तक बेहतर पहुंच है। इस अवधि के दौरान सरकार द्वारा उद्यमशीलता को बढ़ावा देने और व्यापार करने में आसानी के लिए कई पहल की गई हैं, जिसमें कर प्रोत्साहन और स्टार्टअप के लिए समर्पित कार्यक्रम शामिल हैं। दूसरा, भारत अपने विशाल और बढ़ते उपभोक्ता बाजार के कारण तेजी से व्यवसाय शुरू करने और विस्तार करने के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बनता जा रहा है। तीसरा, भारत की उद्यम पूंजी और निजी इक्विटी पारिस्थितिकी तंत्र भी काफी विकसित हुआ है, जो पूंजी की तलाश करने वाले स्टार्टअप्स के लिए पर्याप्त फंडिंग के अवसर प्रदान करता है। चौथा, पहले घरेलू वीसी के लिए समान अवसर की कमी थी क्योंकि वे अपने विदेशी समकक्षों की तुलना में अधिक कर का भुगतान कर रहे थे। लेकिन वित्त अधिनियम 2021-22 के माध्यम से, सरकार ने भारतीय वीसी के लिए भी पूंजीगत लाभ पर अधिभार 37 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया है।

आज का राशिफल

मेष:- आज सावधानी बरतने की सलाह गणेशजी आपको देते हैं। संभव हो तो सरकार विरोधी कार्य से दूर रहिएगा। दुर्घटना से भी बचकर चलिएगा। बाहर के खानपान की आदत के कारण स्वास्थ्य बिगड़ने की संभावना है। कार्य समयानुसार पूर्ण नहीं होंगे। व्यवसाय में भी संभलकर चलने की गणेशजी सलाह देते हैं।

वृषभ:- आपको रुचिकर मित्रों और स्वजनों के साथ घूमने-फिरने से आनंद-उल्लास प्राप्त होगा। सुंदर वस्त्राभूषण और भोजन का अवसर भी आपको प्राप्त होगा, परंतु मध्याह्न के बाद स्वास्थ्य संभालने की ओर सावधानी बरतने की गणेशजी सलाह देते हैं। खर्च अधिक होगा।

मिथुन:- आपको रुचिकर मित्रों और स्वजनों के साथ घूमने-फिरने से आनंद-उल्लास प्राप्त होगा। सुंदर वस्त्राभूषण और भोजन का अवसर भी आपको प्राप्त होगा, परंतु मध्याह्न के बाद स्वास्थ्य संभालने की ओर सावधानी बरतने की गणेशजी सलाह देते हैं। खर्च अधिक होगा।

कर्क:- गणेशजी कहते हैं कि भविष्य के लिए आर्थिक योजना बनाने के लिए समय अच्छा है। एकाग्रतापूर्वक कार्य करने से कार्य में सफलता अवश्य मिलेगी। किसी के साथ वाद-विवाद न कीजिएगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है। पारिवारिक वातावरण में शांति बनी रहेगी।

सिंह:- आज आप शारीरिक और मानसिक रूप से अस्वस्थ रहेंगे। माता के स्वास्थ्य को लेकर चिंता रहेगी। आर्थिक रूप से हानि हो सकती है। फिर भी मध्याह्न के बाद आप आर्थिक योजनाओं पर विचार कर सकते हैं। परिश्रम के अनुरूप परिणाम मिलेगा। विद्यार्थियों को कार्य में सफलता प्राप्त होगी।

कन्या:- गूढ़ रहस्य और आध्यात्मिकता के प्रति आपका अधिक आकर्षण रहेगा। गणेशजी के आशीर्वाद से आपको आर्थिक रूप से लाभ होने की संभावना है। नए कार्य का प्रारंभ करने के लिए समय शुभ है। प्रियजनों के साथ मुलाकात होगी। विरोधियों पर आप विजय प्राप्त कर सकेंगे। मध्याह्न के बाद स्थिति में बदलाव होगा।

तुला:- गूढ़ रहस्य और आध्यात्मिकता के प्रति आपका अधिक आकर्षण रहेगा। गणेशजी के आशीर्वाद से आपको आर्थिक रूप से लाभ होने की संभावना है। नए कार्य का प्रारंभ करने के लिए समय शुभ है। प्रियजनों के साथ मुलाकात होगी। विरोधियों पर आप विजय प्राप्त कर सकेंगे। मध्याह्न के बाद स्थिति में बदलाव होगा।

वृश्चिक:- गूढ़ रहस्य और आध्यात्मिकता के प्रति आपका अधिक आकर्षण रहेगा। गणेशजी के आशीर्वाद से आपको आर्थिक रूप से लाभ होने की संभावना है। नए कार्य का प्रारंभ करने के लिए समय शुभ है। प्रियजनों के साथ मुलाकात होगी। विरोधियों पर आप विजय प्राप्त कर सकेंगे। मध्याह्न के बाद स्थिति में बदलाव होगा।

धनु:- गूढ़ रहस्य और आध्यात्मिकता के प्रति आपका अधिक आकर्षण रहेगा। गणेशजी के आशीर्वाद से आपको आर्थिक रूप से लाभ होने की संभावना है। नए कार्य का प्रारंभ करने के लिए समय शुभ है। प्रियजनों के साथ मुलाकात होगी। विरोधियों पर आप विजय प्राप्त कर सकेंगे।

मकर:- सामाजिक रूप से ख्याति प्राप्त होने से आज व्यावसायिक, आर्थिक तथा सामाजिक रूप से लाभदायी दिन है। मध्याह्न के बाद सावधानी बरतने की सलाह गणेशजी देते हैं। स्वास्थ्य को संभालिएगा। वाहन चलाते समय भी सावधानी रखिएगा।

लाइब्रेरी से शिक्षा में एकाग्रता है आती: कुलदीप यादव

रसूलाबाद, कानपुर देहात। लाइब्रेरी से शिक्षा में एकाग्रता आती है। साथ ही शोरगुल से हटकर आज लाइब्रेरी का प्रचलन तेजी से बढ़ा है। वैदिक काल से ही शिक्षा के लिए अलग से कक्ष बनाए जाते थे। जहां विद्यार्थी समूह या एकल में अध्ययन करते थे। आज वही परंपरा वापस लौट रही है। यह बात जमनीनिवादा के निवासी समाजसेवी कुलदीप यादव ने लाइब्रेरी का फ़ीता काटते हुए कही।सोमवार को रसूलाबाद कस्बे के कानपुर मार्ग नयारा पेट्रोल पंप के निकट आर्या लाइब्रेरी का उदघाटन मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे कुलदीप यादव व विशिष्ट अतिथि के रूप में पहुंचे सभासद मशरूफ़ नवाज़ ने फीता काटकर किया। सभासद मशरूफ़ नवाज़ ने कहा कि जिस प्रकार से शिक्षा में लर्निंग कॉर्नर होता है ठीक उसी प्रकार से आज लाइब्रेरी भी शिक्षा का प्रमुख केंद्र बनती जा रही है। आजकल के परिवेश में बच्चों को घर में पढ़ने का मौका नहीं मिल पाता है और एकांत माहौल भी नहीं मिलता। जिससे उन्हें स्वाध्याय में बाधा आती है। लाइब्रेरी खुल जाने से बच्चों को एकांतवास मिलेगा, जिससे बेहतर अध्ययन होगा। लाइब्रेरी के उदघाटन अवसर पर समस्त विद्यार्थियों को मिष्ठान खिलाकर बधाई दी गई। इस मौके पर प्रमुख रूप से लाइब्रेरी संचालक सर्वेश राठौर, अभिजीत पाल, प्रिंस यादव, अनुज राठौर, सनोज कुमार सहित कई लोग मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने की सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

सड़क सुरक्षा के नियमों का अधिकारी कराएं पालन: जिलाधिकारी

कानपुर देहात। जिलाधिकारी आलोक सिंह की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष कलेक्ट्रेट में संपन्न हुई। बैठक में लोक निर्माण विभाग द्वारा जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि एनशएचश पर अनधिकृत कट को बंद करने की कार्यवाही की जा रही है, जिसके संबंध में जिलाधिकारी ने कराए जा रहे कार्यों की फोटोग्राफ लोकेशन सहित उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने एन० एच० ए० आई० के पदाधिकारी द्वारा विभिन्न कार्यों को कराए जाने में बरती जा रही शिथिलता पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की गई तथा कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।जिलाधिकारी ने ओवर स्पीडिंग रोकने हेतु स्वचालित चालान व्यवस्था, रोड पर रंबल स्ट्रिप, साइनेज बोर्ड लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग आपस में समन्वय कर ट्रैफिक नियमों का पालन कराए, जो ट्रैफिक नियमों का पालन नही कर रहे हैं उन पर प्रभावी कार्यवाही करें। जिलाधिकारी ने ओवरलोड वाहनों का अभियान चला कर चालान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्कूल खुलने से पूर्व सभी स्कूल बसों का फिटनेस टेस्ट कराया जाए। उन्होंने हाईवे पर छोटे, बड़े वाहनों हेतु लेन निर्धारित करने, बिना नंबर प्लेट के चल रहे वाहनों का चालान करने, सभी रोड जंक्शन पर रंबल स्ट्रिप लगाने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी द्वारा हाईवे पर पैदल पुल बनाने के निर्देश भी एनएचएआई के अधिकारियों को दिए गए। उन्होंने एन० एच० ए० आई० के अधिकारियों के कार्यों पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि एन० एच० ए० आई० अपने कार्यों में सुधार लाएं तथा दिए गए निर्देशों का पालन समय अंतर्गत कराए। इसके अतिरिक्त हाईवे पर झाड़ियों की कटाई, नालों की सफाई, हाईवेज के सौंदर्यीकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा विद्यालय स्तर पर गठित सड़क सुरक्षा क्लब के माध्यम से समय समय पर जागरूकता अभियान चलाया जाए, जिससे आमजन सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति सजग/ जागरूक हो सके। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक राजेश पांडेय, संबंधित अधिकारी गण आदि उपस्थित रहे।

मूसानगर पुलिस ने दो ट्रकों पर जांच के दौरान 53 गौवशों को पकड़ा

भोगनीपुर ,कानपुर देहात। मूसानगर थाना क्षेत्र के अकबराबाद के पास मुगल मार्ग पर चेकिंग के दौरान रविवार को पुलिस ने दो ट्रक पकड़े। इसमें 53 गोवंश लदे थे। चालक मौका पाकर फरार हो गए। थाना पुलिस ने ट्रक नंबर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। ट्रकों से उतरने पर 41 गोवंश जंगल में भाग गई केवल 12 गोवंश ही गौशाला भेजे जा सके। रविवार की भोर पहर ट्रक से गोवंश ले जाए जाने की सूचना पर मुगल मार्ग में अकबराबाद के पास पुलिस चेकिंग कर रही थी। भोगनीपुर की ओर से आ रहे। दो ट्रकों के चालकों ने ट्रकों को साइड में खड़ा किया। और चालक फरार हो गए। ट्रकों में देखा गया तो 53 गोवंश लदे थे गोवंशो को उतरते समय 41 गोवंश जंगल की तरफ भाग निकले पुलिस सिर्फ 12 गोवंशो को ही घेर सकी। मूसानगर पुलिस दोनों ट्रैकों को कब्जे में ले लिया है आरटीओ पंजीयन नंबर के आधार पर गौवध निवारण अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज इस संबंध में मूसानगर थाना प्रभारी दिनेश कुमार गौतम ने बताया कि दोनों ट्रकों कब्जे में ले लिया गया फरार चालकों की तलाश की जा रही है।

इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने समस्याओं को लेकर डिप्टी कमिश्नर को सौंपा ज्ञापन

सीतापुर। इंडस्ट्रियल एरिया सराय मलुही में व्याप्त समस्याओं को लेकर इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) सीतापुर के पदाधिकारियों ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। सोमवार को पदाधिकारियों ने डिप्टी कमिश्नर जिला उद्योग केंद्र आशीष गुप्ता से मुलाकात की। जिसके बाद उन्हें समस्याओं से संबंधित ज्ञापन सौंपा।

पदाधिकारियों ने ज्ञापन के माध्यम से कहा कि परिसर में स्थापित उद्योगों द्वारा काफी रेवेन्यू सरकार को मिलता है। यदि वहां व्याप्त समस्याओं का समाधान हो जाए तो रेवेन्यू काफी अधिक बढ़ेगा। जिला उद्योग केंद्र इंडस्ट्रियल एरिया की पैरेंटल संस्था होने के कारण इंडस्ट्रियल एरिया में व्याप्त समस्याओं के निराकरण हेतु जिम्मेदार है। उद्यमियों ने कहा कि इंडस्ट्रियल एरिया सराय मलूही काफी सालों से जल भराव की समस्या से ग्रसित है। ड्रेनेज सिस्टम न होने के कारण फैक्ट्री का निकला हुआ पानी एवं बारिश से जमा पानी फैक्ट्री के संचालन में बाधा उत्पन्न करता है। इंडस्ट्रियल एरिया में सड़कों में काफी बड़े-बड़े गड्ढे होने के कारण वहां किसानों एवं व्यापारियों के वहां क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। जिससे माल के लाने ले जाने में असुविधा का सामना करना पड़ता है। स्ट्रीट लाइट की सुविधा न होने के कारण फैक्ट्री में काम कर रहे मजदूरो एवं स्टाफ को रात्रि के समय आने-जाने में सुविधा का सामना करना पड़ता है।

जिला उद्योग केंद्र के डिप्टी कमिश्नर ने इस संबंध में अवगत कराया कि उपरोक्त समस्याओं के संबंध में निराकरण हेतु प्रयास किया जा रहे हैं। उन्होंने शीघ्र ही संबंधित विभाग से वार्ता कर निराकरण कराने का आश्वासन दिया। आईआईए की तरफ से ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से जिला चैप्टर कन्वीनर महेंद्र अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, विक्रम कुकरेजा, नरेश शर्मा आदि शामिल हैं।

बेसिक शिक्षा के तहत चल रहीं योजनाओं व कार्यों की समीक्षा में पिछड़ा कानपुर देहात

कानपुर देहात। बेसिक शिक्षा में जनपद का प्रदेश में 2०वां व कानपुर मंडल में चौथा नंबर आया है। विभागीय योजनाओं व कार्यों को लेकर मई की रैंकिंग जारी हुई है। पत्र के मुताबिक कई बड़े व वीआईपी जिलों से बेहतर काम औरैया जनपद में हो रहा है। महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि बेसिक शिक्षा के तहत चल रहीं योजनाओं, शासकीय एवं विभागीय कार्यों के समय से क्रियान्वयन व सफल संचालन के लिए मासिक लक्ष्य और कार्य निर्धारित किए गए हैं। उसके सापेक्ष वस्तुनिष्ठ एवं पारदर्शी प्रणाली से जनपदों की प्रत्येक महीने रैंकिंग जारी होती है हालांकि महानिदेशक ने मानक अंक के तहत अधिकांश जिलों की रैंकिंग पर संतोष नहीं जताया है। निर्देश दिए गए हैं कि जून की रैंकिंग में सुधार किया जाए। प्रदेश की राजधानी व देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के संसदीय क्षेत्र वाले जिला लखनऊ 43 फीसदी अंकों के साथ रैंक 39 नंबर पर आई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाले जिले वाराणसी की 12वीं रैंक व 46 नंबर आए हैं। श्रीराम की नगरी अयोध्या की 13वीं रैंक व 46 नंबर आए हैं। बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह व उनके पिता पूर्व सांसद राजवीर सिंह के एटा की रैंक 53, अंक 38 व अलीगढ़ की रैंक 28 व अंक 44 मिले हैं। सीएम के जिले गोरखपुर की रैंक 5० वीं है। बीएसए रिद्धी पाण्डेय ने बताया कि रैंकिंग में जनपद की जो प्रगति हुई है वह सबके सहयोग से आई है। जून में और बेहतर कार्य कर प्रदेश में टॉप पर कानपुर देहात को लाने का प्रयास होगा। मई में लोकसभा चुनाव में अधिकारियों की व्यस्तता के बाद भी रैंक 2०वीं आई है। कानपुर मंडल के जिलों की स्थिति- **औरैया रैंक -1**

कानपुर नगर रैंक -2 कन्नौज रैंक -1०

कानपुर देहात रैंक -2० फर्रुखाबाद रैंक -32 इटावा रैंक -54

नीट परीक्षा फिर से कराने की मांग को लेकर सड़क पर उतरे छात्र

बोले सरकार कर रही है लीपापोती

कानपुर देहात। नीट में कथित धांधली को लेकर छात्रों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। नीट को फिर से कराने की मांग के लिए छात्र एक बार फिर सड़क पर उतर चुके हैं। छात्रों की इस लड़ाई में मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस भी शामिल है। परीक्षा फिर से कराने की मांग को लेकर रविवार को नीट अभ्यर्थियों ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध-प्रदर्शन किया। धरने पर बैठे छात्र यश कटियार ने बताया कि हमारी मांग है कि नीट दोबारा कराई जाए। छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है इसलिए आज फिर हम कानपुर देहात जनपद से जंतर-मंतर पर आए हैं। इससे पहले भी हम यहां धरने पर बैठ चुके हैं। जो काम सरकार अब कर रही है वह पहले किया जाना चाहिए था। अब तक तो सबूत के साथ छेड़छाड़ की जा चुकी होगी। सीबीआई जांच से कुछ नहीं होने वाला है, हमारी मांग है कि परीक्षा दोबारा कराई जाए। वहीं अब नीट परीक्षा मामले को लेकर सीबीआई एक्शन मोड में आ गई है। सीबीआई ने नीट-यूजी में कथित अनियमितताओं के संबंध में एफआईआर दर्ज की है। इसकी जानकारी अधिकारियों के हवाले से सामने आई है। वहीं विभिन्न राज्यों ने जो आरोपी गिरफ्तार किए हैं उन्हें भी कस्टडी में लिया जाएगा। इससे एक दिन पहले केंद्र ने घोषणा की थी कि परीक्षण में कथित अनियमितताओं की जांच एजेंसी को सौंपी जाएगी।सीबीआई ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ नया मामला दर्ज किया है। करीब 24 लाख छात्रों ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा दी है। शिक्षा मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक 5 मई को आयोजित नीट-यूजी परीक्षा में कथित अनियमितताओं, धोखा धड़ी, प्रतिरूपण और कदाचार के कुछ मामले सामने आए हैं। अधिकारी ने कहा परीक्षा प्रक्रिया के संचालन में पारदर्शिता के लिए समीक्षा के बाद यह निर्णय लिया गया कि मामले को व्यापक जांच के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दिया जाए।केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) रविवार को अंडरग्रेजुएट नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट 2024 परीक्षा में एक बड़ी साजिश की जांच के लिए बिहार और गुजरात के लिए टीमें भेज रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने माना है कि 5 मई की परीक्षा में अनियमितताएं, धोखाधड़ी, प्रतिरूपण और अन्य कदाचार हुए हैं लेकिन वह सीधे तौर पर इस परीक्षा को निरस्त नहीं कर रही है। अभ्यर्थियों का आरोप है कि इस परीक्षा में सत्ताधारी बड़े नेताओं के संलिप्त होने की पूरी संभावना है जिस वजह से इस परीक्षा को निरस्त न कर सिर्फ लीपापोती की जा रही है। कई सबूत मिल जाने के बाद भी सरकार 24 लाख अभ्यर्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है।

सेवा भारती के जिलाध्यक्ष ने बैठक कर संगठन के विस्तार पर की चर्चा

सीतापुर। सेवा भारती की बैठक जिला अध्यक्ष अवनेन्द्र विक्रम सिंह के आवास पर की गयी। बैठक मे अतिथी संगठन मंत्री डॉ अरविन्द गुप्ता रहे। मंत्रोच्चारण के साथ बैठक का शुभारम्भ किया गया। बैठक मे सुनील टंडन द्वारा पुन सिलाई केंद्र व संस्कार केंद्र खोलने पर जोर दिया गया। मुख्य अतिथी डॉ अरविन्द गुप्ता ने कहा कि संगठन का विस्तार करते हुए स्वस्थ्य, स्वलंबन, सामाजिक व शिक्षा आयाम प्रमुखो का गठन किया जाए। अंत में जिला अध्यक्ष अवनेन्द्र विक्रम सिंह ने सभी का आभार जताया। मुख्य रूप से सुभाष गुप्ता, रत्नेश द्विवेदी, वेद प्रकाश कश्यप, आकाश राय आदि मौजूद रहे।

सरकारी संपत्ति को क्षति पहुंचाने वाले के खिलाफ मुकदमा दर्ज

महमूदाबाद, सीतापुर। तहसील क्षेत्र के ग्राम न्यामतपुर लबरहा में सरकारी संपत्ति को छति पहुंचाने को लेकर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है न्यामतपुर लबरहा में गाटा संख्या 237 रकबा ०.228 हे. जो राजस्व अभिलेखों में रास्ता के रूप में दर्ज है इसी भूमि पर लगे यूकेलिप्टस के 1०० पेड़ों को 18 जून को रामप्रवेश व मुन्ना निवासी उपरोक्त के द्वारा काट लिया गया था। जिसमे से कुछ लकड़ी उठा ली गयी है और कुछ मौके पर पड़ी है,इस घटना के संबंध में ग्राम प्रधान को अवगत कराया गया था परन्तु प्रधान के द्वारा कोई विधिक कार्यवाही नही की गई। ग्राम प्रधान सुमैया खातून रामप्रवेज व मुन्ना के विरुद्ध सार्वजनिक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम की धारा 2व 3 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) से लाभार्थी लाभ पाकर सार्थक कर रहे अपना स्वप्न

कानपूर देहात। हमारा प्रयास जनपद का विकास श्रृंखला के अंतर्गत आज हम सरकार की महत्वकांक्षी योजना प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) की चर्चा करेंगे। सरकार का उद्देश्य है कि हर व्यक्ति को आवास मिले, किसी भी व्यक्ति को अपने आश्रय के लिए कहीं भी भटकना न पड़े इस हेतु इस योजना का संचालन किया जा रहा है। इसके लिए नागरिकों हेतु कुछ शर्तों का पालन करना आवश्यक है, जिसमें प्रमुख शर्त है कि:-ई०डब्ल्यू०एस० श्रेणी में व्यक्ति की वार्षिक आय सीमा ०3 लाख हो।लाभार्थी शहरी क्षेत्र का निवासी होना चाहिए। लाभार्थी अथवा उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम से भारत में पक्का घर नहीं होना चाहिए। परिवार की परिभाषा में पति पत्नी एवं अविवाहित पुत्र व् पुत्रियाँ शामिल हैं। नए आवस निर्माण हेतु पात्र लाभार्थी का वर्तमान में मकान कच्चा/ अर्धकच्चा आदि होना चाहिए। पात्र लाभार्थी के पास स्वा मित्वाधीन भूमि की उपलब्धता के संबंध में सुसंगत दस्तावेज होना आवश्यक है।

जिन लाभार्थियों के पास कच्चा/ अर्धकच्चा आवास है जिसका कार्पेट एरिया 21 वर्ग मीटर तक है यदि उसमें कमरा, रसोई, शौचालय, बाथरूम में से किसी एक की सुविधा नहीं है तो उसे आवास विस्तार हेतु निम्न शर्तों के साथ सम्मिलित किया जा सकता है।

आवास विस्तार का अर्थ है विद्यमान आवास में न्यूनतम कार्पेट एरिया ०9 वर्ग मीटर जोड़ा जाएगा जिसमें एन०बी०सी० मानकों के अनुरूप लिविंग रूम अथवा कमरे के साथ रसोई घर/बाथरूम/शौचालय बनाया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत लाभार्थी को आवास निर्माण हेतु रु०2.5 लाख तीन किस्तों में दिया जाता है । प्रथम किश्त के रूप में रु०5० हज़ार, द्वितीय किश्त फाउंडेशन लेवेल पूर्ण होने पर रु०1.5 लाख व् तृतीय किश्त आवास निर्माण पूर्ण होने पर रु०5० हज़ार, जिसके भुगतान हेतु जिओ टैगिंग होना अनिवार्य है।जिलाधिकारी आलोक सिंह के नेतृत्व में जनपद कानपुर देहात में इस योजना का संचालन बेहतर तरीके से किया जा रहा है। अब तक कुल 14०24 लाभार्थियों को इस योजना से पूर्ण आच्छादित किया जा चुका है। इस योजना से लाभ प्राप्त कर लाभार्थियों के जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव हुआ है, इसका उदाहरण जनपद कानपुर देहात के नगर पंचायत शिवली निवासी लाभार्थी अखिलेश सविता पुत्र रजनू सविता का है, उनका कहना है कि प्रधानमंत्री आवास योजना 'शहरी' का लाभ मिलने से पहले वह अपने तीन बच्चों के साथ अपने जर्जर आवास में रहते थे। अक्सर वह व् उनका परिवार उसमें असुरक्षित महसूस करते थे। बच्चों की शिक्षा भी इसमें प्रभावित हो रही थी तभी इन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना 'शहरी' के बारे में पता चला। इन्होनें इसके लिए आवेदन किया और शीघ्र ही, इन्हें पहली किश्त मिल जाने से इनके लिए अपना घर बनाने का सपना साकार हुआ। घर में प्रकाश की व्यवस्था के साथ साथ शौचालय की व्यवस्था होने से न केवल बच्चों की शिक्षा में गुणात्मक सुधार आया, इनका परिवार भी सुरक्षित महसूस करने लगा। एक बेहतर माहौल मिलने से इनके बच्चों की प्रतिभा निखर कर सामने आयी, इनकी छोटी बेटी नैंसी ने भी इंटरमीडिएट की परीक्षा में 95.6 प्रतिशत अंक लाकर जनपद कानपुर देहात में 6वां स्थान प्राप्त कर जनपद कानपुर देहात के साथ साथ अपने परिवार का नाम भी रौशन किया। वह अपनी सफलता का श्रेय इस योजना इस योजना के साथ ही साथ यशस्वी प्रधानमंत्री मा० नरेंद्र मोदी, ओजस्वी मुख्यमंत्री मा० योगी आदित्यनाथ व् जिले के नेतृत्वकर्ता जिलाधिकारी आलोक सिंह को देती है। इन्हें कोटिश: धन्यवाद देते हुए उसके नेत्र खुशी से भर जाते हैं।

जिलाधिकारी ने संचारी रोग नियंत्रण को लेकर कलेक्ट्रेट में बैठक कर अभियान को सफल बनाने के दिए निर्देश

सीतापुर। विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अनुज सिंह की अध्यक्षता में की गई। जिसमें घर-घर दस्तक अभियान पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को सैनिटाइजेशन, फॉगिंग, तालाबों, नालों व नालियों में एण्टी लार्वा का छिड़काव के निर्देश दिए। वहीं उनकी बेहतर साफ सफाई, खुली नालियों को ढकने, उथले हैंडपंप को चिह्नित करने सड़क के दोनों ओर दो फुट तक झाड़ियों की साफ-सफाई तथा जल-भराव की समस्या का समाधान कराने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक और बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश देते हुये कहा कि संचारी रोग के बारे में बच्चों को जागरूक किया जाये। साथ ही उन्होनें सभी सम्बन्धित विभागों से संचारी रोगों के नियंत्रण व रोकथाम के सम्बन्ध में किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय बनाकर संचारी रोगों की रोकथाम व नियंत्रण के संबंध में कार्रवाई करने का निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि हाई रिस्क वाले गांव को प्राथमिकता के आधार पर लिया जाए। विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान 1 से 31 जुलाई व दस्तक अभियान 11 से 31 जुलाई तक चलेगा। बैठक में अपर जिलाधिकारी नीतीश कुमार सिंह, मुख्य विकास अधिकारी निधि बंसल, मुख्य चिकित्साधिकारी हरपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अवैध अस्पताल किया सीज

अवैध अस्पतालों पर चला स्वास्थ्य विभाग का हंटर

लखीमपुर खीरी। जिले में मरीजों की जान से खिलवाड़ और उनसे ठगी करने वाले अस्पतालों पर स्वास्थ्य विभाग की तरफ से कड़ी कार्रवाई की गई जिसके बाद आज सीएचसी अधीक्षक फरधान डॉ अमित बाजपेई के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अवैध अस्पतालों को सील कर दिया है। आपको बता दें कि इलाज के नाम पर लाखों की वसूली करने वाले अवैध हॉस्पिटलों पर स्वास्थ्य विभाग की लंबे समय से नजर थी जिसके बाद आज सीएचसी अधीक्षक डॉ अमित बाजपेई के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग टीम ने इन निजी अस्पतालो को सील कर दिया गया है। बता दें सीएचसी अधीक्षक डॉ अमित बाजपेई के नेतृत्व में निजी अस्पतालों का निरीक्षण किया गया इसमें से कई अस्पतालों के मानकों को भी जांचा गया वहीं जांच में कई अस्पतालों में मौके पर डॉक्टर नहीं मिले तो वहीं स्टाफ भी प्रशिक्षित नहीं मिला कुछ गैर पंजीकृत अस्पताल भी पाए गए ऐसे में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अवैध

अस्पताल को सील करने का सिलसिला शुरू किया।

ये अवैध अस्पताल सीज!

सोमवार को सीएचसी अधीक्षक डॉ अमित बाजपेई के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सलेमपुर कोन,ऐरा रोड निकट स्थित समर हॉस्पिटल व शौर्य हॉस्पिटल को सील कर दिया गया हालांकि ये दोनों निजी हॉस्पिटलों को एक बार पहले भी खामियां मिलने पर सील किया जा चुका था इन अस्पतालों में इलाज के नाम पर केवल खानापूर्ति हो रही थी साथ ही मरीजों से भारी-भरकम रकम की अवैध वसूली भी की जा रही थी ऐसे में सोमवार को कार्रवाई करते हुए ऐरा रोड सलेमपुर कोन समर हॉस्पिटल व शौर्य हॉस्पिटल को सील करने के बाद नोटिस चस्पा की गई।

क्या बोले सीएचसी अधीक्षक!

वहीं मामले पर सीएचसी अधीक्षक फरधान डॉ अमित बाजपेई ने बताया कि मरीजों की जान से खेलने वालों पर सख्त कार्रवाई की गई है, और अगर फिर ऐसे मामले सामने आते हैं तो आगे भी कार्रवाई की जाएगी उन्होंने कहा कि किसी भी कीमत पर जनता से खिलवाड़ करने वाले निजी अस्पतालों को चलने नही दिया जाएगा अवैध रूप से संचालित अन्य हॉस्पिटलों की जांच की जा रही है सभी पर कार्यवाही निश्चित रूप से की जाएगी किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

पांच बिजली के पोल गिरने से विगत 24 घंटे से बिजली सप्लाई ठप

सरवनखेडा, कानपुर देहात। शनिवार को साम विकास खण्ड क्षेत्र में तेज हवाओं के साथ हुई झमाझम बारिश से भैथाना गांव के मजरा भागीरथ पुर गांव में गिरे वृक्षों की चपेट में आए पांच बिजली के पोल गिरने से विगत 24 घंटे से बिजली सप्लाई ठप होने से ऐसी भीषण गर्मी में लोग बेहाल है। और सबसे अधिक समरसेबल पंप न चल पाने से पेय जल की समस्या बनी है। और गर्मी से लोग बिलबिला रहे हैं। वहीं बिजली विभाग ने पहले नलकूपों की लाइन ठीक करने का काम कर रहे हैं। बताते चले कि कल शनिवार को साम करीब 3 बजे तेज तूफान के साथ सरवनखेडा विकास खण्ड क्षेत्र में हुई झमाझम बारिश से वृक्षों को जडों से उखाड़ कर फेंक दिया। जिनके चपेट में भैथाना गांव के मजरा भागीरथ पुर गांव में पांच बिजली के पोल टूट कर गिरने से बिजली सप्लाई ठप हो गयी जिसमे कई नलकूप बंद हो गए। जब कि गांव मे 24 घंटे से बिजली सप्लाई ठप होने से ऐसी भीषण गर्मी में लोगबिल बिला उठे है। वहीं सबसे अधिक समस्या समरसेबल न चलने से पेयजल संकट का सामना करना पड रहा है। बिजली सप्लाई ठप रहने से एक दर्जन से अधिक गावों की बिजली सप्लाई बाधित है। इस संबंध में बिजली एसडीओ जैनपुर राहुल यादव ने बताया कि जानकारी मिली है पहले नलकूपों की लाइन ठीक करायी जा रही है। साम तक गांव की भी लाइन ठीक करा कर सप्लाई जल्द बहाल की जाएगी। इस संबंध में प्रधान मनोज पासवान व रोजगार सेवक दिनेश ने बताया कि 24 घंटों बाद भी लाइन ठीक नहीं हुई है। जिससे गर्मी से जूझना पड़ रहा है। और पेयजल समस्या बनी है।

विद्यालयों के आनलाइन डाटा से बच्चों को मिलेगी पहचान संख्या

कानपुर देहात। परिषदीय एवं मान्यता प्राप्त स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों का अब एक पर्सनल एजुकेशन नंबर जारी किया जाएगा। इस पर्सनल एजुकेशन नंबर से बच्चे का पूरा रिकॉर्ड ऑनलाइन रहेगा। इसके अलावा इस नंबर के आधार पर ही बच्चे को सरकारी सुविधा मिल सकेगी। यह नंबर विद्यालय के यू डायस कोड के माध्यम से मिलेगा।अब अपने बच्चे का प्रवेश कराने से पहले स्कूल के यू डायस नंबर की जानकारी कर लें। उसके बाद ही किसी भी विद्यालय में प्रवेश कराएं। इसकी अनदेखी न करें। यदि ऐसा किया तो आपके बच्चे का भविष्य बर्बाद हो सकता है। इसके पहले सभी बच्चों का रिकॉर्ड अभी तक रजिस्टरों में रखा जाता था लेकिन अब कक्षा एक से 12वीं तक के स्कूलों का ब्यौरा यू-डायस पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन होगा। जो बच्चा जिस स्कूल में दाखिला लेगा उसी स्कूल से उसको पर्सनल एजुकेशन नंबर दिया जाएगा। उसी नंबर के आधार पर उसको दूसरे स्कूल में दाखिला मिलेगा अन्यथा पर्सनल एजुकेशन नंबर नहीं मिलने पर बच्चे का दाखिला फर्जी माना जाएगा। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रिद्धी पाण्डेय ने बताया कि यू डायस नंबर भारत सरकार द्वारा जिले में सरकारी स्कूल और मान्यता प्राप्त प्राइवेट स्कूलों को दिया जाता है। अब दाखिला कराते समय बच्चों को विद्यालय द्वारा परमानेंट एनरॉलमेंट नंबर (पेन) दिया जाएगा। बच्चा अगर किसी दूसरे स्कूल में भी ट्रांसफर होता है तो इस पेन नंबर के जरिए बच्चे की पूरी डिटेल देश में कहीं भी शिफ्ट हो जाएगी। इसका उद्देश्य यह है कि अविभावकों को अपने बच्चों के लिए उचित स्कूल का चयन करने में कठिनाई न हो। इस पोर्टल को मुख्य रूप से स्कूलों के फर्जीवाड़े पर अंकुश लगाने के लिए बनाया गया है। इसके साथ ही इस नंबर के जरिए माता-पिता पोर्टल का उपयोग करके अपने बच्चों के डेटा को बहुत आसानी से ट्रैक कर सकेंगे।

जिलाधिकारी ने ईवीएम वेयर हाउस का किया निरीक्षण

कानपुर देहात। जिलाधिकारी आलोक सिंह के द्वारा आज विभिन्न पार्टी के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में ईवीएम वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने ईवीएम वेयर हाउस की सीसीटीवी व्यवस्था, साफ सफाई, रखरखाव आदि का अव लोकन कर आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित को दिए।

उन्होंने कहा कि ईवीएम वेयर हाउस में साफ सफाई, सुरक्षा व्यवस्था आदि पर विशेष ध्यान दिया जाए। नियमित अंतराल पर आयोग द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों का अनुपालन करते हुए वेयरहाउस में आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त रखी जाए। इस दौरान अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमार, परियोजना निदेशक वीरेंद्र कुमार, विभिन्न पार्टी के प्रति निधिगण, निर्वाचन कार्यालय के अधिकारी, कर्मचारी, सुरक्षा कर्मी आदि उपस्थित रहे।

आम आदमी पार्टी, असम ने किया नये सदस्यों के दाखिले के लिए मिस्ड कल नंबर जारी

पूरे राज्य में संगठनात्मक आधार को मजबूत करने का प्रयास

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता पंकज नाथ

असम - आम आदमी पार्टी का सांगठनिक आधार पूरे असम राज्य में मजबूत तरीके से बनाया जाएगा। इसी उद्देश्य से आम आदमी पार्टी असम के सदस्यता दाखिला अभियान आज से शुरू किया गया। 卐 पार्टी के पूर्वोत्तर पर्यवेक्षक राजेश शर्मा ने गुवाहाटी के गणेशगुड़ी में आम आदमी पार्टी के राज्य कार्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में यह घोषणा की। प्रेस कॉन्फ्रेंस में आम आदमी पार्टी में शामिल होने के लिए एक मिस्ड कॉल नंबर जारी किया गया। अब से- 8० 1०1० 2626 नंबर पर मिस्ड कॉल देकर आम आदमी पार्टी असम में शामिल हो सकते हैं। पार्टी के राष्ट्रीय नेता राजेश शर्मा ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, 卐असम के लोग चाहते हैं कि आम आदमी पार्टी राज्य में मजबूती से स्थापित हो। इसीलिए हमने अपनी पूरी ताकत का इस्तेमाल कर संगठन की नींव मजबूत करने का प्रयास किया है। प्रदेश में आने वाले दिनों में होने वाले हर चुनाव को लड़ने के लिए बूथ स्तर पर संगठन की नींव रखेंगे। यही कारण है कि हमने पूरे असम में आम आदमी पार्टी का सदस्यता अभियान शुरू किया है। जो लोग जाति, धर्म, बर्ण की परवाह किए बिना परिवर्तन की राजनीति में विश्वास करते हैं हम उनसे आप में शामिल होने की अपील करेंगे। सभी क्षेत्रों के लोगों की मदद से, हम ग्राम पंचायतों, स्वायत्त परिषदों और विधानसभाओं के उप-चुनाव जीतने के उद्देश्य से काम करेंगे। आप की राज्य समितियां और अन्य समितियां पहले ही भंग की जा चुकी हैं। डॉ. भाबेन चौधरी और मनोज धनवार की अध्यक्षता में एक मजबूत कार्यसमिति का गठन किया गया है। यह समिति पार्टी के संगठन को मजबूत करने के अलावा पुनर्निर्माण का काम शुरू कर दिया है। 卐 प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, कार्यकारिणी के संयोजक डॉ भाबेन चौधरी ने कहा कि आप आगामी पंचायत चुनावों में एक मजबूत लड़ाई लड़ेगी। पार्टी विधानसभा उपचुनाव लड़ने के बारे में भी सोचेगी। इसलिए उन्होंने राज्य के परिवर्तनकारी लोगों से आप में शामिल होने की अपील की। दूसरी ओर, नवगठित कार्यसमिति के सह-संयोजक मनोज धनवार ने जुलाई तक जिले में एक नई समिति बनाने और प्रत्येक जिले में बड़े पैमाने पर सदस्यता अभियान चलाने के अपने संकल्प की घोषणा की। उन्होंने बूथ स्तरीय पार्टी संगठन पर विशेष जोर दिया। टीम में सदस्यता भर्ती के लिए मिस्ड कल नंबर जारी करने वाले इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में कार्यसमिति की सदस्य अनुरूपा देकारजा ने सभी क्षेत्रों के लोगों और सभी क्षेत्रों की महिलाओं से बदलाव और भ्रष्टाचार मुक्त शासन के हित में आप में शामिल होने की अपील किया है ।

सीवेज प्लांट में डूबने से बरसाना के युवक की मौत परिजनों में कोहराम

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता मुकेश कौशिक

मथुरा - सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के टैंक में डूबने से गोवर्धन तहसील के बरसाना निवासी युवक की हुई मौत।मौत की सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया।कस्बा के टांटिया बहभूदीया मोहल्ला निवासी अंकित पुत्र अशोक ग्रेटर नोएडा की निजी कंपनी कोफोर्ज के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट में काम कर अपने घर का पालन कर रहा था।रात्रि में बिना सेफ्टी के काम करते समय दो साथियों सहित टैंक में डूबने से तीन कर्मचारियों की मौत हो गई।जिसमें बरसाना निवासी अंकित भी शामिल था।कोफोर्ज नामक कंपनी में मेंटेनेंस विभाग में तीनों कार्यरत थे।सूचना मिलने के बाद फायर विभाग की मदद से तीनों को टैंक से बाहर निकाला गया।अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया गया।थाना इकोटक एडीसीपी अशोक कुमार शर्मा ने बताया कि कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज किया जा रहा है।प्रथम दृष्टया कम्पनी की लापरवाही सामने आई है।उसने कर्मचरियों को सुरक्षा उपकरण नहीं दिए गए थे।

ग्राम सभा कर ढाब कला आंगनबाड़ी सेविका तथा सहायिका का किया गया चयन

आंगनबाड़ी ढाब कला केंद्र एक में हुआ चुनाव रेशमा सेविका व रिंकू बनी सहायिका

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता झारखंड

हरिहरगंज - प्रखंड अंतर्गत ढाब कला आंगनबाड़ी केंद्र 1 परिसर में ग्राम सभा का आयोजन कर मंगलवार को सेविका तथा सहायिका का चयन किया गया।हरिहरगंज बीडीओ सह बाल विकास परियोजना पदाधिकारी कुमार अरविंद बेदिया ने बताया कि संपन्न चुनाव में आंगनबाड़ी सेविका में अबल अभ्यर्थी रेशमा कुमारी तथा सहायिका में रिंकू कुमारी का चयन किया गया। उक्त आमसभा में सेविका पद के लिए 13 अभ्यार्थि तथा सहायिका के लिए 7 अभ्यर्थियों ने आवेदन दिया था। वरीयता सूची के आधार पर दोनों पदों के लिए चयन किया गया है। चयन के बाद दोनों अभ्यर्थियों को पदाधिकारी व पंचायत प्रतिनिधियों के हाथ औपबंधिक प्रमाण पत्र दिया गया। ग्राम सभा की अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख कमला देवी तथा संचालन पंचायत के मुखिया जितेंद्र पासवान ने किया। ग्राम सभा में आंगनवाड़ी महिला प्रवेशिका सुमित्रा कुमारी, एएनएम मिंटू कुमारी, प्रधानाध्यापिका प्रतिमा कुमारी, पंसस वासुदेव राम, पूर्व मुखिया सुनील भुईयां , विजय मेहता, अनिल पासवान, अरविंद मेहता, अनिल यादव, अनुसेवक पारसनाथ, अर्जुन राम, योगेश्वर मेहता, अर्जुन मेहता सहित काफी संख्या में महिला पुरुष ग्रामीण शामिल थे।

पर्यावरण के दुश्मनों ने डेढ़ दर्जन प्रतिबंधित आम,गूलर नीम के पेड़ों पर चलाया आरा

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर - जिले की तहसील सिधौली के सिधौली कोतवाली क्षेत्र में अवैध कटान का कारोबार धड़ल्ले से जारी है।जिस पर अंकुश लगाने में पुलिस, राजस्व विभाग सहित वन विभाग के अधिकारी नाकाम साबित हो रहे हैं।और बेखौफ वनमाफिया प्रतिबंधित पेड़ों पर बेहिचक आरा चलाकर कानून को खुलेआम चुनौती देकर पर्यवारण की धज्जियां उड़ा रहे हैं। वहीं सम्बन्धित अधिकारी मामले की जानकारी न होने की बात कहकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रहे हैं। गौरतलब हो कि कोतवाली इलाके के बलुया गांव निवासी प्रदीप सिंह पुत्र स्व .लालजी की बाग में लगे हरे भरे पेड़ों को बीते दिन बेखौफ वन माफिया नीरज व लाला द्वारा करीब डेढ़ दर्जन प्रतिबन्धित आम,गूलर नीम के हरे भरे पेड़ों को काटकर रातों रात लकड़ी गायब कर देने का मामला उजागर हुआ है।प्रतिबन्धित पेड़ों की कटान कैसे हुई यह तो सम्बन्धित अधिकारी ही बता सकते है।फिलहाल वन विभाग को जानकारी न होने की बात बता रहा है। प्रदेश सरकार जहां एक तरफ पर्यावरण को हरा-भरा रखने के लिए प्रतिवर्ष अरबों रुपए खर्च कर वृहद वृक्षारोपण अभियान चला रही है। हर वर्ष सरकार की तरफ से पौधारोपण करवाया जा रहा हैं।वहीं दूसरी तरफ उनके ही जिम्मेदार अहंलकार चंद पैसों के खातिर वन माफियाओं को संरक्षण देकर हरे भरे पेड़ों पर आरा चलवाकर पर्यावरण की धज्जियां उड़वाने में मशगुल नजर आ रहे हैं। सूत्रों की माने तो बिना विभागीय अधिकारियों की सांठगाठ से अवैध कटान करना सम्भव नहीं है। क्योंकि जहाँ किसान बिना अनुमति अपना एक पेड़ नहीं काट सकता है तो वही इतने सारे पेड़ कैसे कट गए विचारणीय है। बिना सांठ-गांठ के हरे भरे पेड़ों पर आरा चल पाना सम्भव ही नहीं है।कुल मिलाकर यहाँ पर प्रतिबंधित पेड़ो की कटान पर रोक लग पाना मुश्किल दिख रहा हैं। पुलिस विकेट पर मौजूद रहीं साथ में क्षेत्र में घुमती रहीं।दूसरे तरफ लकड़कट्टों ने डेढ़ दर्जन प्रतिबंधित पेड़ों का खत्मा कर दिया। सोचनीय अवश्य है।

जिले के कवि को सम्मानित किया गया अष्टावक्र सम्मान से

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर - जनपद के लब्ध प्रतिष्ठ कवि राष्ट्रीय मंत्री राष्ट्रीय कवि संगम साहित्य भूषण कमलेश मौर्य मृदु को लखनऊ में सम्मानित किया गया।फखरुद्दीन अली अहमद कमेटी उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से विकलांग साथी ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित कवि सम्मेलन मुशायरा व सम्मान समारोह के अवसर पर उन्हें 卐 अष्टावक्र सम्मान卐 प्रदान किया गया। उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान के प्रेमचंद सभागार में इस कार्यक्रम में दिव्यांग जन न्यायिक प्राधिकरण के उपायुक्त शैलेन्द्र सिंह सोनकर व विकलांग साथी ट्रस्ट के महामंत्री हुसैन रजा ने सम्मान स्वरुप अंगवस्त्र स्मृति चिन्ह व भगवान राम का भव्य चित्र प्रदान किया। इस अवसर दिव्यांग साथी ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु कांत मिश्र, सर्वोच्च न्यायालय के दिव्यांग अधिवक्ता राजू भाई व दिव्यांग जन हितैषी समाजसेवी नारायण दास प्रयागराज,शरवत खां व मोटीवेटर रिजवान मंसूरी,प्रवीण सिन्हा सुधा सिंह,कवयित्री बिंदु प्रभा, कवि मनोज मिश्र शीत,शायर रामप्रसाद बेखुद,रफीक नागोरी, जावेद अहमद, सगीर भारती सीतापुरी आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि आलोक सीतापुरी ने की व मंच संचालन मनोज कुमार गुप्ता कानपुरी ने किया। मृदु के सम्मानित होने पर नगर व जनपद की अनेक सामाजिक साहित्यिक व सांस्कृतिक संस्थाओं ने उन्हें बधाई देते हुए प्रसन्नता व्यक्त की है।

पुलिस ने अंतर्जनपदीय बाइक चोर को किया गिरफ्तार

चोरी की 7 मोटरसाइकिल बरामद

अमेठी। जनपद में अपराधियों के खिलाफ चलाये जा रहे धड़ पकड़ अभियान में पुलिस को बड़ी सफलता मिली जहाँ चेकिंग के दौरान पुलिस ने अंतर्जनपदीय बाइक चोर को गिरफ्तार किया।चोर की निशानदेही पर एक बंद फैक्ट्री के अंदर से पुलिस ने चोरी की 7 मोटरसाइकिलो को बरामद किया।पुलिस के हत्थे चढ़े बाइक चोर अनूप तिवारी उर्फ पिंटू पर गैंगेस्टर समेत आधा दर्जन गंभीर आपराधिक मामले दर्ज है।एसपी आफिस सभागार में एसपी अनूप सिंह ने मामले का खुलासा किया।पूरा मामला गौरीगंज थाना क्षेत्र के टिकरिया सीमेंट फैक्ट्री के पास का है जहाँ सोमवार सुबह गौरीगंज पुलिस और एसओजी टीम संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की तलाश कर रही थी इसी बीच पास में मौजूद एक बंद फैक्ट्री से बाइक सवार एक युवक आता दिखाई पड़ा।पुलिस ने जब उसे रोककर बाइक के बारे में पूछताछ की तो बाइक चोरी की निकली जिसके बाद कड़ाई से पूछताछ करने पर अभियुक्त ने पुलिस को बंद पड़ी फैक्ट्री के अंदर ले जाकर दिखाया तो वहां पहले से ही चोरी की 6 मोटरसाइकिले खड़ी थी।पुलिस के हत्थे चढ़ा अपराधी अनूप तिवारी माधोपुर गांव का रहने वाला है जिस पर गैंगेस्टर और आर्म्स एक्ट समेत कई अन्य मामलों में 6 गंभीर आपराधिक मामले दर्ज है।पूछताछ में अभियुक्त अनूप तिवारी ने बताया कि इन सभी गाड़ियों को जिले के अलग अलग इलाकों से चुराया गया था और देर रात ग्राहक की तलाश में निकला था।ग्राहक मिलने के बाद इन गाड़ियों को आने पौने दामों पर बेच दिया जाता था।बरामद बाइको में दो बाइक रायबरेली और दो बाइक प्रतापगढ़ जिले से चोरी की गई थी जिसकी पहचान पुलिस ने कर ली है।बाकी बाइकों की पहचान के लिए पुलिस प्रयास कर रही है। वहीं गिरफ्तार करने वाली टीम में गौरीगंज थाने के उप निरीक्षक महेंद्र सरोज,स्वाट टीम प्रभारी अनूप सिंह,हेड कांस्टेबल प्रवीण कुमार,कांस्टेबल मिथिलेश यादव,कांस्टेबल आलोक सिंह स्वाट टीम,कांस्टेबल मतलूब अहमद स्वाट टीम,कांस्टेबल मनीष यादव स्वाट टीम,कांस्टेबल शिवराम स्वाट टीम,कांस्टेबल जयसिंह स्वाट टीम,कांस्टेबल बृजेश सर्विलांस और कांस्टेबल कपिल सिंह सर्विलांस टीम शामिल रहे।

19 जून से लेकर 26 जून तक मादक पदार्थ के विरुद्ध व्यापक स्तर पर अभियान जारी

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता मोहम्मद इब्राहिम

पश्चिमी सिंहभूम - जिले में 19 जून से लेकर 26 जून तक मादक पदार्थ के विरुद्ध व्यापक स्तर पर अभियान जारी है। जिला प्रशासन के द्वारा लगातार विभिन्न माध्यमों से आम- नागरिकों को मादक पदार्थ का प्रयोग न करने और उससे बचने के विषय में जागरूक किया जा रहा है। उसी के परिपेक्ष में आज सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय के तत्वाधान से चलत एलईडी वाहन और नुक्कड़ नाटक की मदद से जिले के विभिन्न शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में व्यापक प्रचार प्रसार किया जा रहा है, एलईडी वाहन के माध्यम से ऑडियो वीडियो के मदद से लोगों को मादक पदार्थ के दुष्ट परिणाम के बारे में बताया जा रहा है, साथ ही साथ नुक्कड़ नाटक की मदद से मादक पदार्थ का सेवन करने से कैसे एक खुशहाल परिवार बर्बादी की ओर चला जाता है उसे विषय में भी लोगों को जागरूक किया जा रहा है साथ ही साथ मौके पर जागरूकता से संबंधित पोस्टर और पम्पलेट का भी वितरण लोगों के बीच किया जा रहा है।

चार दिन बाद भी चोरी हुई कार का सुराग नहीं लगा सकी जुनावई पुलिस

संभल। जनपद जुनावई थाना क्षेत्र में चार दिन पूर्व कस्बे से हुई कार चोरी का पुलिस अभी तक कोई भी सुराग नहीं लगा पाई है। जबकि थाना पुलिस जल्दी ही चोरों को गिरफ्तार कर कार बरामद करने का दावा कर रही है। जुनावई थाना क्षेत्र के कस्बा जुनावई में बीते चार दिन पूर्व थाने से 5०० मीटर दूरी से शुक्रवार की रात्रि अज्ञात चोर मीडिया कर्मी के मकान से कार चोरी कर फरार हो गए थे।घटना के तीन दिन बीतने के बावजूद पुलिस के हाथ खाली हैं। थाना प्रभारी अनिल कुमार सिंह ने बताया कि चोरों की तलाश की जा रही है। कस्बे में लगातार बढ़ रही चोरियों से क्षेत्र के लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है। आपको बता दें कि स्थानीय अखबार के संवाददाता कुवंरपाल सिंह यादव की शुक्रवार रात्रि करीब 2-०० बजे अज्ञात चोर कार चोरी कर फरार हो गए थे। जिसकी सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची थी। वहीं पुलिस जल्दी ही कार बरामद करने का दावा कर रही है ।जबकि कार चोरी कर ले जाते समय कार सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है।

राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए डॉ मुखर्जी का बलिदान अमर रहेगा: डॉ नरेंद्र सिंह गौर

भाजपा ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 71वें बलिदान दिवस पर दी श्रद्धांजलि

प्रयागराज, (संवाददाता)। देश की एकता, अखंडता और स्वाभिमान के लिए आजीवन संघर्ष करने वाले जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान अमर रहेगा। डॉ मुखर्जी 'एक निशान, एक विधान, एक प्रधान' का नारा देकर जम्मू-कश्मीर को देश का अभिन्न अंग बनाने के संघर्ष में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। यह बातें मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ नरेंद्र कुमार सिंह गौर ने भारतीय जनता पार्टी महानगर द्वारा सिविल लाइन कार्यालय में स्वतंत्र भारत के प्रथम क्रांतिकारी डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 71वें बलिदान दिवस पर संगोष्ठी में कही। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल को भारत का हिस्सा बनाए रखने की वैचारिक व व्यावहारिक लड़ाई में डॉ मुखर्जी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संविधान सभा के सदस्य के रूप में उन्होंने भाषा व संस्कृति सम्बंधी परिवर्तनकारी सुझाव दिए। महापौर गणेश केसरवानी ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जनसंघ की स्थापना से देशवासियों को वैकल्पिक विचार दिया। भारतीय संस्कृति का यह नक्षत्र हमेशा दैदीप्यमान रहकर भावी पीढियों को राष्ट्र प्रथम के पथ पर दिशा दिखाता रहेगा। अध्यक्षता करते हुए महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कश्मीर से धारा 37० हटाकर डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों को साकार करने के लिए संघर्ष की एक नई ऊर्जा की उड़ान भरी है जो पाक अधिकृत कश्मीर प्राप्त करने तक जारी रहेगी। इस अवसर पर राजकीय इंटर कॉलेज के प्रवक्ता प्रभाकर ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अपना जीवन राष्ट्र के उत्कर्ष और वैभव को समर्पित कर दिया। भारत के सम्प्रभुता की रक्षा और शिक्षा जगत के लिए उनके द्वारा किए गए कार्य अविस्मरणीय है। उनका त्याग और समर्पण प्रत्येक भारतवासी में राष्ट्रपति की भावना और सर्वस्व समर्पण की प्रेरणा का सृजन करते रहेंगे। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री देवेश सिंह ने किया। कार्यक्रम संयोजक संजय श्रीवास्तव और सहसंयोजक दीप द्विवेदी व कुलदीप मिश्र रहे। इस अवसर पर कुंज बिहारी मिश्रा, शशि वार्ष्णेय राजेश केसरवानी, सचिन जायसवाल, अनुज कुशवाहा, विवेक मिश्रा, शिवा त्रिपाठी, सरोज गुप्ता, प्रशांत शुक्ला, राकेश भारती, राजेश गोंड, आशीष द्विवेदी, अंजनी सिंह एवं अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एयरपोर्ट से गांव तक थप्पड़ की गूंज

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता संजीव श्रीवास्तव

फिरोजाबाद - देशव्यापी थप्पड़कांड की गुंज का मामला अभी थंडा भी नही पडा था कि एक नया थप्पड़ कांड जिला फिरोजाबाद से उभरकर सामने आया है समानता दोनो मे यही प्रतीत हो रही है दोनो ही पक्षो ने मर्यादा की सीमा लांघने की कोशिश की जिसके प्रतिक्रिया स्वरुप घटना घटित हुई प्रथम घटना एक नवनिर्वाचित सांसद द्वारा दिये गये वक्तव्य से संबंधित है जिसके स्वरुप ड्युटी पर मौजूद कर्मी द्वारा गलत आचरण हुआ मौजूदा प्रकरण मे भी संबंधित अधिकारी द्वारा हाथ उठाने से दुसरे पक्ष द्वारा त्वरित गति से हाथ छोडने का विडियो विधुत गति से वायरल हो रहा है आरोपी को तत्काल पुलिसकर्मी द्वारा हिरासत मे लेने के वावजूद मुल प्रश्न अनुत्तरित है कया अधिकारियों को वादी को मारने का अधिकार है और अगर है तो प्रतिवादी किस रुप से संविधान मे वर्णित धारा 96 -1०7 आत्मरक्षा का अधिकार का प्रयोग कर सकता है अगले कांड से पहले इन दो घटनाओं की समीक्षा आवश्यक है

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी के दर्जनों हरे पेड़ों को दबंगों ने काटकर बेंचा

➲ थाना प्रभारी शंकरगढ़ कार्यवाही करने के बजाय उल्टा दवाब बनाते रहे ➲ नहीं मानने पर, विपक्षी से मांगा मुकदमा लिखने की तहरीर

प्रयागराज, (संवाददाता)। भाजपा के शासन काल में सक्रिय कार्यकर्ताओं में निराशा व्याप्त है। क्योंकि अब पुलिस अराजक तत्वों से मिलकर उन्हें ही परेशान कर रही है। जिसके शिकार आठ वर्षों से भाजपा में सक्रिय यमुनापार के मीडिया प्रभारी दिलीप चतुर्वेदी हैं। मामला है, थाना शंकरगढ़ पुलिस चौकी नारीबारी के झंझरा चौबे गांव निवासी भारतीय जनता पार्टी यमुनापार के जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी का। झंझरा पांडेय मोजरा स्थित तीन गाटों के खेतों के चारों तरफव बीचों-बीच खेत के मेड़ों पर दर्जनों हरे व महंगे पेड़ों को गांव के ही अरूण चतुर्वेदी व राजेन्द्र प्रसाद चतुर्वेदी आदि के साथ 5-6 अज्ञात व्यक्तियों ने दबंगई के साथ सभी पेड़ों को कटवा कर बेंच दिया। उसके बाद जेसीबी द्वारा दो लाठा खेत व सरकारी नालों के जमीन पर मिट्टी डलवाकर कब्जा कर मेड़ बांध लिया। इस बात की शिकायत भाजपा जिला मीडिया प्रभारी ने थाने पर चौकी प्रभारी नारीबारी अनुराग को मौखिक एवं लिखित रूप से 14 जून को दिया। जिस पर चौकी प्रभारी ने 9 दिनों तक कोई कार्रवाई नहीं किया। मीडिया प्रभारी ने बताया कि 21 जून को पुलिस अरूण चतुर्वेदी के घर पहुंची तो बाद में अरूण चतुर्वेदी पिता राजेंद्र प्रसाद व उसकी मां ने घंटों गालियां देते हुए अपने गुंडों व रिश्तेदारों से पूरे परिवार को कटवाकर फेकवाने की धमकी मेरे भाई को देने लगे। फिर नारीबारी चौकी में गुहार लगाई तो कोई कार्रवाई नहीं हुई। जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि जब शंकरगढ़ थाने गया और परिचय देते ही थाना प्रभारी ओम प्रकाश ने कहा नारीबारी जाओ और समझौता कर मामला खत्म करो, अन्यथा मुकदमों का ढेर लग जाएगा। विपक्षी को बुलाकर सामने किया और उसके द्वारा गलती मानने पर भी विरोधी से मेरे ही खिलाफ मुकदमा लिखने की तहरीर मांग कर इंस्पेक्टर धमकी देते रहे। दिलीप चतुर्वेदी ने बताया कि 2० वर्ष पत्रकारिता और 8 वर्ष भाजपा के मीडिया प्रभारी के दायित्व का निर्वहन करते हुए ऐसी पुलिस की कार्यशैली को आज तक नहीं देखा कि भाजपा का कार्यकर्ता बताते ही थाने में न्याय मांगने वाला भाजपा का कार्यकर्ता अपराधी बन जाए। उन्होंने कहा कि मुझ जैसे जिले के पदाधिकारी के साथ अगर ऐसा वर्ताव हो रहा है तो सामान्य कार्यकर्ता व आम नागरिकों के साथ क्या होता होगा, इससे अंदाजा लगाया जा सकता है। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी ने तहरीर देकर विधि सम्मत कार्यवाही करते हुए जान-माल के सुरक्षा की गुहार लगाई। पूरे मामले की जानकारी भाजपा जिलाध्यक्ष विनोद प्रजापति, जिला प्रभारी व काशी क्षेत्र महामंत्री सुशील त्रिपाठी व एसीपी बारा को देकर अवगत कराया है। उन्होंने कहा कि शंकरगढ़-नारीबारी पुलिस के अवैध वसूली राष्ट्रीय राजमार्ग 3० नारीबारी नो एंट्री में एंट्री, अवैध खनन, दर्जनों जेसीबी से अवैध कारोबार, अवैध वाहन संचालन व थाने चौकी जाने वाले भुक्तभोगियो के शोषण के प्रमाणों संग निष्पक्ष जांच एवं कार्यवाही की मांग शासन-प्रशासन व संगठन के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों से जल्द करूंगा। जिससे भाजपा कार्यकर्ताओं व आम जनमानस बिना अपराध के अपराधी ना बने। अपराधियों व गलत कार्यों को करने वाले के ऊपर विधिक कार्रवाई शासनादेश के तहत समय से हो सके।

जिलाधिकारी राकेश ने संवाद कक्ष में बाल श्रम उन्मूलन एवं किशोर श्रम निषेध राज्य कार्य योजना 2०17 के तहत समीक्षात्मक बैठक किया गया

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता कन्हैया कुमार सिंह

जमुई बिहार - जिलाधिकारी राकेश कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय के संवाद कक्ष में बाल श्रम उन्मूलन एवं किशोर श्रम निषेध तथा विनियमन हेतु राज्य कार्य योजना 2०17 के तहत समीक्षात्मक बैठक आहूत की गई द्य डीएम ने नामित कार्य योजना के तहत सभी संबंधित पदाधिकारियों को बिहार सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से बाल श्रमिकों एवं उनके अभिभावकों को अच्छादित करने तथा श्रम अधीक्षक को जिले में बाल श्रम उन्मूलन हेतु अधिक से अधिक धावादल चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि बाल श्रम समाज के लिए कोढ़ है। इससे जहां विकास की गति मंद होती है वहीं पहचान पर भी कालिख लग जाता है। डीएम ने विभागीय अधिकारियों को जिला का भ्रमण करने और बाल श्रम पर ज्यादा से ज्यादा अंकुश लगाने का निर्देश देते हुए कहा कि कार्य में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने बाल श्रम पर रोक लगाने के लिए निर्मित कानून का सहारा लिए जाने का निर्देश दिया। डीएम ने सरकार के कल्याणकारी योजनाओं से बाल श्रमिकों के साथ उनके अभिभावकों को आच्छादित करने का निर्देश देते हुए कहा कि बाल श्रम उन्मूलन जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। श्रम अधीक्षक , जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी विनोद कुमार सिंह समेत कई अधिकारी बैठक में उपस्थित थे।

बिजली विभाग की बड़ी लापरवाही भैंस की करंट लगने से मौत

➲ भैंस मालिक ने की मुआवजे की मांग

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता मैनपुरी

कुरावली/मैनपुरी - थाना क्षेत्र के गांव सहादतपुर में दिन सोमवार दोपहर 2-3० बजे पोल से लगी खींच द्वारा करंट उतरने से 8 महीने की ज्ञावन भैंस की करंट लगने से मौत हो गई । जबकि बड़ा हादसा होने से टल गया परिवार वालों ने बिजली विभाग की बड़ी लापरवाही बताई। और एसडीएम को प्रार्थना पत्र देकर सरकार से मुआवजे मांग भैंस मालिक ने की। हादसा सोमवार दोपहर 2-3० बजे हुआ ग्रामीणों के अनुसार दयाराम पुत्र सियाराम की भैंस अपने चबूतरे पर बंधी हुई थी तभी अचानक बारिश होने लगी बारिश होने की वजह से उनके द्वार पर पोल को रोकने के लिए एक लोहे खींच लगाई गई है ।उसी खींच में बिजली के पोल द्वारा करंट उतर आया। जिससे कि भैंस को करंट लग गया और भैंस मौके पर ही पछाड़ खाकर गिर गई जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। मौके पर मौजूद भीड़ ने बताया कि जैसे ही घर वालों ने चीख पुकार की तो मौके पर भीड़ इकट्ठी हो गई ग्रामीणों ने सूचना देने के लिए अवर अभियंता को कॉल की लेकिन उनका नंबर स्विच ऑफ निकला बाद में उन्होंने लोगों को सूचना देकर किसी तरह गांव की आपूर्ति बंद कराई । घर बालों ने बिजली विभाग पर लगाया लापरवाही का आरोप घर वालों ने आरोप लगाया कि बिजली विभाग की बड़ी लापरवाही है कई बार बिजली विभाग वालों को अवगत कराया कि इस खींच में करंट आ सकता है बारिश का मौसम चल रहा है इसे सही कर दो लेकिन आज की कल ,कल की आज होती रही और यह बड़ा हादसा हो गया।

अकेले में मिलो फिर करूंगा...

18 साल की उम्र में कास्टिंग काउच की शिकार, ईशा कोप्पिकर का छलका दर्द

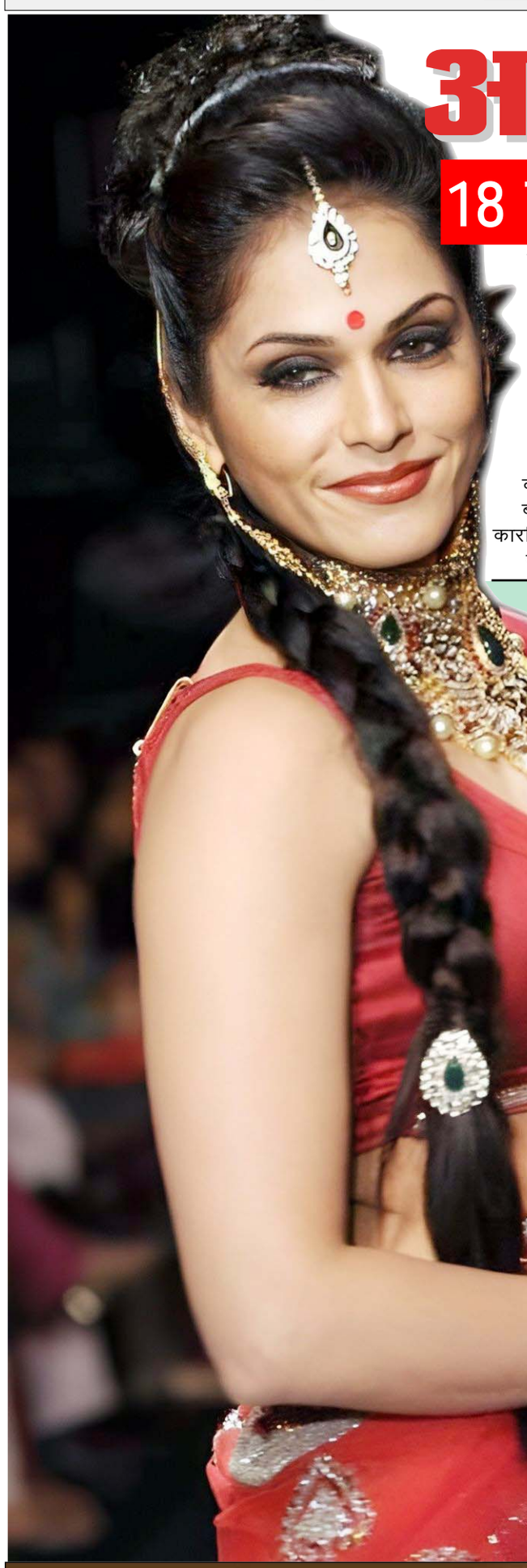

सिद्धार्थ कन्नन के साथ एक साक्षात्कार में, इंडस्ट्री में अपने शुरुआती दिनों के दौरान कास्टिंग काउच के अपने अनुभव पर चर्चा करते हुए ईशा की आंखें भर आईं। 卐यह कभी इस बारे में नहीं था कि आप क्या कर सकते हैं। ईशा कोप्पिकर कई साउथ फिल्मों में काम करने के बाद फिजा से बॉलीवुड में डेब्यू किया।

उन्होंने 18 साल की उम्र में एक भयावह कास्टिंग काउच अनुभव के बारे में खुलकर बात की है। डरना मना है, पिंजर, एलओसी कारगिल, कृष्णा कॉटेज और डॉन जैसी फिल्मों में अभिनय करने के अलावा, ईशा कांटे से 卐इश्क समुंदर卐 और कंपनी से 卐खल्लास卐 जैसे विशेष डांस नंबरों का हिस्सा थीं। सिद्धार्थ कन्नन के साथ एक साक्षात्कार में, इंडस्ट्री में अपने शुरुआती दिनों के दौरान कास्टिंग काउच के अपने अनुभव पर चर्चा करते हुए ईशा की आंखें भर आईं। 卐यह कभी इस बारे में नहीं था कि आप क्या कर सकते हैं। हीरो और एक्टर तय करते थे। आपने सस्न्नअश्श के बारे में सुना होगा, और अगर आपके पास मूल्य थे, तो यह बहुत मुश्किल था। मेरे समय में कई अभिनेत्रियों ने इंडस्ट्री छोड़ दी। या तो लड़कियों ने हार मान ली या उन्होंने हार मान ली। बहुत कम लोग हैं जो अभी भी इंडस्ट्री में हैं और हार नहीं मानी है, और मैं उनमें से एक हूं। इस अनुभव को याद करते हुए ईशा ने कहा, 卐मैं 18 साल की थी जब एक सेक्रेटरी और एक एक्टर ने कास्टिंग काउच के लिए मुझसे संपर्क किया। उन्होंने मुझसे कहा कि काम पाने के लिए, आपको एक्टर्स के साथ 'दोस्ताना' होना चाहिए। मैं बहुत दोस्ताना हूँ, लेकिन 'दोस्ताना' का क्या मतलब है? मैं इतनी दोस्ताना हूँ कि एकता कपूर ने एक बार मुझसे कहा था कि थोड़ा रवैया रखो।卐 ईशा कोप्पिकर ने एक घटना भी बताई जब एक ए–लिस्ट एक्टर ने उनसे अकेले मिलने के लिए कहा। 卐जब मैं 23 साल की थी, तो एक एक्टर ने मुझसे अकेले मिलने के लिए कहा, मेरे ड्राइवर या किसी और के बिना, क्योंकि उसके बारे में दूसरी अभिनेत्रियों के साथ संबंध होने की अफवाहें थीं। उसने कहा, 'मेरे बारे में पहले से ही विवाद हैं, और स्टाफ अफवाहें फैलाता है।' लेकिन मैंने मना कर दिया और उससे कहा कि मैं अकेली नहीं आ सकती। वह हिंदी फिल्म इंडस्ट्री का एक ए–लिस्ट एक्टर था।卐 ईशा ने उन दिनों को भी याद किया जब एक्टर्स और डायरेक्टर्स के सेक्रेटरी उन्हें 卐अनुचित तरीके से卐 छूते थे। उन्होंने कहा, वे आकर आपको अनुचित तरीके से नहीं छूते थे। वे आपका हाथ पकड़ते थे और गंदे तरीके से कहते थे, %हीरोज के साथ बहुत दोस्ती करनी पड़ेगी।

अमेजन प्राइम वीडियो की सबसे चर्चित वेब सीरीज 'मिर्जापुर 3' का ट्रेलर गुरुवार को मुंबई के बांद्रा इलाके में फाइव स्टार होटल में लॉन्च किया गया। इस बार मिर्जापुर की कुर्सी को लेकर बेहद खतरनाक लड़ाई देखने को मिलेगी। ट्रेलर की शुरुआत में ही गुड्डू पंडित त्रिपाठी चौक पर लगी कालीन भैया की मूर्ति तोड़ते हुए दिखते हैं और डायलॉग बोलते हुए कहते है, 'लोगों को बताने का, कालीन भैया गॉन और गुड्डू पंडित ऑन।' पिछले सीजन की तरह, इस बार भी सीरीज में हत्या और खून खराबा देखने को मिलेगा। शो में श्वेता त्रिपाठी शर्मा, रसिका दुग्गल, विजय वर्मा, ईशा तलवार, अंजुम शर्मा, प्रियांशु पेनयुली, हर्षिता शेखर गौर, राजेश तैलंग, शीबा चड्ढा, मेघना मलिक और मनु ऋषि चड्ढा लीड रोल में हैं। मिर्जापुर के सिंहासन के लिए कालीन भैया और गुड्डू पंडित की टक्कर साफदेखने को मिलेगी। पिछले सीजन में बड़ा कांड करने के चलते इस सीजन में गुड्डू के दुश्मनों की संख्या बढ़ गई है। अब उनके पीछे कालीन भैया की फौज है। लेकिन यहां पर ट्विस्ट यह है कि कालीन भैया की बीवी गुड्डू के साथ है। ट्रेलर में वह कहती नजर आ रही हैं– 'गुड्डू पंडित को कोई चौलेंज नहीं कर सकता, ये मेसेज पूरे पूर्वांचल में गूंजना चाहिए।' इनके अलावा, गोलू गुप्ता का किरदार निभा रही श्वेता त्रिपाठी इस बार लेडी डॉन के तौर पर सामने आएंगी।

वह कुछ बड़ा करने की प्लानिंग में है। ट्रेलर के आखिर में पंकज त्रिपाठी कुछ सेकंड के लिए नजर आते हैं और कहते हुए सुनाई देते हैं, 'ये गद्दी ये परंपरा बाउजी और हमने बनाई थी। अब वो करवाएंगे जो पूर्वांचल के इतिहास में आज तक नहीं हुआ।' बता दें कि सीरीज में पंकज त्रिपाठी का किरदार कालीन भैया मिर्जापुर के किंग हैं। वह अपना सिंहासन बेटे मुन्ना को दे रहे थे, लेकिन मुन्ना की अब मौत हो चुकी है। ऐसे में इस पर हर कोई आंखें गड़ाए बैठा है। इस सीजन में देखना मजेदार होगा कि आखिर सत्ता किसके हाथ में होती है? डायरेक्ट गुरमीत सिंह ने कहा, 卐'मिर्जापुर' के पहले दो सीजन देश में स्ट्रीमिंग स्पेस में क्राइम थ्रिलर जॉनर के लिए गेम चेंजर साबित हुए। 'मिर्जापुर 3' के साथ हम इस नैरेटिव को एक नए स्तर पर ले जाने की कोशिश कर रहे हैं। इसमें हर एक किरदार के जीवन के नए पहलुओं पर ध्यान दिया गया है। हम इस सीजन को लेकर बेहद एक्साइटेड हैं। दर्शक मिर्जापुर के सिंहासन के लिए होने वाले संघर्ष को देखें।卐 एक्सेल मीडिया एंड एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित और गुरमीत सिंह और आनंद अय्यर द्वारा निर्देशित यह सीरीज 5 जुलाई से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होने वाली है।

अपनी जिंदगी के कई साल बॉलीवुड को देने वाली फरीदा जलाल पिछले कुछ समय से खबरों में बनी हुई हैं। वह राजेश खन्ना से लेकर अमिताभ बच्चन तक की अनसुनी बातें बताती रहती हैं। कुछ कुछ होता है, कभी खुशी कभी गम जैसी बड़ी फिल्मों में अहम रोल निभा चुकी एक्ट्रेस ने करण जौहर को लेकर बेहद बड़ी बात कही है। उनका कहना है कि फिल्म निर्माता की वफादारी बड़ी तेजी से बदलती है। चलिए जानते हैं क्यों कहा उन्होंने ऐसा दिग्गज अभिनेत्री फरीदा जलाल को हाल ही में संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी द डायमंड बाजार में देखा गया। उन्होंने सीरीज में ताजदार बलूच की दादी कुदसिया बेगम की भूमिका निभाई है, जिसे बेहद पसंद किया गया है। इसके बाद से ही उन्होंने अपने दशकों के करियर को लेकर कई बातें की हैं। उन्होंने बॉलीवुड बबल से करण जौहर द्वारा उन्हें अपनी फिल्मों में न लिए जाने के बारे में खुलकर बात की। फरीदा जलाल ने करण पर बहुत जल्दी अपनी वफादारी बदलने का आरोप लगाया और याद किया कि उनके पिता, निर्माता यश जौहर उन्हें फोन करके कहते थे कि फिल्म निर्माता नायक की भूमिका तय करने से पहले ही उनके लिए भूमिकाएं लिख देते थे। वह कहती हैं–पहले के दिनों में, करण जौहर... मुझे नहीं पता कि आजकल वे कैसे हैं, ये लोग बहुत तेजी से अपनी वफादारी बदल लेते हैं। आजकल उनकी फिल्मों में मेरे लिए कोई भूमिका नहीं है। अभिनेत्री ने कहा–एक समय था जब वे मेरे बिना कोई फिल्म नहीं बनाते थे। उनके पिता, यश जौहर, मेरे पसंदीदा निर्माताओं में से एक थे। क्या आदमी, क्या रत्न! वे मुझे फोन करके कहते थे, देखो फरीदा, हीरो का रोल तो बाद में लिख जाता है, आपका रोल पहले लिख जाता है,। इससे पहले इंडिया टुडे को दिए गए एक इंटरव्यू में फरीदा जलाल ने कहा था कि करण जौहर और यश चोपड़ा की वजह से उनका दिल बहुत दुखा है, दोनों ने अपना प्रॉमिस तोड़ा था। 75 वर्षीय अभिनेत्री ने खुलासा किया कि जब यश चोपड़ा ने उन्हें अपनी अगली फिल्मों में कास्ट नहीं किया, तो उन्हें बहुत दुख हुआ था, जबकि उन्होंने शुरुआत में उनसे ऐसा करने का वादा किया था। फरीदा जलाल ने कहा कि वह दिल तो पागल है में एक छोटा सा किरदार करने के लिए केवल यश चोपड़ा के वादे के कारण सहमत हुई थीं।

टेनिस स्टार सानिया मिर्जा अपने बेटे इज़हान के साथ अपनी ज़िंदगी का सबसे अच्छा समय बिता रही हैं और दोनों को अक्सर साथ में क्वालिटी टाइम बिताते हुए देखा जाता है। पाकिस्तानी क्रिकेट स्टार शोएब मलिक से अलग होने के बाद सानिया लाइमलाइट में हैं। टेनिस स्टार सानिया मिर्जा अपने बेटे इज़हान के साथ अपनी ज़िंदगी का सबसे अच्छा समय बिता रही हैं और दोनों को अक्सर साथ में क्वालिटी टाइम बिताते हुए देखा जाता है। पाकिस्तानी क्रिकेट स्टार शोएब मलिक से अलग होने के बाद सानिया लाइमलाइट में हैं। सानिया और शोएब की निजी ज़िंदगी पिछले कुछ महीनों से काफ़ी चर्चा में है। उनके अलग होने के बाद सोशल मीडिया पर सानिया के भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद शमी से शादी करने की अफ़वाहें फैल रही थीं।अफ़वाहें जंगल में आग की तरह फैल गईं क्योंकि दोनों एथलीट पहले ही तलाक ले चुके हैं और अभी सिंगल हैं। मोहम्मद शमी अपनी पत्नी हसीन जहां से अलग हो चुके हैं। हालांकि, सानिया के पिता इमरान मिर्जा ने अब इन अटकलों को खारिज़ किया है और इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।सानिया मिर्जा के पिता ने उनकी दूसरी शादी पर अपनी प्रतिक्रिया दी सानिया मिर्जा के पिता इमरान मिर्जा ने अपनी बेटी की मोहम्मद शमी से शादी की अफ़वाहों पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा कि यह सब बकवास है और सानिया उनसे मिली भी नहीं हैं। कुछ महीने पहले, सानिया और मोहम्मद शमी दोनों के प्रशंसकों को उनकी शादी का विचार आकर्षक लगा। उन्होंने उन्हें एक आदर्श जोड़ी भी कहा और कुछ नेटिज़न्स ने दोनों की एक साथ मॉर्फ़ की गई तस्वीरें भी बनाईं जो पूरे इंटरनेट पर प्रसारित हुईं। सानिया मिर्ज़ा और मोहम्मद शमी पर एक नज़र सानिया ने एक बयान जारी कर घोषणा की थी कि उन्होंने शोएब से तलाक ले लिया है और कहा कि उन्होंने हमेशा अपनी निजी ज़िंदगी को निजी रखा है। बयान में शोएब के भविष्य के प्रयासों के लिए सानिया की शुभकामनाएँ भी दी गई हैं। सानिया ने सालों पहले टेनिस से संन्यास की घोषणा की थी, लेकिन अंतरराष्ट्रीय खेलों में भाग लेना जारी रखा है। जबकि शोएब सबा जावेद से खुशहाल शादीशुदा हैं। हाल ही में, सानिया ने तलाक के बाद अपने घर की एक नई नेमप्लेट शेयर की और उस पर लिखा था, %सानिया और इज़हान%।

रोहित ने तोड़ा गेल का रिकॉर्ड

बने सर्वाधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाज, लगाई सबसे तेज फिफ्टी

ग्रॉस आईलेट। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रोहित ने रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी। 92 रनों की पारी खेलकर वह टी20 विश्व कप में भारत के लिए सबसे बड़ी पारी खेलने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए। इस लिस्ट में शीर्ष पर सुरेश रैना हैं, जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2010 में 101 रनों की तूफानी पारी खेली थी। सुपर–8 के अपने आखिरी मैच में भारत का ऑस्ट्रेलिया से सामना हो रहा है। भारतीय टीम इस मैच में जीत हासिल कर सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करने का उद्देश्य लेकर उतरी है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के लिए यह मैच करो या मरो की स्थिति वाला है। अगर इस मैच में उन्हें शिकस्त मिलती है तो उन्हें अफगानिस्तान बनाम बांग्लादेश मैच के परिणाम पर निर्भर रहना होगा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी इस मैच में रोहित शर्मा का बल्ला जमकर गरजा। उन्होंने 92 रनों की तूफानी पारी खेली। टी20 विश्व कप में यह उनके बल्ले से निकली सबसे बड़ी पारी है। इससे पहले 2010 में उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 79 रनों की नाबाद पारी खेली थी। किसी टीम के खिलाफ सर्वाधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने रोहित डैरन सैमी राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे मुकाबले में भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज ने दमदार प्रदर्शन किया । उन्होंने वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अब उनके नाम एक टीम के खिलाफ 132 छक्के दर्ज हो गए हैं। वहीं, गेल ने इंग्लैंड के खिलाफ 130 छक्के लगाए थे। तीसरे नंबर पर भी रोहित शर्मा ही हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ 88 छक्के लगाए हैं। रोहित ने तोड़ा युवराज का रिकॉर्ड भारतीय कप्तान इस मैच में जबरदस्त फॉर्म में नजर आए। उन्होंने युवराज सिंह का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। टी20 विश्व कप में युवराज ने इंग्लैंड के खिलाफ 2007 में सात छक्के लगाए थे। वहीं, रोहित ने आठ छक्के लगाकर उनका रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इसके अलावा रोहित टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत के लिए गेंदों के हिसाब से सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले पांचवें बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने 19 गेंदों में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना अर्धशतक पूरा किया है। वहीं, इस लिस्ट में शीर्ष पर पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी युवराज सिंह हैं। उन्होंने 2007 में इंग्लैंड के खिलाफ 12 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया था। छक्कों का दोहरा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने इस मैच में 37 वर्षीय बल्लेबाज ने 41 गेंदों में 92 रनों की तूफानी पारी खेली। इस दौरान उनके बल्ले से 224.39 के स्ट्राइक रेट से सात चौके और आठ छक्के निकले। दिलचस्प बात यह है कि रोहित शर्मा टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में छक्कों का दोहरा शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए। उनके नाम अब 203 छक्के दर्ज हो गए हैं। दूसरे नंबर पर मार्टिन गुप्टिल हैं जिन्होंने 173 छक्के लगाए। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर के नाम टी20 विश्व कप में 137 छक्के दर्ज हैं। मैक्सवेल इस लिस्ट में चौथे और निकोलस पूरन पांचवें पायदान पर हैं। दोनों ने क्रमशरू 133 और 132 छक्के लगाए हैं। भारत के लिए टी20 विश्व कप में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले दूसरे बल्लेबाज बने रोहित ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रोहित ने रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी। 92 रनों की पारी खेलकर वह टी20 विश्व कप में भारत के लिए सबसे बड़ी पारी खेलने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए। इस लिस्ट में शीर्ष पर सुरेश रैना हैं, जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2010 में 101 रनों की तूफानी पारी खेली थी। तीसरे स्थान पर विराट कोहली हैं जिन्होंने 2016 में वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 89 रन बनाए थे। चौथे और पांचवें पायदान पर भी कोहली ही हैं। उन्होंने 2022 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 82′ और पाकिस्तान के खिलाफ 82′ रनों की तूफानी पारी खेली थी।

भारत को तीरंदाजी में ओलंपिक कोटा, दीपिका और तरूणदीप चौथी बार खेलेंगे

पेरिस में सभी पांच पदक स्पर्धाओं (पुरुष और महिला टीम, व्यक्तिगत और मिश्रित श्रेणियों) में प्रतिस्पर्धा करने का पात्र होगा। भारत ने पुरुष और महिला दोनों वर्गों में क्वालिफिक्केशन हासिल करने में नाकाम रहे देशों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर टीम कोटा पक्का किया।

पिछले 12 साल में पहली बार भारत ओलंपिक में पूरा छह सदस्यीय दल भेजेगा जो पेरिस ओलंपिक में सभी पांच वर्गों में भाग ले सकेगा। भारत ने सोमवार को विश्व तीरंदाजी की नवीनतम रैंकिंग के आधार पर पेरिस ओलंपिक के लिए तीरंदाजी में पुरुष और महिला टीम कोटा हासिल कर लिया। भारत इस तरह से पेरिस में सभी पांच पदक स्पर्धाओं (पुरुष और महिला टीम, व्यक्तिगत और मिश्रित श्रेणियों) में प्रतिस्पर्धा करने का पात्र होगा। भारत ने पुरुष और महिला दोनों वर्गों में क्वालिफिक्केशन हासिल करने में नाकाम रहे देशों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर टीम कोटा पक्का किया। पिछली बार भारत ने लंदन ओलंपिक 2012 में छह सदस्यीय तीरंदाजी टीम भेजी थी जिसने चार वर्गों में भाग लिया। मिश्रित टीम स्पर्धायें तोक्यो ओलंपिक से ही शुरू हुई है। भारत ने तीरंदाजी में कभी ओलंपिक पदक नहीं जीता है। पुरुष वर्ग में रैंकिंग के आधार पर भारत और चीन ने कोटा हासिल किया, जबकि महिला वर्ग में भारत के अलावा इंडोनेशिया कोटा हासिल करने वाला दूसरा देश रहा। ओलंपिक में 12 देश टीम स्पर्धाओं में चुनौती पेश करेंगे जबकि मिश्रित प्रतियोगिताओं में पांच टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी। यह पहली बार है जब तीन चरण के ओलंपिक क्वालीफायर के बाहर रहने वाले शीर्ष दो देशों को टीम कोटा प्रदान किया गया है। अनुभवी तीरंदाज तरूणदीप रॉय और दीपिका कुमारी रिकॉर्ड चौथी बार ओलंपिक में चुनौती पेश करेंगे। सेना के 40 साल के दिग्गज तरूणदीप ने 2004 में एथेंस ओलंपिक में पहली बार देश का प्रतिनिधित्व किया था। जबकि दीपिका का यह लगातार चौथा ओलंपिक होगा। उन्होंने 2012 में लंदन में पहली बार ओलंपिक खेलों में हिस्सा लिया था। धीरज बोम्मदेवरा, अंकिता भकत और भजन कौर ओलंपिक में पदार्पण करेंगे, जबकि प्रवीण जाधव का तोक्यो के बाद यह लगातार दूसरा ओलंपिक खेल होगा। भारतीय टीमरू पुरुषरू तरुणदीप राय, धीरज बोम्मदेवरा और प्रवीण जाधव। महिलारू दीपिका कुमारी, भजन कौरऔर अंकिता भकत। कोच रू बाएक वूंगकी, पूर्णिमा महतो और सोनम शेरिंग भूटिया।

श्रीलंका के खेलमंत्री ने कहा, नाइट क्लब जाने से टी20 विश्व कप से बाहर नहीं हुई टीम

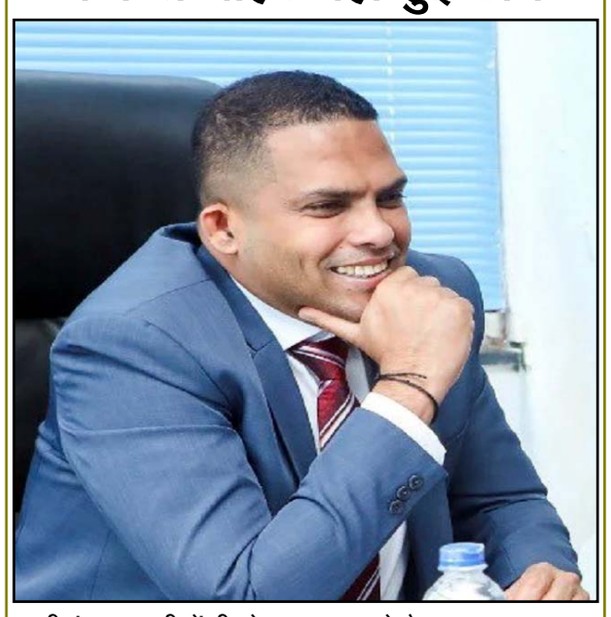

श्रीलंका ग्रुप डी में तीसरे स्थान पर रहने के बाद सुपर आठ चरण में नहीं पहुंच सकी। टीम बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका से हार गई जबकि नेपाल के खिलाफ मैच बारिश की भेंट हो गया। उसने एकमात्र जीत नीदरलैंड के खिलाफ दर्ज की।

कोलंबो। श्रीलंका के खेलमंत्री हारिन फर्नांडो ने सोमवार को आलोचकों से कहा कि वे साबित करके दिखायें कि श्रीलंकाई क्रिकेट टीम कथित तौर पर नाइट क्लब जाने के कारण टी20 विश्व कप से जल्दी बाहर हो गई। श्रीलंका ग्रुप डी में तीसरे स्थान पर रहने के बाद सुपर आठ चरण में नहीं पहुंच सकी। टीम बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका से हार गई जबकि नेपाल के खिलाफ मैच बारिश की भेंट हो गया। उसने एकमात्र जीत नीदरलैंड के खिलाफ दर्ज की। फर्नांडो ने कहा ,'' मैं उन्हें (आलोचकों को) चुनौती देता हूं कि वे इसे साबित करे। अगर वे ऐसा कर सके तो मैं पद से इस्तीफा दे दूंगा।'' ऐसा आरोप लगाया जा रहा है कि देर रात तक नाइट क्लब में रहने के कारण टीम अभ्यास सत्र में देर से पहुंची थी। फर्नांडो नवंबर 2023 में रोशन रणसिंघे की जगह खेलमंत्री बने थे।

हार्दिक और कुलदीप के कहर से बांग्लादेश ध्वस्त, भारत शान से सेमीफाइनल में

नार्थ साउंड। आलराउंडर हार्दिक पांड्या (नाबाद 50 और 32 रन पर एक विकेट) के बेहतरीन हरफनमौला प्रदर्शन और चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव (19 रन पर तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी से भारत ने बांग्लादेश को टी 20 विश्व कप के अपने दूसरे सुपर आठ मुकाबले में शनिवार को 50 रन से रौंद कर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। भारत ने पांच विकेट पर 196 रन का मजबूत स्कोर बनाने के बाद बांग्लादेश को आठ विकेट पर 146 रन पर थाम लिया और सेमीफाइनल में प्रवेश करने वाली पहली टीम बन गयी। भारत का सुपर आठ में आखिरी मुकाबला सोमवार को ऑस्ट्रेलिया से होगा। भारत की टूर्नामेंट में यह पांचवीं जीत है। उसका कनाडा के खिलाफ आखिरी ग्रुप मैच बारिश के कारण रद्द रहा था। भारत की बांग्लादेश के खिलाफ 14 टी20 मैचों में यह 13वीं जीत है जबकि उसने टी20 विश्व कप में सभी पांच मैच जीते हैं। इस मैच में सभी खिलाड़ियों से योगदान देखने को मिला। हालांकि हार्दिक और कुलदीप ने सबसे अधिक प्रभावित किया। बांग्लादेश के कप्तान ने टॉस के दौरान ही बोला था कि 150–160 इस विकेट पर अच्छा स्कोर होगा। लेकिन हार्दिक ने पहले तेज अर्धशतक लगाया और गेंदबाजी में कुलदीप ने बांग्लादेश को वापसी नहीं करने दी। जडेजा और अक्षर को छोड़कर भारत के सभी गेंदबाजों को विकेट मिला। भारत ने विशाल स्कोर बनाने के बाद बांग्लादेश को मुकाबले में एक बार भी खुलकर खेलने नहीं दिया। पहले 10 ओवर तक बांग्लादेश का स्कोर दो विकेट पर 67 रन था लेकिन इसके बाद वे लगातार विकेट गंवाते रहे और रन रेट लगातार बढ़ता रहा। कुलदीप ने तंजीद हसन, मो. तौहीद हृदोय और शाकिब अल हसन के विकेट झटके । जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह ने दो–दो विकेट लिए जबकि हार्दिक के हिस्से में एक विकेट आया। इससे पहले भारत ने टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए आक्रामक शुरुआत की थी लेकिन बीच में तंजीम साकिब ने एक ही ओवर में विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव को आउट कर भारत की रफ्तार को धीमा जरूर किया।

मजदूर एकता जिन्दाबाद ! भारतीय जनता – जिन्दाबाद !! जय जवान, जय किसान !!!

राष्ट्रीय तीसरा विकल्प पार्टी

(गरीबों, मजदूरों, किसानों, शोषितों के लिए गठित दल)

राष्ट्रीय मुख्यालय : न्यू गड़ौरा, बेहसा, शहीदपथ, कानपुर रोड, लखनऊ

मा. सुरेन्द्र शर्मा
''संस्थापक/राष्ट्रीय अध्यक्ष''

श्री हिमांशू त्रिपाठी
''राष्ट्रीय उपाध्यक्ष'' (एडवोकेट)

श्री भरत व्यास गौतम
''राष्ट्रीय महासचिव''

श्री रजनीश कुमार
''राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष''

भारतीय मजदूर किसान संगठन (राष्ट्रवादी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने गांव–गांव जाकर अपनी जनता का हाल देखा और जाना कि कैसे अन्य पुराने राजनैतिक दलों ने 75 वर्षों से लोगों का शोषण किया है? आज गरीब मजदूर किसान नर्कीय जीवन जीने को मजबूर है। मोदी सरकार ने लोगों को आवास व शौचालय दिये परन्तु अनियंत्रित अधिकारियों ने प्रधानों ने जमकर लूट करी, जिससे सुविधायें उचित जगह तक नहीं पहुँच पायीं । उदासीन सरकार के कारण जनता त्रस्त है व त्राहि–त्राहि कर रही है। गरीबों, मजदूरों, किसानों, छात्रों व महिलाओं के विकास के लिए राष्ट्रीय तीसरा विकल्प अति आवश्यक होगा ।

SPORTS न्यूज़

उरुग्वे ने कोपा अमेरिका कप में पनामा पर 3-1 की जीत से अपना अभियान शुरू किया

मियामी गार्डन्स। उरुग्वे ने कोपा अमेरिका कप फुटबॉल का खिताब रिकॉर्ड 16वीं बार जीतने के लक्ष्य के साथ अपने अभियान की शुरुआत ग्रुप सी में पनामा पर 3–1 की जीत के साथ की। उरुग्वे की टीम इस मैच में देश के लिए सबसे ज्यादा गोल करने वाले दिग्गज लुइस सुआरेज के बिना मैदान में उतरी थी। मैक्सिमिलियानो अराउजो ने 16वें मिनट में उरुग्वे का खाता खोला जबकि डार्विन नुनेज (85वें मिनट) और मैटियास विना (901 मिनट) ने आखिरी पलों में छह मिनट के अंदर दो गोल टीम की जीत को पक्का कर दिया। इस पूरे मैच में उरुग्वे का दबदबा रहे जो 20 बार पनामा की रक्षापंक्ति को भेदने में सफल रहा। इसमें से उसके सात प्रयास निशाने पर रहे और तीन गोल में बदले। पनामा के लिए अमीर मुरिलो ने स्टॉपेज समय (904 मिनट) ने गोल कर हार के अंतर को कम किया। ग्रुप सी के एक अन्य मैच में अमेरिका ने बोलीविया को 2–0 से हराया। उरुग्वे अब गुरुवार को न्यूजर्सी में बोलीविया का सामना करेगा जबकि इसी दिन अमेरिका के सामने पनामा की चुनौती होगी।

भारतीय डीपटेक स्टार्टअप की संख्या 2023 में बढ़ी, वित्तपोषण में 77: गिरावट: नैसकॉम

नयी दिल्ली। भारत में 2023 में 'डीपटेक स्टार्टअप में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। एक रिपोर्ट के अनुसार, इनमें 480 नए उद्यम उभरे, जिससे यह विश्वस्तर पर तीसरा सबसे बड़ा पूल बन गया है। हालांकि, प्रौद्योगिकी उद्योग निकाय नैसकॉम और वैश्विक परामर्श कंपनी जिनोव की रिपोर्ट ने वित्तपोषण में गिरावट की चिंताजनक प्रवृत्ति को उजागर किया है, जो इन स्टार्टअप के लिए एक बड़ी चुनौती है। रिपोर्ट में कहा गया, भारत में वर्तमान में 3,600 से अधिक डीपटेक स्टार्टअप हैं, जिनमें से 480 पिछले साल ही स्थापित किए गए। यह संख्या 2022 में स्थापित डीपटेक स्टार्टअप की संख्या से लगभग दोगुना अधिक है। हालांकि, भारत की डीपटेक संभावनाएं वित्तपोषण की कमी के कारण अवरुद्ध हैं। इसमें कहा गया, कुछ अन्य प्रमुख डीपटेक पारिस्थितिकी तंत्र में स्टार्टअप की तुलना में भारतीय डीपटेक स्टार्टअप को हर चरण में औसत निवेश का एक अंश ही प्राप्त होता है। वित्तपोषण की यह कमी कुछ होनहार डीपटेक स्टार्टअप के आगे बढ़ने की क्षमता को सीमित करती है। इससे वैश्विक डीपटेक दौड़ में प्रतिस्पर्धा करने की भारत की क्षमता में बाधा उत्पन्न होती है। भारतीय डीपटेक स्टार्टअप ने पिछले पांच साल में लगभग 10 अरब डॉलर जुटाए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में ही कुल 85 करोड़ डॉलर जुटाए गए। यह 2022 में जुटाए गए 3.7 अरब डॉलर की तुलना में 77 प्रतिशत कम है। इस बीच, 2023 में सौदों की संख्या 2022 की तुलना में 25 प्रतिशत घट गई।

पैट कमिंस ने रचा इतिहास, टी20 वर्ल्ड कप में ली दूसरी हैट्रिक

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में हैट्रिक लेते तो आपने कई गेंदबाजों को देखा है. लेकिन, बैक टू बैक हैट्रिक लेने वाले पैट कमिंस इकलौते हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर–8 में बांग्लादेश के खिलाफ खेले पहले मैच में हैट्रिक लेने के बाद ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज पैट कमिंस ने अब अफगानिस्तान के खिलाफभी अपनी हैट्रिक पूरी की है। ये पैट कमिंस के अ20 करियर की दूसरी हैट्रिक होने के साथ टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास की 8वीं हैट्रिक भी है। पैट कमिंस के हैट्रिक लेने का तरीका भी दोनों मैचों में एक सा रहा। बांग्लादेश के खिलाफभी उन्होंने दो ओवरों में अपनी हैट्रिक पूरी की थी और अफगानिस्तान के खिलाफभी वैसा ही देखने को मिला। बांग्लादेश के खिलाफभी उन्होंने हैट्रिक लेने का जो काम 18वें ओवर में शुरू और 20वें ओवर में पूरा किया था। ठीक वैसे ही अफगानिस्तान के खिलाफ भी किया। यहां भी उन्होंने 18वें ओवर में हैट्रिक का जो का शुरू किया, उसे 20वें ओवर में जाकर फीनिश किया। हालांकि, पैट कमिंस के लिए अफगानिस्तान के खिलाफ वाली हैट्रिक और भी ज्यादा खास इसलिए है क्योंकि ये उनके 150वें अ20 मैच में आई है। अफगानिस्तान के खिलाफ हैट्रिक लेने की शुरुआत पैट कमिंस ने 18वें ओवर की आखिरी गेंद से की थी। उनका पहला शिकार राशिद खान बने। इसके बाद 20वें ओवर की पहली गेंद पर उन्होंने करीम जनत को डेविड वॉर्नर के हाथों कैच कराकर अपना दूसरा विकेट लिया। जबकि अगली ही गेंद पर उन्होंने गुलबदीन को आउट कर अपनी लगातार दूसरी हैट्रिक पूरी कर ली।

अफगानिस्तान ने किया बड़ा उलटफेर, सुपर 8 में ऑस्ट्रेलिया को 21 रन से हराया

किंग्सटाउन। अफगानिस्तान से टी 20 विश्वकप में यहां बड़ा उलटफेर करते हुए सुपर8 के मैच में ऑस्ट्रेलिया को 21 रन से हरा दिया है। रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जारदान की शतकीय ओपनिंग साझेदारी के दम पर 20 ओवर 148ध्6 का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा करने के बाद अफगानिस्तान ने सधी हुई गेंदबाजी की और ऑस्ट्रेलिया को 19.2 ओवर में 127 रन पर समेट कर मैच अपने नाम कर लिया। गुलबदीन नायब ने चार ओवर में 20 रन देकर चार विकेट चटकाए। नवीन–उल–हक ने चार ओवर में 20 रन देकर तीन विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से ग्लेन मैक्सवेल (59) को छोड़कर कोई बल्लेबाज टिक नहीं सका। मैक्सवेल ने 41 गेंदों की अपनी पारी में तीन छक्के और छह चौके लगाये। टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने के बाद 149 रन के आसान से दिखने वाले लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही। उसने पहले ओवर की तीसरी गेंद पर शून्य के स्कोर पर ट्रेविस हेड के रूप में पहला विकेट गंवा दिया। नवीन–उल–हक की गेंद उनका मिडिल स्टंप ले उड़ी। हक ने मैच के तीसरे ओवर में मिशेल मार्श (12) को धीमी गेंद पर मोहम्मद नबी के हाथों कैच कराया। उस समय ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 16 रन था। छठे ओवर की पहली गेंद पर डेविड वॉर्नर मोहम्मद नबी का शिकार बने। इसके बाद मैक्सवेल और मार्कस स्टोइनिस (11) के बीच 39 रन की साझेदारी हुई। नायब ने 11वें ओवर में 71 के स्कोर पर स्टोइनिस को पवेलियन भेजा। और कोई बल्लेबाज मैक्सवेल का साथ नहीं दे सका। 106 के स्कोर पर नायब ने मैक्सवेल को नूर अहमद के हाथों कैच कराकर ऑस्ट्रेलिया की रही सही उम्मीद भी समाप्त कर दी। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने आठ गेंदबाजों का इस्तेमाल किया।

आईएल टी20 सत्र 3 के लिए रसेल, नारायण, वार्नर सहित 69 खिलाड़ी रिटेन

दुबई। आईएल टी 20 के तीसरे सत्र से पहले 69 खिलाड़ियों को उनकी संबंधित टीमों ने रिटेन किया है जिसमें आंद्रे रसेल, सुनील नारायण, निकोलस पूरन, डेविड वार्नर और मोहम्मद आमिर शामिल हैं। टूर्नामेंट का तीसरा सत्र 11 जनवरी 2025 से शुरू होगा और नौ फरवरी तक अबू धाबी, दुबई और शारजाह में खेला जाएगा। रिटेन किये जाने वाले खिलाड़ियों के लिए विंडो एक जून को खुली थी और टीमों को रिटेन किये जाने वाले खिलाड़ियों की सूची जमा कराने के लिए दो सप्ताह का समय दिया गया था। गत चौंपियन एमआई अमीरात ने कप्तान पूरन, ड्वेन ब्रावो, अकील हुसैन, कीरोन पोलार्ड और फजलहक फारूकी को रिटेन किया है जबकि ट्रेंट बोल्ट को रिटेन नहीं किया है। अबू धाबी नाइट राइडर्स ने कप्तान नारायण और रसेल के साथ–साथ यूएसए के डेविड विली, चरित असालंका, अली खान और एंड्रीज गौस जैसे खिलाड़ियों को बरकरार रखा है। डेजर्ट वाइपर ने आमिर, वानिंदु हसरंगा, एलेक्स हेल्स और आजम खान को बरकरार रखा है। हालाँकि, उनकी रिटेनशन सूची से उल्लेखनीय रूप से तेज गेंदबाज शाहीन शाह आफरीदी और मथीशा पथिराना को बाहर रखा गया है। कप्तान वार्नर के नेतृत्व वाली दुबई कैपिटल्स ने रोवमैन पॉवेल, सैम बिलिंग्स और जेक फ्रेजर–मैकगर्क सहित प्रमुख खिलाड़ियों को बरकरार रखा है। इंग्लैंड के जो रूट और मार्क वुड, जो पिछले साल उनकी टीम का हिस्सा थे, को बरकरार नहीं रखा गया है। गल्फजाइंट्स ने शिमरॉन हेटमायर और कप्तान जेम्स विंस को बरकरार रखा है, जबकि यूएसए के सौरभ नेत्रवलकर और अफगानिस्तान के स्पिनर मुजीब उर रहमान को जगह नहीं मिली है। शारजाह वॉरियर्स ने अपने आठ रिटेन खिलाड़ियों में कुसल मेंडिस, कप्तान टॉम कोहलर–कैडमोर और जॉनसन चार्ल्स को रिटेन किया है। छह फ्रेंचाइजी में से प्रत्येक ने यूएई के दो–दो खिलाड़ियों को बरकरार रखा है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक–अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल नं. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।